अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इंसाफ़ की डगर पर

P-12

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

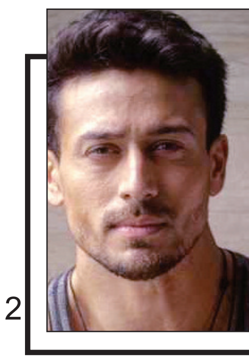
P-12

RNI.No. : DELMUL/2012/47011

www.timesofpedia.com

वर्ष : 14 अंक: 14 नई दिल्ली, मंगलवार , 14 अप्रैल 2026 Email.timesofpedia@gmail.com पृष्ठ: 12 मूल्य : 01./-

नोएडाः फैक्ट्री कर्मचारियों का हिसंक प्रदर्शन, आगजनी

10 गाड़ियों में आग-तोड़फोड़, दफ्तरों पर पत्थर फेंके, पुलिस से झड़प; डीजीपी बोले: एक्शन लेंगे

नोएडा (सं.)। सैलरी बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे फैक्ट्री कर्मचारियों का प्रदर्शन सोमवार सुबह हिंसक हो गया। सुनवाई न होने से कर्मचारी उग्र हो गए। फेज-2 इलाके में कर्मचारी सड़क पर उतर आए और पथराव किया। कई गाड़ियों और बसों को आग लगा दी। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो उनकी गाड़ी पलट दी। हालात बिगड़े तो कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। कर्मचारियों को रोकने की कोशिश की तो उन पर पथराव कर दिया। फिर पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। फेज-2 जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग कर दी। फेज-2 के बाद धीरे-धीरे प्रदर्शन नोएडा के करीब 10 इंडस्ट्रियल इलाकों में फैल गया। कर्मचारियों ने सेक्टर 1, 15, 62 और DND फ्लाइओवर के पास सड़क जाम कर दी। सेक्टर- 40 और 60 में कर्मचारियों ने कंपनियों का घेराव किया। सेक्टर 85 में जबरन अंदर घुसने की कोशिश की। सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने रोका तो उन पर पथराव कर दिया। सेक्टर-57 में फैक्ट्री में तोड़फोड़ की। हालात को काबू करने के लिए PAC को मौके पर उतार दिया गया है। कंपनियों के बाहर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं। DGP राजीव कृष्ण और ADG (लॉ एंड ऑर्डर) अमिताभ यश कंट्रोल रूम से स्थिति पर नजर रखते हुए हैं। डीजीपी ने कहा कि अफवाह फैलाने वालों की पहचान कर रहे हैं। सख्त कार्रवाई करेंगे। पुलिस के मुताबिक, नोएडा का फेज-2 इलाका इंडस्ट्रियल एरिया है। यहां मदरसन, ऋचा ग्लोबल, रेनबो, पैरामाउंट, एसएनडी और अनुभव कंपनियों के 1000 से ज्यादा कर्मचारी सैलरी बढ़ाने को लेकर पिछले 3 दिन से प्रदर्शन कर रहे थे। करीब 500 कर्मचारी मदरसन कंपनी के बाहर जुटे थे। सबसे पहले यहीं हिंसा हुई। प्रशासन कर्मचारियों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है। कर्मचारियों को समझाने की कोशिशें की जा रही हैं। नोएडा डीएम मेधा रुपम ने कहा- अफवाहों पर ध्यान न दें। कंपनियों के साथ बैठक में अहम फैसले लिए गए हैं। वर्कप्लेस पर यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति गठित की जाएगी। इसकी अध्यक्ष महिला ही होगी। शिकायत पेटियां रखी जाएंगी। कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा। हर महीने की 10 तारीख तक वेतन का एकमुश्त भुगतान कर दिया जाएगा। वेतन पर्ची अनिवार्य रूप से दी जाएगी। नोएडा के सेक्टर 57 और 74 में कर्मचारी उग्र हो गए हैं। नेक्सा सर्विस कंपनी में कर्मचारियों ने तोड़फोड़ भी की है। DGP राजीव कृष्ण ने कहा- नोएडा में भड़काने वाले तत्वों को चिह्नित किया जा रहा है। बाहरी तत्वों की भी पहचान की जा रही है। सख्त वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

भारत में बनेगा तेजस फाइटर जेट इंजन का रिपेयर सेंटर

'नई दिल्ली (एजेंसी) ।मेक इन इंडिया' पहल को मजबूती देते हुए अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने सोमवार को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के साथ एक नया समझौता किया है। इसके तहत भारत में एफ404-आईएन20 इंजन के लिए रिपेयर और मेंटेनेंस सुविधा (डिपो) स्थापित की जाएगी, जो एचएएल के तेजस फाइटर जेट को शक्ति प्रदान करते हैं। यह नई सुविधा भारत में ही बनाई जाएगी और इसका संचालन भारतीय वायु सेना करेगी, जबकि जीई एयरोस्पेस तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा।

इस कदम का उद्देश्य भारत की स्वदेशी रक्षा मेंटेनेंस क्षमता को मजबूत करना और दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करना है। जब यह सुविधा चालू हो जाएगी, तो इंजन की मरम्मत और रखरखाव में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा, जिससे तेजस फाइटर जेट की उपलब्धता बेहतर होगी। समझौते के तहत यह डिपो पूरी तरह से भारतीय वायु सेना के स्वामित्व और संचालन में रहेगा। वहीं जीई एयरोस्पेस तकनीकी विशेषज्ञता, प्रशिक्षण, सपोर्ट स्टाफ और जरूरी स्पेयर पाट्र्स व विशेष उपकरण उपलब्ध कराएगा।जीई एयरोस्पेस की डिफेंस एंड सिस्टम्स सेल्स और बिजनेस डेवलपमेंट की वाइस प्रेसिडेंट रीटा फ्लेहर्टी ने कहा कि यह साझेदारी भारत की सशस्त्र सेनाओं को मजबूत करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

महाराष्ट्रः ठाणे में सड़क हादसे में 11 की मौत

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और दो गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यह हादसा सुबह करीब 10:45 बजे मुर्बाड के गोविली गांव स्थित रैता ब्रिज पर हुआ। पुलिस ने बताया कि कल्याण से मुर्बाड जा रही एक वैन की सामने से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक से आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन में सवार 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मुर्बाड के तहसीलदार अभिजीत देशमुख ने बताया कि घायलों को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरने वालों में आठ पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। अब तक 6 मृतकों की पहचान हो चुकी है, जबकि बाकी की पहचान जारी है। हादसे के बाद कुछ घंटों तक कल्याण से अहिल्यानगर रोड पर लंबा जाम लग गया था।

लव जिहाद में किशोरी की हत्या? आरोपी प्रेमी

दरभंगा। कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां घर से भागी एक किशोरी की हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस गांव में कैंप कर रही है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।बताया जाता है कि नाबालिग लड़की को दूसरे समुदाय के लड़के ने प्रेम प्रसंग में बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा लिया था। मृतका के पिता ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद उसकी बेटी पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि जब उनकी बेटी ने धर्म परिवर्तन से इनकार किया, तो आरोपी के परिवार वालों ने उसकी हत्या कर दी।कुशेश्वरस्थान थाना क्षेत्र के हिरणी पंचायत निवासी मृतका के पिता ने अपने लिखित आवेदन में कहा है कि मो. साबिर का बेटा मो. उजाला 13 जनवरी 2026 को उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर और झांसा देकर भगा ले गया था। काफी खोजबीन के बाद जानकारी मिली कि उनकी बेटी आरोपी के साथ है, जिसके बाद उन्होंने थाने में आवेदन देकर बेटी की तलाश की गुहार लगाई थी।

कर्नाटक कांग्रेस के 30 विधायक दिल्ली पहुंचे

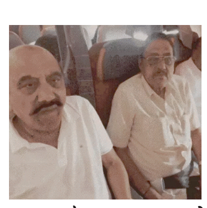

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में कैबिनेट फेरबदल की मांग कर रहे 40 सीनियर विधायकों में 30 विधायक रविवार को दिल्ली पहुंचे। यहां वे पार्टी हाईकमान से मिलकर मंत्रिमंडल में फेरबदल और नए चेहरों को मौका देने की मांग करेंगे। तीन से ज्यादा बार विधायक बन चुके करीब 40 विधायकों की मांग है कि मौजूदा मंत्रियों को लगभग तीन साल का समय मिल चुका है, इसलिए अब सीनियर विधायकों को मौका दिया जाए। वहीं पहली बार चुने गए 38 कांग्रेस विधायक भी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने पार्टी नेतृत्व को पत्र लिखकर कम से कम 5 नए विधायकों को मंत्री बनाने की मांग की है। मांड्या विधायक रविकुमार गौड़ा ने कहा कि नए चेहरों को भी मौका मिलना चाहिए। कर्नाटक में मुख्यमंत्री समेत कुल 34 मंत्रियों की मंजूरी है। फिलहाल दो मंत्री पद पहले से खाली हैं। इनमें एक पद बी नागेंद्र के इस्तीफे के बाद खाली हुआ, जिन पर कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन में गबन के आरोप लगे थे। दूसरा पद पार्टी हाईकमान के निर्देश पर केएन राजन्ना को हटाए जाने के बाद खाली हुआ। ऐसे में विधायकों की मांग है कि इन पदों को भरने के साथ व्यापक फेरबदल किया जाए। दिल्ली पहुंचे नेताओं में टीबी जयचंद्र, अशोक पट्टन, एसएन नारायणस्वामी, पुट्टारंगा शेट्टी और बेलूर गोपाल कृष्ण समेत कई विधायक शामिल हैं।

मोदी महिलाओं से बोले : गृहस्थ नहीं, लेकिन जानता सब हूं

हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को महिला आरक्षण बिल पर कहा, 'हमारे देश की संसद एक नया इतिहास रचने के करीब है। विधानसभाओं से लेकर संसद तक दशकों की प्रतीक्षा के अंत का समय आ गया है। इसलिए सरकार 16 से 18 अप्रैल तक संसद का स्पेशल सेशन लाई है।' उन्होंने कहा, ह्यनारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के जीवन का बड़ा अवसर बनने जा रहा है। संसद तक पहुंचने का रास्ता आसान बनने जा रहा है। आज महिलाओं की भूमिका और भी अहम हो गई है। हमारी योजनाओं से औरतें आर्थिक रूप से ताकतवर बनीं। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं।' पीएम मोदी ने कहा, ह्यहमारी सरकार महिलाओं के लिए कई योजनाएं लेकर हाजिर है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, मातृत्व योजना, जन्म के बाद सुकन्या समृद्धि योजना, सही समय पर टीके लगें इसके लिए मिशन इंद्र धनुष शुरू किया। स्कूल में शौचालय की परेशानी न हो स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त सेनेटरी पैड, खेलों में सालाना 1 लाख की मदद, भविष्य में सेना में जाना चाहे तो सरकार ने सैनिक स्कूल के दरवाजे खोले। जीवन के आगे के पड़ाव में रसोई में धुएं की परेशानी से बचाने उज्जवला योजना, पानी के लिए हर घर नल, 5 लाख तक मुफ्त इलाज देने वाली आयुष्मान योजना। इन सबका सबसे ज्यादा लाभ हमारी बहनों और बेटियों को हो रहा है। 3 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने घर की मालिक बनी हैं। आम तौर पर पिता और बेटा व्यापार की बात करते हैं न और मां आ जाए तो कहते हैं तुम जाओ। अब जब वो आर्थिक सशक्त हो गई हैं तो बेटा भी कहता है कि मां को बुलाइए न। उन्होंने कहा कि मैं गृहस्थ नहीं हूं, लेकिन जानता सब हूं। भारत की सभी महिलाओं को एक नए युग के आगमन की बधाई भी देता हूं। लोकतांत्रिक संरचना में महिलाओं को आरक्षण देने की जरूरत दशकों से हर कोई महसूस कर रहा है। महिला आरक्षण बिल पर विमर्श को करीब चालीस साल बीत गए। इसमें सभी पार्टियों के और कितनी ही पीढ़ियों के प्रयास शामिल हैं। हर दल ने इस विचार को अपने अपने ढंग से आगे बढ़ाया है। 2023 में जब यह अधिनियम आया था तब भी सभी दलों ने सर्व सम्मति से इसे पास कराया था।

'कांग्रेस मजबूती के साथ खड़ी', पवन खेड़ा के समर्थन में बोले राहुल

असम सीएम पर गंभीर आरोप भी लगाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को लेकर चल रही सियासत के बीच अब लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि कांग्रेस पवन खेड़ा के साथ खड़ी है और किसी भी तरह के दबाव या डर से पीछे नहीं हटेगी। यह बयान उस समय आया है जब असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर पवन खेड़ा को मिली ट्रांजिट अग्रिम जमानत को चुनौती दी है। इस पूरे मामले को ऐसे समझिए कि 10 अप्रैल को तेलंगाना हाईकोर्ट ने पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी।

खेड़ा ने यह राहत इसलिए मांगी थी क्योंकि असम पुलिस उनसे पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित उनके घर पहुंची थी, लेकिन वह वहां नहीं मिले। बता दें कि ये पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बीते पांच अप्रैल को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया था कि मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेशों में संपत्ति है, जिसकी जानकारी चुनावी हलफनामे में नहीं दी गई। हालांकि, हिमंता बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठा और मनगढ़ंत बताया है।

अब इस मामले में राहुल गांधी ने खुलकर पवन खेड़ा का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि असम के वर्तमान मुख्यमंत्री देश के सबसे भ्रष्ट नेताओं में से एक हैं और वे कानून से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सत्ता का दुरुपयोग करके विरोधियों को परेशान करना संविधान के खिलाफ है। इसके साथ ही राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि पवन खेड़ा की तरफ से उठाए गए सवालों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सत्ता में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है और इस मामले में कांग्रेस पार्टी पवन खेड़ा के साथ मजबूती से खड़ी है।गौरतलब है कि पवन खेड़ा के खिलाफ मामला रिनिकी भुइयां सरमा की शिकायत पर गुवाहाटी क्राइम ब्रांच में दर्ज किया गया है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराएं लगाई गई हैं, जैसे कि चुनाव से जुड़े मामले में गलत जानकारी देना, धोखाधड़ी। ऐसे में तेलंगाना हाई कोर्ट ने जमानत देते समय कुछ शर्तें भी रखीं, जैसे कि गिरफ्तारी की स्थिति में एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहाई, जांच में पूरा सहयोग करना, जरूरत पड़ने पर पूछताछ के लिए उपस्थित होना और बिना अदालत की अनुमति देश छोड़कर न जाना। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि उसने मामले के तथ्यों पर कोई अंतिम राय नहीं दी है, लेकिन गिरफ्तारी का खतरा वास्तविक लगता है, इसलिए सीमित राहत दी गई है।

बंथरा में बेड में मृत मिली महिला

लखनऊ (एजेंसी)। बंथरा इलाके में शनिवार को एक 24 वर्षीय महिला संजना की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस के अनुसार, बंथरा के उम्मेद खेड़ा निवासी अमरीश धीमान की शादी तीन साल पहले उन्नाव जिले के हसनगंज निवासी संजना से हुई थी। संजना पिछले दो वर्षों से किडनी की बीमारी से पीड़ित थीं और उनका इलाज चल रहा था।शुक्रवार रात परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर सो गए थे। शनिवार सुबह जब अमरीश अपनी पत्नी संजना को जगाने गए, तो वह बिस्तर पर मृत अवस्था में मिलीं। इसके बाद अमरीश ने संजना के मायके वालों को घटना की सूचना दी। इसी बीच, किसी ने पुलिस को भी सूचित कर दिया। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में महिला की मौत का कारण किडनी की बीमारी प्रतीत हो रहा है। मृतका के मायके वालों ने इस संबंध में कोई तहरीर नहीं दी है और न ही किसी पर कोई आरोप लगाया है।

बीरभूम में गरजे गृहमंत्री अमित शाह

कहा- पांच मई को बनने वाली है भाजपा सरकार, बंगाल की जनता ने लिया निर्णय

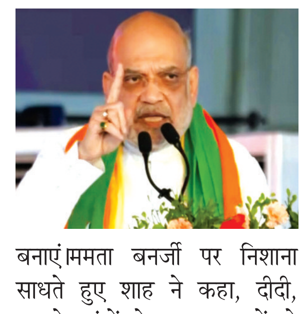

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम में गृहमंत्री अमित शाह ने दो और पश्चिम बर्धमान में एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया। शाह ने कहा बंगाल में पांच मई को भाजपा की सरकार बनने वाली है। मैं पूरे बंगाल में घूमता हुआ बीरभूम आया हूं। दीदी को टाटा-बाय-बाय कहने का निर्णय बंगाल की जनता ने ले लिया है। शाह ने कहा कि इस बार बीरभूम को एक रिकॉर्ड बनाना है। उन्होंने जनता से अपील की कि वे सभी 11 सीटें भाजपा को दें और राज्य में भाजपा सरकार बनाएं।ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, दीदी, आपके गुंडों के बम धमाकों से बंगाल की जनता अब नहीं डरेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि बंगाल की जनता बम का जवाब बैलेट से देगी और भय का जवाब भरोसे से देगी। उन्होंने लोगों से कहा कि आप बैलेट मशीन पर कमल का निशान दबाइए, ममता के सारे गुंडों को ढूंढने का काम भाजपा की सरकार करेगी। गृहमंत्री ने कटमनी और सिंडिकेट का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि जनता इससे बहुत परेशान है। अगर किसी गरीब को घर बनाने के लिए ईंट या सीमेंट लाना है, तो ममता के सिंडिकेट वाले पैसे मांगते हैं। शाह ने वादा किया कि आप ममता को यहां से निकाल दो, कटमनी और सिंडिकेट वालों को उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम भाजपा की सरकार करेगी।अमित शाह ने कहा कि बंगाल में चार मई के बाद डबल इंजन सरकार बनने वाली है। इसके साथ ही बंगाल के अंदर विकास का नया दौर शुरू होने वाला है। उन्होंने टीएमसी पर हमला करते हुए कहा कि इस पार्टी ने मयूरेश्वर को बम और बारूद की खदान बना दिया है। शाह ने आरोप लगाया कि 2013 से लेकर 2021 तक भाजपा कार्यकताओं को बहुत परेशान किया गया है। उन्होंने टीएमसी के गुंडों को सख्त चेतावनी दी।

गृहमंत्री ने जनता से किया वादा

शाह ने सुरक्षा व्यवस्था पर जानकारी देते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने यहां 800 से ज्यादा कंपनियां भेजी हैं। शांतिपूर्ण मतदान के लिए पूरे इंतजाम किए गए हैं, इसलिए किसी भी नागरिक को डरने की जरूरत नहीं है। अमित शाह ने कहा कि यह चुनाव घुसपैठियों को बाहर निकालने का चुनाव है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता दीदी और भतीजा उनको नहीं निकाल सकते। वे तो बीएसएफ को बाड़ लगाने के लिए जमीन भी नहीं देते हैं। शाह ने वादा किया कि भाजपा सरकार बनते ही 45 दिन के अंदर बंगाल की पूरी सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन दे दी जाएगी।

डॉ. अंबेडकर : संविधान के शिल्पकार, सामाजिक न्याय के महानायक

योगेश कुमार गोयल

अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है। वे नारे नहीं बल्कि एक निरंतर प्रवाहित विचारधारा हैं; वे केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो हर युग में समाज को दिशा देती है।

व्यक्ति नहीं, क्रांति का नाम है डॉ. भीमराव अंबेडकर...

भारत के सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक इतिहास में डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एक ऐसे विराट बौद्धिक और नैतिक शिखर के रूप में स्थापित है, जिसने भारतीय समाज की जड़ता को चुनौती देते हुए उसे समता, न्याय और बंधुत्व के आधुनिक मूल्यों से आलोकित किया। वे केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक जीवंत विचारधारा, एक जागृत चेतना और एक सतत सामाजिक क्रांति के पर्याय हैं। 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे अंबेडकर ने उस सामाजिक यथार्थ को स्वयं जिया, जिसमें जन्म के आधार पर मनुष्य की गरिमा निर्धारित की जाती थी। बाल्यावस्था में झेली गई उपेक्षा, भेदभाव और अपमान ने उनके भीतर निराशा नहीं, परिवर्तन की एक प्रखर और संगठित चेतना को जन्म दिया। उनके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत संघर्षों को व्यापक सामाजिक संघर्ष में रूपांतरित किया। शिक्षा उनके लिए केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं थी बल्कि सामाजिक मुक्ति का सबसे सशक्त औजार थी।

सीमित संसाधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद डॉ. अंबेडकर ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर उच्च शिक्षा प्राप्त की। कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे विश्वविख्यात संस्थानों में अध्ययन करते हुए उन्होंने अर्थशास्त्र, राजनीति और विधि के क्षेत्र में गहन अध्ययन किया और अपने ज्ञान को सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित किया। यह शिक्षा ही थी, जिसने उन्हें भारतीय समाज की संरचनात्मक विसंगतियों को समझने और उनके समाधान के लिए ठोस नीतिगत दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम बनाया। अंबेडकर का जीवन केवल संघर्षों का इतिहास नहीं बल्कि समाधान की एक सुविचारित और व्यवस्थित प्रक्रिया है। उन्होंने यह स्पष्ट रूप से समझ लिया था कि सामाजिक परिवर्तन केवल भावनात्मक आवेग से संभव नहीं है बल्कि इसके लिए वैचारिक स्पष्टता, संगठित प्रयास और संस्थागत ढांचे की आवश्यकता होती है। 1927 का महाड़ सत्याग्रह इसी सोच का परिणाम था, जिसमें उन्होंने दलितों के लिए सार्वजनिक जल स्रोतों तक पहुंच सुनिश्चित करने के अधिकार की मांग की। यह केवल पानी के अधिकार का प्रश्न नहीं था बल्कि सामाजिक समानता के मूल सिद्धांत की स्थापना का प्रयास था। इसी प्रकार 1930 का कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन धार्मिक स्थलों में समान

अधिकार की मांग का प्रतीक था, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अंबेडकर का संघर्ष केवल सामाजिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक समानता के लिए भी था।

महात्मा गांधी के साथ 1932 में हुआ पूना समझौता अंबेडकर की राजनीतिक दूरदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचायक था। उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता किए बिना राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को प्राथमिकता दी। यह समझौता इस बात का उदाहरण था कि वे केवल संघर्ष करने वाले नेता नहीं थे बल्कि समाधान खोजने वाले युगद्रष्टा भी थे। भारतीय संविधान के निर्माण में अंबेडकर की भूमिका उन्हें इतिहास में एक अद्वितीय स्थान प्रदान करती है। संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसे लोकतांत्रिक ढांचे की रचना की, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी मिले। उनके लिए संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं था बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त साधन था। उन्होंने संविधान में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को इस प्रकार समाहित किया कि यह भारतीय समाज की विविधता के बीच एकता को बनाए रखने का माध्यम बन सके।

डॉ. अंबेडकर ने यह स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक लोकतंत्र स्थापित नहीं हुआ तो राजनीतिक लोकतंत्र भी स्थायी नहीं रह पाएगा। उनका यह दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय था। उन्होंने अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था, मौलिक अधिकारों की स्थापना और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के माध्यम से एक समावेशी समाज की नींव रखी। अंबेडकर की क्रांतिकारी चेतना का एक महत्वपूर्ण आयाम उनका धार्मिक दृष्टिकोण भी था। उन्होंने धर्म को व्यक्ति की गरिमा और सामाजिक समानता के संदर्भ में देखा। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने बौद्ध धर्म ग्रहण किया, जो उनके जीवन का एक ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक निर्णय था। यह केवल धर्म परिवर्तन नहीं था बल्कि सामाजिक अन्याय के विरुद्ध एक सशक्त वैचारिक घोषणा थी। बौद्ध धर्म के माध्यम से उन्होंने करुणा, समता और मानवता के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया।

डॉ. अम्बेडकर के जीवन का एक और महत्वपूर्ण पहलू उनका बौद्धिक और वैचारिक संघर्ष था। उन्होंने लेखन और भाषणों के माध्यम से समाज की जटिल समस्याओं का विश्लेषण किया और उनके समाधान प्रस्तुत किए। उनकी कुछ प्रसिद्ध कृतियां आज भी सामाजिक चिंतन का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने तर्क, विज्ञान और विवेक को अपने विचारों का आधार बनाया और अंधविश्वास, रूढ़ियों तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई। 1951 में हिंदू कोड बिल के पारित न होने पर उनका मंत्रिमंडल से इस्तीफा इस बात का प्रमाण है कि उनके लिए सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण सिद्धांत थे। यह घटना उनके चरित्र की दृढ़ता और नैतिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह उस समय के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अत्यंत क्रांतिकारी था।

आज, जब भारत सामाजिक और आर्थिक विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, डॉ. अंबेडकर के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो उठते हैं। जातीय भेदभाव, लैंगिक असमानता और सामाजिक विषमता जैसी चुनौतियां यह संकेत देती हैं कि उनकी आरंभ की गई सामाजिक क्रांति अभी अधूरी है। उनके विचार हमें यह सिखाते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है बल्कि यह सामाजिक न्याय और समान अवसरों की सतत प्रक्रिया है। अंबेडकर का मानना था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जाना चाहिए। यह विचार आज भी लैंगिक समानता के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने श्रमिकों के अधिकारों के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और 8 घंटे के कार्यदिवस जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया।

अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है। वे नारे नहीं बल्कि एक निरंतर प्रवाहित विचारधारा हैं; वे केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो हर युग में समाज को दिशा देती है। वास्तव में अंबेडकर एक नाम नहीं बल्कि वह क्रांति हैं, जो तब तक जीवित रहेगी, जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति न्याय, सम्मान और समान अवसर प्राप्त नहीं कर लेता। उनकी विरासत हमें यह स्मरण कराती है कि एक सशक्त और समतामूलक भारत का निर्माण तभी संभव है, जब हम उनके विचारों को केवल स्मरण न करें बल्कि उन्हें अपने आचरण और नीतियों में भी उतारें।

संपादकीय

थमी सुरों की आशा

हृदयाघात के चलते करोड़ों संगीत प्रेमियों को भले ही आशा भोसले अलविदा कह गई हों लेकिन विविधता लिए सुरीले गीत सदियों तक संगीत प्रेमियों के दिल-दिमाग में गूंजते रहेंगे। 8 सितंबर 1933 को जन्मीं आशा भोसले नब्बे साल तक लगातार गाती रहीं। आशा के सुरीले गीतों ने देश-दुनिया के करोड़ों दिलों को छुआ। उनकी कर्णप्रिय धुनों वाले गीतों में जीवन का एक उल्लास रहा है। तभी नब्बेवें जन्मदिन पर लगातार तीन घंटे संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत करके वे नया रिकॉर्ड दर्ज कर गईं। जीवनपर्यंत गाने का संकल्प करने वाली आशा ने हिंदी समेत तमाम भारतीय भाषाओं के गीत गाए। व्यक्तित्व की जीवटता उनके गीतों में भी शिद्दत से मौजूद रही। व्यवहार में मुखरता, गीतों में मस्ती और बेबाक हाजिरजवाबी उनका विशिष्ट गुण था। एक संगीत साधक परिवार में जन्मी आशा ने छोटी उम्र से गाना शुरू किया और अपने गायन में विविधता को लगातार विस्तार दिया। यह विश्वास कर पाना कठिन है कि एक गायिका क्लासिक गीतों से लेकर पॉप,जैज,गजल तथा कव्वाली गाने में भी पारंगत हो सकती है। निस्संदेह, बॉलीवुड व गायकी की दुनिया, उनकी जिंदादिली व गायकी के उल्लासमय अंदाज को सदैव याद रखेगी। अच्छे गीतकार, सधे संगीतकारों के गीत को अपने खास अंदाज से वे बेहतरीन व कालजयी बना देती थीं। इस तरह मोहम्मद रफी, मुकेश व किशोर कुमार के क्रम में आशाजी का जाना भारतीय गीतमाला के एक युग का अवसान भी है। लेकिन इस महान प्लेबैक सिंगर की आवाज सालों-साल तक भारतीय परिदृश्य में गूंजती रहेगी। आशा के गीतों की विशिष्टता यह भी है कि पीढ़ियों के बदलाव के बीच भी उनकी जवां आवाज हमेशा पसंद की जाती रही। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि हमने उनके चुलबुले गीतों व शोखी के अंदाज को तो देखा, लेकिन उनके जीवन के विकट संघर्ष को नजरअंदाज किया। उन्होंने अपने संगीत की विरासत वाले परिवार में लता मंगेशकर जैसे विराट वट वृक्ष तले अपना विकास किया। सफलता के पहले पायदान पर पहुंचने का उनका सपना प्रतिभा के बावजूद सफल न हो सका। लता के वर्चस्व के चलते कई प्रतिभाएं समय से पहले ही गुमनामी की दुनिया में चली गईं, लेकिन इसके बावजूद आशा ने अपनी एक अलग पहचान बनाये रखी। उसमें उनकी प्रतिभा के साथ जीवटता भी शामिल रही। उन्होंने पिता दीनानाथ मंगेशकर की संगीत विरासत को समृद्ध ही किया।

नारी शक्ति वंदन शंका व संग्राम

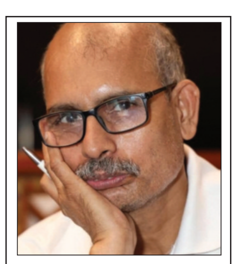

विनोद कुमार सिंह

संसद का विशेष सत्र का ऐसे समय बुलाया गया है जब 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रही है।

विश्व का सबसे बड़े लोकतंत्र भारत वर्तमान परिपेक्ष में एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है,जहाँ सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक रणनीति एक-दूसरे में गुंथकर नई दिशा तय कर रहे हैं। 'नारी शक्ति वंदन' का उभरता विमर्श,संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र और इसके इर्द-गिर्द तेज होती राजनीतिक हलचल इस बात का संकेत है कि देश की आधी आबादी अब केवल चर्चा का विषय नहीं,बल्कि सत्ता-समीकरण का केंद्र बन चुकी है। यह वह काल है, जहाँ नारी शक्ति का प्रश्न भावनात्मक अपील से आगे बढ़कर ठोस राजनीतिक और संवैधानिक निर्णयों की कसौटी पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक विज्ञान भवन में दिए गए वक्तव्यों ने इस बहस को नई गति दी है।केन्द्र सरकार इसे ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में निर्णायक कदम बता रही है,वही कांग्रेस व विपक्षी राजनीतिक दल इसे समय-प्रबंधन और राजनीतिक लाभ के नजरिये से देख रहा है। परिणाम स्वरूप यहीं से सत्ता और विपक्ष के बीच वह टकराव स्पष्ट रूप से उभरता है,जो भारतीय लोकतंत्र की पहचान भी और उसकी शक्ति भी है।भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस पूरे विमर्श को महिला सशक्तिकरण की दीर्घकालिक नीति का स्वाभाविक विस्तार मानते हैं। उनका तर्क है कि पिछले वर्षों में महिलाओं को आर्थिक,सामाजिक और स्वास्थ्य के स्तर पर मजबूत करने के लिए जो योजनाएं लागू की गईं,वे अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में परिणत होने जा रही हैं।जनधन योजना के माध्यम से बैंकिंग पहुँच, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन,स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण और 'लखपति दीदी' जैसी पहलों को इस परिवर्तन की पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।उनका यह तर्क दिया जा रहा है कि जब आधार तैयार हो चुका है,तब राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना स्वाभाविक अगला कदम है।वही इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस पूरी प्रक्रिया को अधूरा और प्रश्नों से घिरा हुआ मानते हैं।उनका कहना है कि यदि महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण देना है,तो आरक्षण के भीतर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए,ताकि पिछड़े वर्गों,दलितों और आदिवासी समुदायों की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके।इसके साथ ही वे इस बात पर भी सवाल उठाते हैं कि क्रियान्वयन को भविष्य की समयसीमा से क्यों जोड़ा गया है।विपक्ष के अनुसार, यह देरी कहीं न कहीं इस मुद्दे को चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने की रणनीति को दशार्ती है।यह टकराव केवल विधायी प्रक्रिया का नहीं,बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का संघर्ष बन चुका है। एक ओर सत्ता पक्ष इसे उपलब्धियों की श्रृंखला के रूप में प्रस्तुत कर रहा है,तो दूसरी ओर विपक्ष इसे अधूरी प्रतिबद्धता और राजनीतिक गणित का परिणाम बताने में लगा है।इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों पक्ष 'नारी शक्ति' को अपने-अपने तरीके से केंद्र में रख रहे हैं,जो इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं का मुद्दा अब भारतीय राजनीति में निर्णायक बन चुका है।अगर हम इस पहलू के संभावित लाभों की चर्चा करें तो यह स्पष्ट है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र अधिक संतुलित और समावेशी बन सकता है।पंचायत स्तर पर महिलाओं की सक्रिय भूमिका पहले ही यह साबित कर चुकी है कि जब उन्हें अवसर मिलता है,तो वे विकास की प्राथमिकताओं को नई दिशा देती हैं। जल, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण जैसे विषयों पर उनका दृष्टिकोण अधिक संवेदनशील और व्यावहारिक होता है।यदि यही अनुभव संसद और विधानसभाओं तक पहुंचता है,तो नीतियों में व्यापक बदलाव संभव है। इसके साथ ही चुनावी राजनीति में महिलाओं की भूमिका भी तेजी से बदल रही है।वे अब केवल मतदाता नहीं,बल्कि निर्णायक मतदाता के रूप में उभर रही हैं। पिछले कुछ चुनावों में यह देखा गया है कि महिला मतदाताओं की भागीदारी और उनके मतदान के पैटर्न ने कई राज्यों में परिणामों को प्रभावित किया है।यही कारण है कि सभी राजनीतिक दल अब इस वर्ग को अपने पक्ष में करने के लिए विशेष रणनीतियां बना रहे हैं।

हालांकि,इस पूरी प्रक्रिया के सामने कई चुनौतियां भी हैं।सबसे बड़ी चुनौती है क्रियान्वयन की विश्वसनीयता।यदि यह पहल केवल घोषणा तक सीमित रह जाती है या इसमें अनावश्यक देरी होती है,तो इसका प्रभाव कमजोर पड़ सकता है। इसके अलावा,यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि महिलाओं को केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व न मिले,बल्कि वे वास्तविक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनें। पंचायत स्तर पर कई जगहों पर देखी गई 'प्रॉक्सी राजनीति' की प्रवृत्ति को भी गंभीरता से रोकना होगा,अन्यथा इस पहल का मूल उद्देश्य प्रभावित हो सकता है। आने वाले विधानसभा चुनाव इस पूरे विमर्श की वास्तविक परीक्षा साबित होंगे।भाजपा और एनडीए इस मुद्दे को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करते हुए महिला मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास करेंगे।वहीं कांग्रेस और विपक्ष इस मुद्दे को अधूरे वादे और सामाजिक न्याय के अधूरे पहलू के रूप में उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे।इस राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच महिला मतदाता ही वह निर्णायक शक्ति होंगी,जो इस बहस को वास्तविक

परिणाम में बदलेंगी। राजनीतिक दृष्टि से यह पहल दोनों पक्षों के लिए अवसर और जोखिम दोनों लेकर आई है।यदि सरकार इसे प्रभावी ढंग से लागू करती है और महिलाओं के बीच विश्वास कायम रखती है,तो यह उसे दीर्घकालिक लाभ दे सकता है।वहीं यदि विपक्ष इस मुद्दे को सामाजिक न्याय और वास्तविक सशक्तिकरण के व्यापक संदर्भ में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है,तो वह भी राजनीतिक रूप से लाभान्वित हो सकता है।अंततः'नारी शक्ति वंदन' केवल एक विधायी पहल नहीं, बल्कि भारतीय समाज और राजनीति के गहरे परिवर्तन का संकेत है।यह उस दिशा में एक कदम है,जहाँ महिलाएं केवल भागीदार नहीं,बल्कि नीति-निमार्ता बनेंगी।संसद का विशेष सत्र, राजनीतिक दलों के बीच टकराव और चुनावी रणनीतियाँ का हिस्सा हो । कुल मिलाकर एक ऐसे भविष्य की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं,जिसमें आधी आबादी की आवाज न केवल सुनी जाएगी, बल्कि वही देश की दिशा भी तय करेगी।भारत का लोकतंत्र तभी पूर्ण और सशक्त माना जाएगा,जब उसकी आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में समान रूप से भागीदार होगी।वर्तमान परिदृश्य इसी दिशा में बढ़ता हुआ एक महत्वपूर्ण अध्याय है,जो भविष्य में देश की राजनीति और समाज दोनों को गहराई से प्रभावित करेगा।

चिंतन-मनन

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मों तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे। यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है। यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती। अतः परमेर के लिए उचित था कि मनुष्य को अपना सबसे बुद्धिमान और जिम्मेदार बेटा समझ उसे कर्म की स्वतंत्रता प्रदान करे और देखे कि वह मनुष्यता का उत्तरदायित्व संभालने में समर्थ है कि नहीं? वास्तव में परीक्षा के बिना वास्तविकता का पता कैसे चलता और सर्वश्रेष्ठ रचना मनुष्य में कितने श्रम की सार्थकता हुई, यह कैसे अनुभव होता!

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

उमेश चतुर्वेदी

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी।

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है।

भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है।

भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है।

बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है कि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पूरी तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह बन सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ का ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत की जरूरत महसूस नहीं होगी। लेकिन भारत की अपनी जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरातफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

दिल्ली की बिंदापुर पुलिस की बड़ी कामयाबी, बाइक समेत 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के द्वारका जिले के बिंदापुर इलाके में पुलिस की मुस्तैदी से एक स्नैचिंग केस का खुलासा हुआ है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से छीनी गई सोने की चेन का आधा हिस्सा और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पूरा मामला 28 मार्च 2026 का है। दोपहर के समय ध्वनि शर्मा नाम की लड़की स्कूल से घर लौट रही थी। जैसे ही वह उत्तम नगर वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास पहुंची, पीछे से बाइक पर सवार दो लड़के आए। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। उन्होंने झपट्टा मारकर उसकी सोने की चेन छीन ली। छीना-झपटी के दौरान चेन टूट गई, जिसका आधा हिस्सा ध्वनि के पास रह गया और बाकी आधा आरोपी लेकर फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर बिंदापुर थाने में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने सबसे पहले घटनास्थल का दौरा किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल नजर आई, जिस पर दो संदिग्ध सवार थे। इसके बाद पुलिस ने उस बाइक का पीछा करने के लिए अलग-अलग जगहों के करीब 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार ट्रैकिंग के बाद पुलिस ने बाइक के मालिक की पहचान कर ली। आखिरकार पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया, जिसकी पहचान चंदन के रूप में हुई। पूछताछ में चंदन ने बताया कि इस वारदात में उसका साला रोहन सेठ भी शामिल था। उसने यह भी खुलासा किया कि छीनी गई सोने की चेन का हिस्सा रोहन के पास है। चंदन की निशानदेही पर पुलिस ने रोहन के घर पर छापा मारा, जहां से सोने की चेन का आधा हिस्सा बरामद कर लिया गया। इसके साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने बताया कि वे बेरोजगार थे और घर के खर्च चलाने और कर्ज चुकाने के लिए उन्होंने इस तरह की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या ये दोनों पहले भी किसी अपराध में शामिल रहे हैं।

दिल्ली पुलिस और भाऊ गैंग के बदमाशों में मुठभेड़, दो शूटरों के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के बाप्रोला इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है, जिसमें भाऊ गैंग के दो शूटर दीपक और अतुल को पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल, पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सूचना मिली थी कि कुख्यात भाऊ गैंग के कुछ शूटर इलाके में मौजूद हैं और किसी बड़ी वारदात की फिराक में हैं। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की और जैसे ही संदिग्धों को पकड़ने की कोशिश की गई, उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की और दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। इस मुठभेड़ में भाऊ गैंग के दो शूटर दीपक और अतुल को गोली लग गई, जिसके बाद उन्हें काबू में कर लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी अतुल गुरुग्राम के एक शोरूम में हुई फायरिंग की घटना में शामिल था। वहीं दूसरा आरोपी दीपक दिल्ली पुलिस के एक रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर की हत्या जैसे गंभीर मामले में वांछित था। दोनों लंबे समय से पुलिस की रडार पर थे। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और उनके नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं, दिल्ली के साउथ वेस्ट जिले के सागरपुर इलाके में पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले एक गिरोह का भी भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक चोरी करने वाला और दूसरा चोरी का सामान खरीदकर उसे आगे बेचने वाला शामिल है। पुलिस ने इनके पास से चोरी के 15 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट और मोबाइल के कई पार्ट्स बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से इलाके में दर्ज मोबाइल चोरी के चार मामलों का भी खुलासा हो गया है। पुलिस के अनुसार, इलाके में लगातार बढ़ रही मोबाइल चोरी की घटनाओं को देखते हुए एक विशेष टीम बनाई गई थी। इस टीम ने शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की और संदिग्धों पर नजर रखी। इसी दौरान 10 अप्रैल को टीम ने दुर्गा पार्क और नगरवन पार्क इलाके में छापेमारी की और एक संदिग्ध युवक आयुष उर्फ निक्कू को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में आयुष ने बताया कि वह मोबाइल फोन चोरी करता था और फिर उन्हें अपने साथी अभिषेक को बेच देता था। इसके बाद पुलिस ने अभिषेक को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 13 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट, एक चार्जर और कई मोबाइल के टूटे-फूटे पार्ट्स बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि अभिषेक चोरी के मोबाइल फोन को खोलकर उनके पार्ट्स अलग-अलग कर देता था ताकि उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाए और फिर वह इन पार्ट्स को आगे एक व्यक्ति खालिद को बेच देता था।

दिल्ली की विरासत को बढ़ावा देने के लिए डीडीए आज से विरासत सप्ताह की गतिविधियों का करेगा शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सहयोग से राजधानी की विरासत को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को विरासत सप्ताह कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया है। एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि सोमवार से शनिवार (13 से 18 अप्रैल) तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य लोगों विशेष रूप से युवाओं को दिल्ली की कला और संस्कृति से जुड़ने में मदद करना है और इसमें महरौली क्षेत्र में संरक्षण प्रयासों की एक प्रदर्शनी/दस्तावेजीकरण भी शामिल होगा। डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवाना कुमार ने कहा, 'दिल्ली की विरासत एक जीवंत धरोहर है जो शहर के भविष्य के केंद्र में बनी रहनी चाहिए। हेरिटेज वीक के माध्यम से डीडीए इन अमूल्य ऐतिहासिक स्थलों के साथ जनता, विशेष रूप से युवाओं के जुड़ाव को मजबूत करना चाहता है।' उन्होंने कहा, 'हमारा निरंतर ध्यान इस बात पर है कि विरासत संरक्षण, पारिस्थितिक बहाली और सार्वजनिक स्थल निर्माण दिल्ली के संतुलित और टिकाऊ शहरी विकास के अभिन्न तत्वों के रूप में एक साथ आगे बढ़ें।' डीडीए द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि हेरिटेज वीक के माध्यम से दिल्ली की विरासत संपत्तियों के प्रति जन जागरूकता और गौरव को गहरा करना, सामुदायिक भागीदारी और युवा सहभागिता को प्रोत्साहित करना और विरासत संरक्षण और शहरी पारिस्थितिकी में अपने निरंतर प्रयासों को प्रदर्शित करना चाहता है। इसका व्यापक उद्देश्य सभी आयु वर्ग के लोगों को शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को महत्व देने, उसका अनुभव करने और उसे संरक्षित करने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। एक बयान में कहा गया है कि सप्ताह भर चलने वाली इस पहल में छात्र सहभागिता गतिविधियां, एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता, एक छात्र संवाद प्रतियोगिता, एक रेखाचित्र और चित्रकारी प्रतियोगिता, एक कहानी लेखन गतिविधि, प्रदर्शनियां और एक सांस्कृतिक रात्रि कार्यक्रम शामिल हैं। कार्यक्रम से पहले की तैयारियों के तहत, डीडीए ने बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट (एसएचआरएम) के सहयोग से हेरिटेज वॉक का आयोजन भी किया गया।

दिल्ली विधानसभा को फिर मिली बम की धमकी, साइनाइड गैस और आरडीएक्स का दावा; सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा को एक बार फिर धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया है। मेल में दावा किया गया है कि तीन घंटे के भीतर विधानसभा परिसर में साइनाइड गैस से भरे 15 आरडीएक्स बम धमाके किए जाएंगे। इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। ईमेल में बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ बातें भी लिखी गई हैं। इसमें कहा गया कि सभी मुस्लिम कर्मचारियों को तुरंत परिसर से हटा लिया जाए। साथ ही ईमेल में यह भी लिखा था, 'किसी भी ब्राह्मण को डीएमके में शामिल नहीं होना चाहिए।' मेल में एसवी शेखर का नाम लेते हुए दावा किया गया कि उसके डीएमके में शामिल होने के कारण विधानसभा को निशाना बनाया जाएगा और उन्हें 'भाजपा ब्राह्मण एजेंट' बताया गया। इससे पहले 25 मार्च को भी विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। उस समय विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन में जानकारी दी थी कि स्पीकर कार्यालय को एक ईमेल मिला था।

नारी शक्ति वंदन -महिलाएं अब निर्णय लेने की प्रक्रिया का मुख्य हिस्सा: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में सोमवार को विज्ञान भवन में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' नारी के बढ़ते आत्मविश्वास, सामर्थ्य और राष्ट्र निर्माण में उनकी निर्णायक भूमिका को दर्शाता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश की तरक्की, विकास और दुनिया में भारत की पहचान बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बनाई गई दूरदर्शी नीतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया और उनका धन्यवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने भारतीय महिलाओं के ऐतिहासिक संघर्ष को रेखांकित करते हुए कहा कि सती प्रथा, बाल विवाह, अशिक्षा और कन्या भ्रूण हत्या जैसी गंभीर सामाजिक चुनौतियों को पार कर आज की नारी ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। एक दौर था जब बेटियों के अस्तित्व पर संकट था, लेकिन आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' से कहीं आगे बढ़कर 'बेटी बढ़ाओ' के युग में प्रवेश कर चुका है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वर्ष 2014 के बाद आए बदलावों पर चर्चा करते हुए कहा कि सरकार की हर योजना के केंद्र में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को रखा गया है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान के तहत बने शौचालयों, उज्ज्वला योजना से मिली धुआं-मुक्त रसोई और जनधन खातों के जरिए मिली आर्थिक स्वतंत्रता को महिला गरिमा के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि आज देश की बेटियां न केवल शिक्षा और पोषण में आगे हैं, बल्कि सेना में फाइटर जेट उड़ाकर देश की सीमाओं की रक्षा भी कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय सुषमा स्वराज और निर्मला सीतारमण जैसे उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं को विदेश और वित्त मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण दायित्व सौंपकर यह सिद्ध कर दिया है कि साहस और निर्णय क्षमता किसी एक लिंग तक सीमित नहीं है। उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को ऐतिहासिक बताते हुए ने कहा कि विधानसभा और संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान केवल विधायी सुधार नहीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने वाला कदम है। यह देश की लगभग 70 करोड़ महिलाओं के लिए सशक्त नेतृत्व का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से इस ऐतिहासिक पहल का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने आह्वान किया कि सभी महिलाएं 9667173333 पर मिस्ड कॉल देकर इस अभियान का हिस्सा बनें और 'वूमेन-लेड डेवलपमेंट' (महिला नेतृत्व वाले विकास) के संकल्प को मजबूत करें।

इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर सहित देश भर से आई नारी शक्ति उपस्थित थीं।

उल्लेखनीय है कि सितंबर 2023 में संसद ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित किया था, जिसमें संसद और विधानमंडलों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अब इसके प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह नियंत्रण में, घबराहट में न आएं दिल्लीवासी: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि राजधानी में घरेलू और कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह स्थिर, पर्याप्त और नियंत्रण में है। दिल्ली में एलपीजी या किसी भी अन्य ईंधन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या घबराहट में न आएं और संयम बनाए रखें।

मुख्यमंत्री ने एक बयान में घरेलू रसोई गैस की स्थिति पर जानकारी देते हुए बताया कि 12 अप्रैल को 1,11,766 बुकिंग दर्ज की गईं, जबकि तीनों ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने मिलकर 1,30,094 सिलेंडरों की डिलीवरी की, जो बुकिंग से काफी अधिक है। इससे यह स्पष्ट होता है कि लंबित बुकिंग्स को तेजी से निपटाया जा रहा है और आपूर्ति शृंखला मजबूत बनी हुई है। वर्तमान में औसत डिलीवरी समय 3.87 दिन है, जो पहले के 4.24 दिनों से घटकर कम हुआ है, जिससे उपभोक्ताओं को समय पर डोरस्टेप डिलीवरी सुनिश्चित हो रही है।

उन्होंने बताया कि दिल्ली को प्रतिदिन 6,480 कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों का आवंटन किया गया है। इसके मुकाबले पिछले एक सप्ताह में औसत दैनिक खपत केवल 4,268 सिलेंडर रही है, जिसमें पांच किलोग्राम फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडरों की खपत भी शामिल है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वर्तमान में उपलब्धता मांग से अधिक है।

मुख्यमंत्री ने सभी कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ताओं, विशेषकर पांच किलोग्राम सिलेंडर उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अनावश्यक चिंता या भंडारण से बचें। पूरे शहर में वितरण व्यवस्था पूरी तरह सुचारू रूप से कार्य कर रही है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए अगर किसी कमर्शियल उपभोक्ता को एलपीजी सिलेंडर प्राप्त करने में कोई कठिनाई होती है तो वे दिल्ली सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के नियंत्रण कक्ष से 011-23379836 या 8383824659 पर संपर्क कर सकते हैं। यह सुविधा सप्ताह के सभी दिनों में सुबह 9 से शाम 7 बजे तक उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने उपभोक्ताओं और संस्थानों को यह भी प्रोत्साहित किया है कि जहां भी पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की सुविधा उपलब्ध है, वहां इसका उपयोग करें क्योंकि यह एक विश्वसनीय और निरंतर ईंधन आपूर्ति प्रदान करता है। अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे बड़े उपभोक्ताओं को यथाशीघ्र पीएनजी अपनाने की सलाह दी गई है, जिससे दक्षता, सुरक्षा और आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को मध्यम और दीर्घकालिक समाधान के रूप में इलेक्ट्रिक या इंडक्शन कुकिंग अपनाने के विकल्प पर भी विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है ताकि निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार स्थिति पर प्रतिदिन करीबी नजर बनाए हुए है और राजधानी में एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

दिल्ली में ब्रिगेडियर और बेटे पर हमला, शराब पीने से रोकने पर शुरू हुआ था विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली के वसंत एन्क्लेव इलाके में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां भारतीय सेना के ब्रिगेडियर और उनके बेटे के साथ मारपीट की गई। इतना ही नहीं, उन्हें इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। यह घटना 11 अप्रैल की रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है, जब ब्रिगेडियर अपने बेटे के साथ खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से निकले थे। आईएएनएस से बात करते हुए ब्रिगेडियर ने बताया कि जैसे ही वे अपने घर के बाहर पहुंचे, उन्होंने देखा कि एक कार में बैठे दो लोग खुलेआम शराब पी रहे थे। उन्होंने इसका विरोध किया, जिस पर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। मामला बढ़ता देख ब्रिगेडियर ने तुरंत पुलिस को कॉल किया और पीसीआर वैन को बुलाया। पुलिस के पहुंचने में करीब 20 मिनट लग गए। इस दौरान हालात और बिगड़ गए। कार में बैठे लोगों ने अपने कुछ साथियों को मौके पर बुला लिया। थोड़ी ही देर में 7-8 लोग वहां पहुंच गए और उन्होंने ब्रिगेडियर के बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब ब्रिगेडियर ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उनके साथ भी धक्का-मुक्की और बदसलूकी की गई। इस पूरी घटना में दोनों को चोटें आईं। ब्रिगेडियर ने बताया कि इसके बाद वे वसंत विहार थाने पहुंचे, लेकिन वहां उन्हें उम्मीद के मुताबिक मदद नहीं मिली। पुलिस ने उनसे मेडिकल लीगल सर्टिफिकेट (एमएलसी) लाने को कहा, लेकिन कोई भी पुलिसकर्मी उनके साथ अस्पताल नहीं गया। मजबूर होकर उन्हें खुद ही आरआर अस्पताल जाना पड़ा, जहां उन्होंने अपना एमएलसी बनवाया। हैरानी की बात यह रही कि इसके बाद भी पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज नहीं की और सिर्फ एक जनरल डायरी में एंट्री कर ली। इस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। भारतीय सेना ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और ब्रिगेडियर की मदद के लिए कदम उठाए हैं। मिलिट्री पुलिस की एक टीम को उनकी सहायता के लिए लगाया गया है और दिल्ली पुलिस से इस मामले में उचित जांच और कार्रवाई करने को कहा गया है। इस घटना पर सेना के अधिकारी कर्नल दानवीर सिंह ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर चिंता जताई। उन्होंने लिखा कि एक सेवा में तैनात अधिकारी, जो देश के लिए कई बार जोखिम उठा चुका है, उसे अपने ही शहर में इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा, यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि ब्रिगेडियर पहले कश्मीर और एलओसी जैसे संवेदनशील इलाकों में ऑपरेशन का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन शायद उन्होंने कभी नहीं सोचा होगा कि एक दिन उन्हें अपने ही समाज में इस तरह की हिंसा झेलनी पड़ेगी। कर्नल ने यह भी आरोप लगाया कि जब यह सब हो रहा था, तब पुलिस मौके पर मौजूद थी, लेकिन उसने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। काफी प्रयासों के बाद आखिरकार इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जिससे कुछ उम्मीद जगी है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

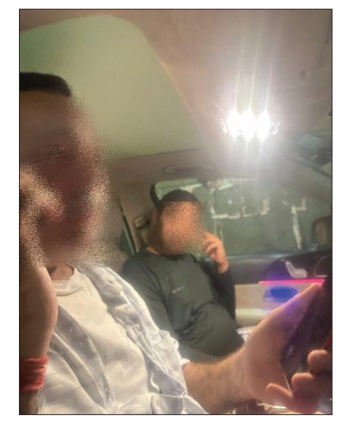

आबकारी नीति केस: अरविंद केजरीवाल की दलील पर जज ने कहा, 'आप कोर्ट की प्रक्रिया नहीं समझ पा रहे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 13 अप्रैल (वेब वार्ता)। आबकारी नीति मामले में सोमवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। केजरीवाल ने मांग की है कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को इस केस से हटाया जाए। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ही निचली अदालत से आरोप मुक्त किए जाने के खिलाफ सीबीआई की अपील पर सुनवाई कर रही है। हाई कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को बहस करने की इजाजत दी है। अरविंद केजरीवाल ने जज से कहा कि मैं आपकी और ज्यूडिशियरी की बहुत इज्जत करता हूं। मैं सॉलिसिटर जनरल से सहयोग की उम्मीद करता हूं। मैं आज आपके सामने एक आरोपी के तौर पर नहीं खड़ा हूं, क्योंकि मुझे बरी कर दिया गया है।

कोर्ट ने कहा कि आप रिक्यूजल आवेदन को पढ़ें। केजरीवाल ने कहा कि मुझे थोड़ा बैकग्राउंड बताना पड़ेगा। ट्रायल कोर्ट ने तीन महीने तक प्रतिदिन सुनवाई की, 40 हजार पन्ने पढ़े और फिर डिस्चार्ज किया। केजरीवाल ने कहा कि उस वक्त मैंने 11 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को बेंच बदलने के लिए पत्र लिखा, जिसे नकार दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट रणजीत ठाकुर में लिखा हुआ है कि जज को ये नहीं देखना है कि वो बायस्ड है कि नहीं, लेकिन किसी पार्टी के मन में इस बात की शंका है तो बेंच चेंज करा सकता है तो वो ये फाइल कर सकता है। सीबीआई को इस मामले में पार्टी नहीं बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सत्येंद्र जैन के फैसले में 18 घंटे और 6 दिन की सुनवाई के दौरान आखिरी समय में ईडी को शंका हुई तो वह जिला जज के पास पहुंच गए। यहां जज की इंटीग्रिटी पर सवाल नहीं है, बल्कि पार्टी के मन में आने वाली शंका या सवाल है। मेरे मामले में भी ऐसा ही है। मेरे पास भी इसी बात के आधार हैं और ऐसे में सीबीआई को पार्टी नहीं बनाना चाहिए।

केजरीवाल ने कहा कि सवाल जज की ईमानदारी पर नहीं, बल्कि पार्टी की खुद की आशंका पर है। मैं बस वही राहत मांग रहा हूं, जो ईडी को दी गई थी, और मेरा केस अब और मजबूत है। निचली अदालत ने फैसले में बताया कि कोई प्रोसीड ऑफ क्राइम नहीं था। कोई गोवा में पैसा नहीं ले जाया गया। कोई भ्रष्टाचार नहीं था। गोवा चुनाव में पैसों के इस्तेमाल पर कोर्ट अपनी फाइंडिंग दे चुका है, एक मुद्दा उठा था अप्रूवर का। इसके ऊपर आपकी फाइंडिंग है। मुझे लगभग भ्रष्ट घोषित कर दिया गया। मुझे लगभग दोषी घोषित कर दिया गया, बस सजा सुनानी रह गई थी।

उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू सर गंगा राम अस्पताल के स्थापना दिवस समारोह में हुए शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू सोमवार को सर गंगा राम अस्पताल के 71वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र के भविष्य और भूमिका पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

सर गंगा राम अस्पताल के 71वें स्थापना दिवस पर उपराज्यपाल ने कहा कि सर गंगा राम एक महान इंजीनियर और दूरदर्शी परोपकारी व्यक्ति थे जिनकी विरासत सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बनी हुई है। 'गुरु का बाग मोर्चा' आंदोलन के साहसी समर्थन से लेकर देखभाल के स्थायी संस्थानों के निर्माण तक उनका जीवन 'सेवा' का एक प्रमाण था।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवा एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र बनकर उभरेगा, खासकर तब जब दुनिया के कई विकसित देश तेजी से वृद्ध हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके विपरीत भारत एक युवा देश है, जहां औसत आयु लगभग 28 वर्ष है और 50 प्रतिशत से अधिक आबादी इससे कम उम्र की है।

उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि सर गंगाराम का पंजाब के साथ बहुत संबंध है और मेरे परिवार के साथ बहुत सहयोग है। मेरे बेटे का जन्म भी इसी अस्पताल में हुआ था। आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है। भारत सबसे युवा देशों में से एक है इसलिए यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि उसके स्वास्थ्य कर्मचारी कुशल हों। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कथन 'वैश्विक भलाई के लिए युवा' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि यह संस्थान प्रधानमंत्री के अनुरूप, सुलभ और समावेशी स्वास्थ्य सेवा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के साथ नैदानिक उत्कृष्टता को संतुलित करके उनके मूल्यों को कायम रख रहा है। यदि भारत स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करता है और स्वास्थ्य कर्मियों के कौशल में सुधार करता है, तो यह वैश्विक स्तर पर बड़ा बदलाव ला सकता है।

संधू ने कहा कि केवल डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में कौशल-आधारित प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे दुनिया में उम्रदराज आबादी बढ़ेगी, सहायक स्वास्थ्य सेवाओं की मांग भी तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने सर गंगा राम अस्पताल की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ाने और कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

दिल्ली दंगा मामले में उमर खालिद ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत से इनकार के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में आरोपी उमर खालिद ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जमानत को लेकर पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। उन्होंने 5 जनवरी को आए उस फैसले पर दोबारा विचार करने की मांग की है, जिसमें कोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। उमर खालिद की ओर से पेश हुए वकील कपिल सिब्बल ने इस मामले का जिक्र सुप्रीम कोर्ट में किया। कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि पुनर्विचार याचिका बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है और उन्होंने आग्रह किया कि इस मामले की सुनवाई ओपन कोर्ट में की जाए। इस पर पीठ ने कहा कि वह इस मांग पर विचार करेगी और जरूरी हुआ तो मामले को ओपन कोर्ट में सुना जाएगा। इससे पहले, 5 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि दोनों आरोपी एक साल तक दोबारा जमानत याचिका दाखिल नहीं कर सकते। हालांकि, इसी मामले में कोर्ट ने अन्य पांच आरोपियों (गुलफिशा फातिमा, मीरा हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद) को 12 शर्तों के साथ जमानत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले के आदेश में यह भी कहा था कि उमर खालिद और शरजील इमाम तभी दोबारा जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं, जब संरक्षित गवाहों की गवाही पूरी हो जाए या फिर 5 जनवरी से एक साल का समय बीत जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर को आरोपियों और दिल्ली पुलिस की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने कहा था कि अगर एक साल में गवाही पूरी नहीं होती है, तो आरोपी दोबारा जमानत याचिका निचली अदालत में दाखिल कर सकते हैं। बता दें कि इससे पहले उमर खालिद की बहन के निकाह के लिए कड़कड़डूमा कोर्ट ने खालिद को 16 दिसंबर से 29 दिसंबर तक की अंतरिम जमानत मंजूर की थी। अदालत ने अंतरिम रिहाई के साथ कुछ सख्त शर्तें भी लागू की थी, जिनमें उमर खालिद सोशल मीडिया का उपयोग नहीं करेंगे, किसी भी गवाह से संपर्क नहीं करेंगे और केवल परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों व करीबी दोस्तों से ही मिल सकेंगे। इसके अलावा, उन्हें 29 दिसंबर की शाम तक सरेंडर करना था।

नाबार्ड की राज्य ऋण संगोष्ठी में स्वदेशी उत्पाद, पारंपरिक कला और सहकारिता को बढ़ावा देने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित फ्दिल्ली राज्य प्रथम ऋण संगोष्ठीफ्र में सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। संगोष्ठी में स्वदेशी उत्पाद, पारंपरिक कला और सहकारिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के अधिकारी, विशेषज्ञ एवं हितधारक उपस्थित रहे। संगोष्ठी के दौरान राज्य फोकस पेपर 2026-27 का विमोचन, जीआई पंजीकरण को चयनित उत्पादों के लिए स्वीकृति पत्र वितरण, कारीगरों के उत्पादों के डिजिटल कैटलॉग का शुभारंभ तथा वित्तीय साक्षरता एवं कौशल विकास से संबंधित विभिन्न पहलों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि भारत में उपलब्ध कच्चा माल और हमारे उत्पाद विश्व स्तर के हैं। सरकार निरंतर प्रयास कर रही है कि उचित मार्केटिंग, ब्रांडिंग और प्लेटफॉर्म के माध्यम से इन उत्पादों को वह पहचान दिलाई जाए, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जो कपड़ा हमारे देश में सामान्य रूप से उपलब्ध है, वही विदेशों में 'लिनन' के रूप में ऊंचे दामों पर बेचा जाता है। यह दर्शाता है कि प्रभावी ब्रांडिंग और प्रस्तुति के माध्यम से हमारे उत्पादों की वैश्विक पहचान और मूल्य दोनों को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार स्वदेशी उत्पादों को सही मंच, व्यापक प्रचार और सशक्त ब्रांडिंग उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिससे वे वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकें। साथ ही, सरकार द्वारा उत्पादों के उचित मूल्यांकन और प्रभावी मार्केटिंग को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पहलें की जा रही हैं ताकि देश के कारीगरों और उत्पादकों को उनका उचित सम्मान और सशक्त बाजार उपलब्ध हो सके। रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि भारत की पारंपरिक अर्थव्यवस्था सहयोग और विनिमय पर आधारित रही है और हमारी सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समय के साथ कई पारंपरिक कलाएं विलुप्त होती जा रही हैं जिन्हें पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें कुछ नया करने के साथ-साथ अपनी पुरानी परंपराओं, प्रणालियों और सांस्कृतिक मूल्यों को पुन: सशक्त करना है ताकि देश की समृद्ध विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। उन्होंने कहा कि देश में क्षमता, संसाधन और मेहनती लोगों की कोई कमी नहीं है आवश्यकता केवल सही दिशा और सकारात्मक दृष्टिकोण की है।

नाबार्ड की राज्य ऋण संगोष्ठी में स्वदेशी उत्पाद, पारंपरिक कला और सहकारिता को बढ़ावा देने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित ÷दिल्ली राज्य प्रथम ऋण संगोष्ठी÷ में सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। संगोष्ठी में स्वदेशी उत्पाद, पारंपरिक कला और सहकारिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के अधिकारी, विशेषज्ञ एवं हितधारक उपस्थित रहे।

संगोष्ठी के दौरान राज्य फोकस पेपर 2026-27 का विमोचन, जीआई पंजीकरण को चयनित उत्पादों के लिए स्वीकृति पत्र वितरण, कारीगरों के उत्पादों के डिजिटल कैटलॉग का शुभारंभ तथा वित्तीय साक्षरता एवं कौशल विकास से संबंधित विभिन्न पहलों की प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि भारत में उपलब्ध कच्चा माल और हमारे उत्पाद विश्व स्तर के हैं। सरकार निरंतर प्रयास कर रही है कि उचित मार्केटिंग, ब्रांडिंग और प्लेटफॉर्म के माध्यम से इन उत्पादों को वह पहचान दिलाई जाए, जिसके वे हकदार हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जो कपड़ा हमारे देश में सामान्य रूप से उपलब्ध है, वही विदेशों में 'लिनन' के रूप में ऊंचे दामों पर बेचा जाता है। यह दर्शाता है कि प्रभावी ब्रांडिंग और प्रस्तुति के माध्यम से हमारे उत्पादों की वैश्विक पहचान और मूल्य दोनों को बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार स्वदेशी उत्पादों को सही मंच, व्यापक प्रचार और सशक्त ब्रांडिंग उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिससे वे वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकें। साथ ही, सरकार द्वारा उत्पादों के उचित मूल्यांकन और प्रभावी मार्केटिंग को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पहलें की जा रही हैं ताकि देश के कारीगरों और उत्पादकों को उनका उचित सम्मान और सशक्त बाजार उपलब्ध हो सके।

रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि भारत की पारंपरिक अर्थव्यवस्था सहयोग और विनिमय पर आधारित रही है और हमारी सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समय के साथ कई पारंपरिक कलाएं विलुप्त होती जा रही हैं जिन्हें पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हमें कुछ नया करने के साथ-साथ अपनी पुरानी परंपराओं, प्रणालियों और सांस्कृतिक मूल्यों को पुनः सशक्त करना है ताकि देश की समृद्ध विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। उन्होंने कहा कि देश में क्षमता, संसाधन और मेहनती लोगों की कोई कमी नहीं है आवश्यकता केवल सही दिशा और सकारात्मक दृष्टिकोण की है।

मंत्री ने कहा कि अधिकतम लोगों की भागीदारी से अधिकतम श्रम उत्पन्न होगा और अधिकतम श्रम से ही देश की प्रगति संभव है। उन्होंने नाबार्ड से आग्रह किया कि दिल्ली सहित पूरे देश के लिए सहकारिता क्षेत्र का व्यापक आकलन किया जाए ताकि योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके और अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर ठोस और प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं ताकि इस संकल्प को वास्तविकता में बदला जा सके। भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपराएं और स्थानीय कौशल हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं जिन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है ताकि देश को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाया जा सके।

अपने संबोधन के अंत में सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने नाबार्ड की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की संगोष्ठियां न केवल सहकारिता आधारित विकास मॉडल को मजबूती प्रदान करती हैं बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लक्ष्य को भी साकार करती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी हितधारकों के संयुक्त प्रयासों से स्वदेशी उत्पादों, पारंपरिक कलाओं और स्थानीय कौशल को नई पहचान मिलेगी तथा देश 'विकसित भारत 2047' के संकल्प की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ेगा।

हार के डर से एसआईआर को मुदद‍ा बना रही ममता : मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और बालीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार हुआ था, और उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर विधानसभा चुनावों में हार के डर से प्रक्रिया को मुद्दा बनाने का आरोप लगाया। बीजेपी नेता चक्रवर्ती ने कहा कि एसआईआर किसी के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है। उन्होंने पश्चिम मेदिनीपुर जिले में एक रोड शो के दौरान बताया, किसी अन्य राज्य में एसआईआर कोई मुद्दा नहीं है। इस संविधान के अनुसार निर्वाचन आयोग द्वारा कराया गया है। तमिलनाडु में यह सुचारू रूप से संपन्न हुआ। पश्चिम बंगाल को छोड़कर कहीं और कोई समस्या नहीं आई थी। बीजेपी नेता चक्रवर्ती ने दावा किया, पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार एसआईआर को लेकर हंगामा कर रही है, क्योंकि उन्हें (पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को) हार का डर सता रहा है।

हाईकोर्ट के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची असम सरकार, पवन खेड़ा की बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की मुश्किलें फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। असम सरकार ने तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। असम सरकार की इस याचिका ने राजनीतिक

गलियारों में हलचल मचा दी है। पूरा मामला तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें कोर्ट ने पवन खेड़ा को राहत देते हुए एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मंजूर की थी। हाईकोर्ट का उद्देश्य खेड़ा को इतना समय देना था कि वह संबंधित निचली कोर्ट में जाकर अपनी नियमित जमानत याचिका दायर कर सकें। रिपोर्ट के मुताबिक असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील की है जिसमें सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी शर्मा के खिलाफ लगाए गए आरोपों को लेकर असम में दर्ज एक मामले के सिलसिले में पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। असम सरकार का तर्क है कि पवन खेड़ा के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं और उन्हें इस तरह की राहत नहीं मिलनी चाहिए।

ईरान में फंसे 71 भारतीय मछुआरे सुरक्षित वतन लौटे, उमरगाम में जश्न का माहौल

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले के उमरगाम तालुका स्थित मरोली गांव और आसपास के इलाकों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। लंबे समय से ईरान में फंसे करीब 71 भारतीय मछुआरे अब सुरक्षित भारत लौट आए हैं। यह संभव हो पाया है भारत सरकार के सफल कूटनीतिक प्रयासों के चलते। जानकारी के अनुसार, ये सभी मछुआरे रोजगार के सिलसिले में मछली पकड़ने के लिए ईरान गए थे। इसी दौरान ईरान और आसपास के क्षेत्रों में उत्पन्न युद्ध जैसे हालात और बिगड़ती भू-राजनीतिक स्थिति के कारण वे वहां फंस गए थे। इस घटना से उनके परिवारों में गहरी चिंता और बेचैनी का माहौल था। मछुआरों ने वीडियो संदेश के जरिए भारत सरकार और गुजरात सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। इसके बाद वलसाड के सांसद और विदेश मंत्रालय की सक्रिय पहल पर ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने राहत अभियान चलाकर सभी मछुआरों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी 71 मछुआरे भारत लौट चुके हैं और तय कार्यक्रम के अनुसार वे कल उमरगाम रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। उनकी वापसी की खबर मिलते ही मरोली गांव में खुशी का माहौल छा गया है। लंबे समय के इंतजार के बाद अपने प्रियजनों से मिलने को परिवार उत्सुक हैं। वतन लौटने के बाद मछुआरों ने भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहां की स्थिति बेहद गंभीर थी, लेकिन समय पर मिली मदद ने उनकी जान बचा ली। वहीं, गांव के लोगों द्वारा उनके स्वागत की भव्य तैयारियां भी की जा रही हैं।

जोधपुर रेल मंडल की उपलब्धि : कबाड़ से कमाए 58 करोड़, राजस्व में 300 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि

जोधपुर (एजेंसी)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर रेल मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। मंडल ने कबाड़ (स्क्रैप) निस्तारण के माध्यम से 58 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है, जो न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रेलवे की सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को भी नए स्तर पर ले गया है। यह सफलता इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले मंडल ने लगभग 300 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार रेलवे के खजाने में करीब 43.48 करोड़ रुपये अधिक जमा हुए हैं। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अनुराग त्रिपाठी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रेलवे ने 15 हजार मीट्रिक टन स्क्रैप निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया था। जोधपुर मंडल की टीम ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए न केवल लक्ष्य को समय रहते हासिल किया, बल्कि कुल 16,500 मीट्रिक टन कबाड़ का सफल निष्पादन कर लक्ष्य को भी पार कर लिया। डीआरएम ने स्पष्ट किया कि कबाड़ हटाना केवल राजस्व बढ़ाना नहीं है, बल्कि यह रेलवे के नॉन फेयर रेवेन्यू को मजबूती प्रदान करने का एक जरिया है, जिससे प्राप्त संसाधनों का उपयोग यात्री सुविधाओं को आधुनिक बनाने में किया जाता है। इस अभियान का सबसे बड़ा लाभ रेलवे की सुरक्षा और स्वच्छता में देखने को मिला है। रेल पटरियों, यार्डों और वर्कशॉप में वर्षों से पड़े अनुपयोगी लोहे, पुराने रेल ट्रैक और जंग लगे उपकरणों को हटाने से परिचालन अधिक सुरक्षित हो गया है। पुराने केबल और बेकार पड़े सामान हटने से शॉर्ट सर्किट और आग लगने जैसी घटनाओं का खतरा न्यूनतम हो गया है। साथ ही, यार्ड और स्टेशन क्षेत्रों में कबाड़ के ढेर हटने से विजिबिलिटी बढ़ी है, जिससे सुरक्षा निगरानी अधिक प्रभावी हो गई है। परिसर में खाली हुई जगह के कारण अब असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी लगाम कसना आसान हो गया है।

सोनिया गांधी ने महिला आरक्षण पर सवाल उठाते हुए कहा परिसीमन असली मुद्दा

चुनाव के बीच विशेष सत्र पर भी किए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनियां गांधी ने महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि महिला आरक्षण के बहाने सरकार का असली एजेंडा परिसीमन है, जिस पर अब तक स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। कांग्रेस नेत्री सोनियां गांधी ने अपने एक लेख में कहा, कि प्रधानमंत्री विपक्ष से उन विधेयकों का समर्थन मांग रहे हैं, जिन्हें संसद के विशेष सत्र में जल्दबाजी में पारित कराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि जब तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है, तब इस विशेष सत्र को बुलाने की क्या आवश्यकता थी?

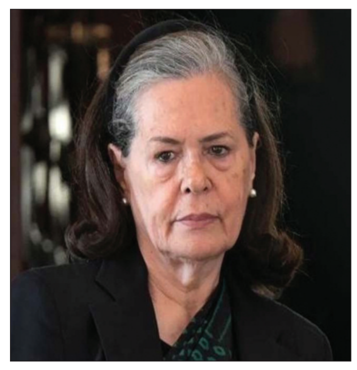

सोनिया गांधी ने कहा, यह पूरा कदम राजनीतिक लाभ हासिल करने के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार 2023 में ही 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित कर चुकी है, लेकिन इसे लागू करने की शर्त अगली जनगणना और परिसीमन से जोड़ी गई है। ऐसे में उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र में महिला आरक्षण नहीं, बल्कि परिसीमन असली मुद्दा है, जो संविधान के लिए चिंताजनक हो सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विपक्ष पहले ही मांग कर चुका है कि महिला आरक्षण को 2024 के आम चुनाव से लागू किया जाए। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी साल 2024 में इस संबंध में सरकार से आग्रह किया था, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया। अब सरकार अनुच्छेद 334-ए में संशोधन कर इसे 2029 से लागू करने की तैयारी कर रही है।

सोनिया गांधी ने सवाल उठाया है, कि इस फैसले पर सरकार को यू-टर्न लेने में 30 महीने क्यों लगे और पांच राज्यों के चुनाव खत्म होने तक इंतजार क्यों नहीं किया गया? उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष तीन बार पत्र लिखकर 29 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर चुका है, लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

खड़गे ने विशेष सत्र की टाइमिंग को लेकर की आपत्ति

इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर विशेष सत्र की टाइमिंग पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि चुनावों के बीच इस तरह का कदम यह दर्शाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। साथ ही, उन्होंने परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई है।

सुप्रीम कोर्ट ने लालू को दिया झटका, एफआईआर रद्द करने वाली याचिका की खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव को लैंड फॉर जॉब मामले में सुप्रीम कोर्ट ने झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने वाली याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव को एक राहत भी दी है। उन्हें अधीनस्थ कोर्ट की कार्यवाही में पेशी से छूट दी गई है। बता दें लालू प्रसाद यादव ने जमीन के बदले नौकरी मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर और चार्जशीट दोनों रद्द करने की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर की बेंच ने कहा कि लालू यादव को ट्रायल कोर्ट में पेश होने की जरूरत नहीं। लालू यादव की तरफ से तर्क देते हुए कहा गया था कि सीबीआई ने मुकदमा चलाने के लिए कोई कानूनी मंजूरी नहीं ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले को वह निचली अदालत में भी उठा सकते हैं। आरजेडी नेता लालू यादव ने कहा था कि उनके परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है जो कि रद्द होनी चाहिए। इस मामले में उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से पहले भी झटका लग चुका है।

बिहार में 15 को हो सकता है नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण, पीएम के शामिल होने की संभावना

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत में बड़े बदलाव की पटकथा लिखी जा चुकी है। राज्य में नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा के लिए 14 अप्रैल का दिन बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है, जब औपचारिक रूप से विधायक दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार, 15 अप्रैल को आयोजित होने वाले भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं शामिल हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के भी मौजूद रहने की उम्मीद है।

सत्ता हस्तांतरण की इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 14 अप्रैल को बतौर पर्यवेक्षक पटना पहुंच रहे हैं। उनकी मौजूदगी में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। इसी दिन मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट की आखिरी बैठक बुलाई गई है, जिसके बाद उनके पद से इस्तीफा देने की पूरी संभावना है। प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि प्रधानमंत्री 14 अप्रैल की शाम ही पटना पहुंच सकते हैं और राजभवन या सुरक्षित स्थान पर रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन यानी 15 अप्रैल को समारोह में शिरकत करेंगे।

हालांकि, नए मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर सस्पेंस अभी भी बरकरार है। राजनीतिक गलियारों में उपमुख्यमंत्री

सम्राट चौधरी का नाम सबसे मजबूती से उभरा है, लेकिन केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय समेत कुछ अन्य नामों पर भी कयास लगाए जा रहे हैं। भाजपा आलाकमान राज्य के जातीय समीकरणों और आगामी राजनीतिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए किसी ऐसे नाम पर दांव लगाना चाहता है, जो सर्वमान्य हो। विधायक दल की बैठक के बाद एनडीए के घटक दलों के साथ संयुक्त चर्चा होगी, जिसके बाद नेता के नाम का आधिकारिक ऐलान कर दिया जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह के लिए पटना के बापू सभागार और लोकभवन को विकल्प के तौर पर तैयार रखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पहले चरण में मुख्यमंत्री के साथ केवल उपमुख्यमंत्री और कुछ बेहद महत्वपूर्ण विभागों के मंत्रियों को ही शपथ दिलाई जाएगी, जबकि मंत्रिमंडल का पूर्ण विस्तार बाद के चरणों में किया जाएगा। फिलहाल पूरी राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है और बिहार की जनता की निगाहें 14 और 15 अप्रैल की गतिविधियों पर टिकी हैं।

कांग्रेस को जीत नहीं दिला पा रहे राहुल गांधी, पार्टी में उन्हें हटाने का माहौल: फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया है कि कांग्रेस में उन्हें हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी को चुनाव में जीत नहीं दिला पा रहे हैं। फडणवीस ने यह बात एक कार्यक्रम में पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी केवल अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं और अपने नेतृत्व को लगातार मिल रही हार से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। फडणवीस ने दावा किया कि राहुल पार्टी के लिए चुनावी जीत सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं। वह अपनी पार्टी के भीतर जारी संघर्ष से ध्यान हटाने के लिए ऐसे बयान देते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी आरोप लगाए थे कि बीजेपी और आरएसएस का उद्देश्य संविधान को खत्म करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए। उन्होंने मंडी हाउस से 14 अप्रैल को भीमराव आंबेडकर की जयंती से पहले यहां रन फॉर आंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टीट्यूशन मैराथन शुरू होने से पहले एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आंबेडकर का मुख्य संदेश संविधान का था। संविधान के बिना जिसे हम भारत कहते हैं, वह नहीं होता। उन्होंने कहा था आज जो लोग आरएसएस-बीजेपी की सोच के हैं, वे संविधान को खत्म करना चाहते हैं। वे कुछ भी कहें, उनका असली उद्देश्य संविधान को मिटाना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए।

बता दें शनिवार को समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की स्मृति में आयोजित समारोह में पीएम मोदी और राहुल गांधी की मुलाकात हुई थी। यह बातचीत इसलिए खास है क्योंकि सार्वजनिक कार्यक्रमों में दोनों नेताओं को शिष्टाचार का आदान-प्रदान करने के अलावा शायद ही कभी एक-दूसरे से बात करते देखा जाता है। पीएम जब फुले की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे, तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई गणमान्य व्यक्ति एक पंक्ति में खड़े थे। सभी का हाथ जोड़कर अभिवादन करने के बाद पीएम मोदी, राहुल गांधी के पास रुके और उनसे बातचीत करने लगे। यह पता नहीं चल पाया कि एक मिनट की इस बातचीत में उन्होंने किस बारे में बात की।

खरगे के बयान पर सिंघवी का पलटवार गुजरातियों को मूर्ख समझने वालों को करार जबाव मिलेगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में लोकल निकाय चुनावों का बिगुल बज चुका है और इसके साथ ही राजनीतिक बयानबाजी शुरु हो गई है। वडोदरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नगर निगम चुनाव अभियान का आगाज करते हुए गृह मंत्री (उपमुख्यमंत्री स्तर के नेता) हर्ष संघवी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता का अपमान करने वालों को आने वाले चुनावों में करारा सबक मिलेगा। दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ दिन पहले गुजरात के लोगों को ''अशिक्षित'' कहकर दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन्हें ''बेवकूफ'' बना रहे हैं। राज्य के गृह मंत्री संघवी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बयान के एक सप्ताह के बाद यह बात कही है। गुजरात में 34 जिला पंचायतों, 260 तालुका पंचायतों, 84 नगरपालिकाओं और 15 नगर निगमों (जिनमें अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा शामिल हैं) के लिए चुनाव 26 अप्रैल को होगा। मतगणना 28 अप्रैल को होगी। संघवी ने कहा, ''गुजरात से नफरत करने वाले और गुजरातियों को मूर्ख समझने वालों को हर जिले में करारा जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता और भाजपा एक बड़ा परिवार है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात की जनता सामूहिक रूप से 2026 के स्थानीय निकाय चुनाव में नया इतिहास रचने के उद्देश्य से आगे बढ़ रही है।

बाबा खरात के 11 ठिकानों पर ईडी का छापा, हो सकता है बड़े नेटवर्क का खुलासा

-अजीब और गोलमोल जवाब देकर जांच एजेंसियों को उलझा रहा, पत्नी है फरार

नासिक (एजेंसी)। नासिक का फर्जी बाबा अशोक खरात मामले अब और गहराता जा रहा है, जिस शख्स पर लोगों को धोखा देने, दुष्कर्म और करोड़ों की ठगी के आरोप हैं, अब उसकी संपत्तियों पर ईडी की छापेमारी ने पूरे मामले को नई दिशा दे दी है। 11 जगहों पर एक साथ छापेमारी ने साफ कर दिया है कि मामला सिर्फ बाबा तक सीमित नहीं है, इसके पीछे बड़ा नेटवर्क हो सकता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि पूछताछ में बाबा अशोक खरात बार-बार अजीब और गोलमोल जवाब देकर जांच एजेंसियों को उलझा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वह सच्चाई छिपा रहा है या सच में उसके सीने में बड़ा राज दफन है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी की इस कार्रवाई ने मामले को सिर्फ आपराधिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक अपराध के दायरे में ला दिया है। बाबा खरात के घर, ऑफिस, फार्महाउस और मंदिर तक पर छापा मारा गया है जिससे पता चलता है कि जांच एजेंसियां हर पहलू को खंगाल रही हैं। इस बीच उसकी फरार पत्नी कल्पना खरात का रहस्य

भी मामले को उलझा रहा है। पुलिस पिछले कई दिनों से उनकी तलाश कर रही है, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। खुद बाबा अशोक खरात का यह कहना कि 'मेरी पत्नी कहां है, यह सिर्फ भगवान जानते हैं' जांच को और पेचीदा बना देता है।

ईडी ने नासिक में बाबा खरात से जुड़े 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। इनमें उसका घर, ऑफिस, फार्महाउस और ईशान्यश्वर मंदिर जैसी संपत्तियां शामिल हैं। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि इन ठिकानों से कई अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत मिल सकते हैं। यह छापेमारी इस बात का संकेत है कि मामला अब बड़े आर्थिक घोटाले की ओर बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। पूछताछ में बाबा अशोक खरात का रवैया जांच एजेंसियों के लिए चुनौती बना हुआ है।

इस बीच पुलिस और एसआईटी बाबा की पत्नी कल्पना खरात की तलाश कर रही हैं। उसके खिलाफ नोटिस जारी किया है ताकि वे देश छोड़कर भाग न सकें। कल्पना ने अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, लेकिन अभी तक उन्हें राहत नहीं मिली है। जांच एजेंसियां मान रही हैं कि उसकी गिरफ्तारी से मामले में कई अहम कड़ियां जुड़ सकती हैं। बाबा अशोक खरात को सोमवार को नासिक की कोर्ट में पेश किया क्योंकि उसकी पुलिस हिरासत खत्म हो रही है। एसआईटी इस मामले में उसे एक और केस में हिरासत में लेने की तैयारी कर रही है। अब तक हुई जांच और बरामद सबूतों की पूरी जानकारी अदालत को दी जाएगी। संभावना है कि आगे की जांच में और बड़े नाम सामने आ सकते हैं और मामले की दिशा बदल सकती है।

कर्नाटक : कैबिनेट में फेरबदल या मुख्यमंत्री बदलने की कवायद को लेकर दिल्ली में डाला ढेरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राज्य की सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के भीतर कैबिनेट विस्तार और फेरबदल की मांग को लेकर असंतोष के स्वर उभरने लगे हैं। ताजा घटनाक्रम में करीब 30 वरिष्ठ कांग्रेस विधायक दिल्ली के

लिए रवाना हो गए हैं, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सरकार पर दबाव बढ़ता दिख रहा है। ये विधायक दिल्ली में आलाकमान, विशेषकर राहुल गांधी से मुलाकात कर कैबिनेट में जगह देने की गुहार लगा सकते हैं। या फिर मुख्यमंत्री बदलने की प्रक्रिया का हिस्सा होने की भी आशंका जताई जा रही है।

विधायकों के इस कदम का मुख्य उद्देश्य कैबिनेट में नए चेहरों को शामिल करवाना है। कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने इस गुट की मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि कई ऐसे नेता हैं जिन्हें तीन से पांच बार मंत्री बनने का मौका मिला है। अब समय आ गया है कि उन वरिष्ठ सदस्यों को अवसर दिया जाए जो अब तक वंचित रहे हैं। वहीं, विधायक अशोक पाटन ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ने पहले दो साल बाद बदलाव के संकेत दिए थे, लेकिन अब तीन साल बीत जाने के बाद भी फेरबदल का इंतजार बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि केवल अनुभवी नेता ही नहीं, बल्कि पहली बार जीतकर आए विधायक भी मंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी मजबूती से पेश कर रहे हैं। मांड्या से विधायक रविकुमार गौड़ा ने बताया कि लगभग 38 नए विधायकों ने नेतृत्व को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रस्तावित फेरबदल में उनमें से कम से कम पांच को मंत्री बनाया जाए। उनका तर्क है कि राज्य की सेवा के लिए नए दृष्टिकोण की भी आवश्यकता है। वरिष्ठ विधायकों की मांग है कि कम से कम 20 नए चेहरों को कैबिनेट में स्थान मिले। इस बीच, विपक्ष ने सत्तारूढ़ दल की इस आंतरिक खींचतान पर निशाना साधा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने दावा किया कि यह दिल्ली यात्रा केवल मंत्री पद के लिए नहीं, बल्कि नेतृत्व परिवर्तन के दबाव का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायकों का एक गुट उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की पैरवी कर रहा है, जबकि दूसरा गुट सिद्धारमैया को बनाए रखना चाहता है। हालांकि, दिल्ली गए विधायकों ने इसे केवल कैबिनेट में उचित प्रतिनिधित्व की मांग बताया है। अब सारा फैसला कांग्रेस आलाकमान और मुख्यमंत्री के हाथ में है कि वे इस असंतोष को कैसे शांत करते हैं।

आधी आबादी ही है जो ममता दीदी की ताकत बनी हुई है, भाजपा नहीं दे पा रही मात !

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति और विधानसभा चुनावों का विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों के लिए ममता बनर्जी की सत्ता में निरंतरता एक शोध का विषय रही है। देश की सबसे शक्तिशाली पार्टी भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस का दुर्ग अभेद्य बना हुआ है। इस राजनीतिक मजबूती के पीछे की सबसे बड़ी ताकत ममता बनर्जी की महिला ब्रिगेड है, जो न केवल पार्टी के शीर्ष पदों पर आसीन है, बल्कि जमीनी स्तर पर संगठन की रीढ़ बनकर उभरी है।

71 वर्षीया ममता बनर्जी, जिन्हें उनके समर्थक दीदी कहकर पुकारते हैं, ने अपनी सादगीपूर्ण छवि और संघर्षशील व्यक्तित्व के साथ महिलाओं को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा है। कन्याश्री, लक्ष्मी भंडार और स्वास्थ्य साथी जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने राज्य में एक वफादार महिला वोट बैंक तैयार किया है। लेकिन ममता की शक्ति केवल वोट बैंक तक सीमित नहीं है; उन्होंने महिलाओं का एक ऐसा नेतृत्व ढांचा तैयार किया है जो संगठन और सरकार दोनों को मजबूती प्रदान करता है। तृणमूल कांग्रेस चुनावों में लगभग 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देती है, जो अन्य राष्ट्रीय दलों की तुलना में कहीं अधिक है।

इस महिला ब्रिगेड में सबसे अनुभवी चेहरों में 70 वर्षीया चंडीमा भट्टाचार्य शामिल हैं। राज्य के वित्त और भूमि जैसे महत्वपूर्ण विभागों की मंत्री चंडीमा, सिंगुर-नंदीग्राम आंदोलन के समय से ममता की भरोसेमंद सहयोगी रही हैं। पेशे से वकील चंडीमा पर नेतृत्व का अटूट विश्वास ही है कि 2016 में चुनाव हारने के बावजूद उन्हें उपचुनाव के जरिए वापस लाया गया और मंत्री पद सौंपा गया। वहीं, 63 वर्षीया डॉ. शशि पांजा, जो महिला एवं बाल विकास मंत्रालय संभाल रही हैं, ने कन्याश्री जैसी योजनाओं को जमीनी स्तर पर सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। संसदीय राजनीति में बारासात से सांसद डॉ. काकोली घोष दस्तीदार और राज्यसभा में पार्टी की मुखर आवाज डोला सेन जैसे नाम ममता बनर्जी के पुराने और संघर्ष के दिनों के साथी हैं। युवा नेतृत्व में संथाली फिल्मों से राजनीति में आईं बिरबाहा हांसदा जनजातीय क्षेत्रों में पार्टी का प्रमुख चेहरा हैं। इसके अलावा, कृष्णा चक्रवर्ती जैसी नेता पिछले चार दशकों से ममता बनर्जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। अब जब ममता बनर्जी चौथी बार सत्ता में लौटने की तैयारी कर रही हैं, तो उनकी यह सशक्त महिला ब्रिगेड कोलकाता की सड़कों से लेकर दिल्ली के गलियारों तक चुनावी बिसात बिछाने में जुट गई है। यह नेतृत्व ही टीएमसी को बंगाल की राजनीति में अन्य दलों से अलग और मजबूत बनाता है।

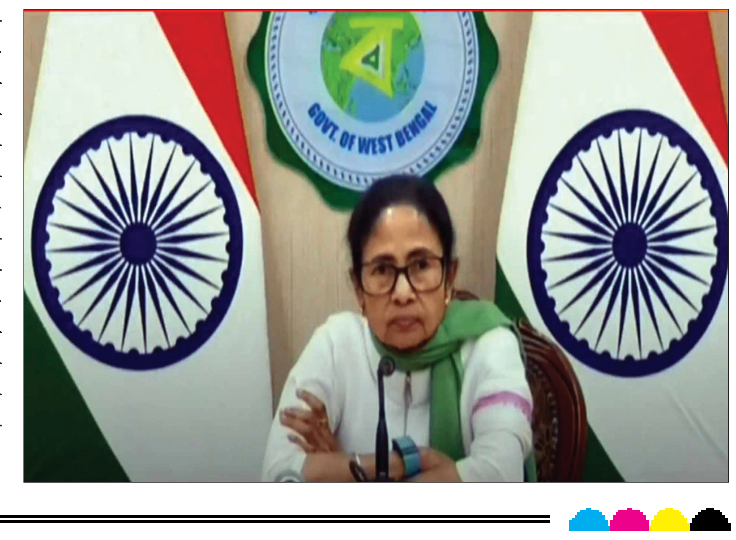

फरीदाबाद में बुढ़िया और गौंछी नाले की सफाई ड्रोन सर्वे से शुरू, मानसून से पहले जलभराव रोकने की तैयारी

फरीदाबाद, (एजेंसी)। अरावली पहाड़ी से यमुना नदी तक जाने वाले बुढ़िया नाले को साफ करने से पहले इसका ड्रोन सर्वे कराया गया है। सफाई का काम पूरा होने के बाद फिर से सर्वे होगा। इसके बाद ही सुनिश्चित किया जाएगा कि सफाई कैसी हुई है।इतना ही नहीं बुढ़िया नाले की सफाई के प्रतिदिन वीडियोग्राफी हो रही है, फोटों खींचे जा रहे हैं ताकि पहले और सफाई के बाद की स्थिति का पता लगाया जा सके। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के अलावा इस काम की निगरानी जिला उपायुक्त द्वारा की जा रही है।प्रतिदिन जिला उपायुक्त के पास इस नाले की सफाई की अपडेट जानकारी दी जाती है। मानसून में वर्षा पानी निकासी का सबसे बड़ा माध्यम यह नाला है। यदि नाले से पानी आगे नहीं जाएगा तो कई सेक्टर व कालोनियों में जलभराव होता है। इसलिए अब बड़े स्तर पर इस नाले की निगरानी की जा रही है।रावली पहाड़ी से लेकर यमुना नदी तक करीब 18 किलोमीटर लंबा बुढ़िया नाला है। यह नाला यमुना नदी में गिरता है। यमुना नदी में बाढ़ के दौरान इसी नाले में यमुना नदी का पानी बैक मारता है। इस वजह से नाला ओवरफ्लो हो जाता है और आसपास के रिहायशी इलाके सहित खेतों में पानी भर जाता है। इसलिए अब नाले के दोनों साइडों को भी मजबूत किया जा रहा है ताकि अधिक पानी आने पर यह न टूटे।इसी तरह प्राधिकरण द्वारा गौंछी ड्रेन की भी सफाई की जा रही है। मुजेसर फाटक से लेकर गुरुग्राम नहर तक करीब सात किलोमीटर सफाई का जिम्मा प्राधिकरण के पास है। यहां भी पहले और सफाई के बाद की फोटो खींचकर उच्च अधिकारियों के पास भेजी जा रही हैं। इस ड्रेन के माध्यम से भी वर्षा का पानी निकल जाता है।नाले की सफाई की निगरानी हो रही है। मानसून से पहले बुढ़िया नाला और गौंछी ड्रेन की पूरी तरह से सफाई हो जाएगी। इस बार काम जल्दी शुरू कर दिया गया है ताकि समय रहते पूरा किया जा सके।

मानेसर में बल प्रयोग के विरोध में फरीदाबाद में भी प्रदर्शन

फरीदाबाद, (एजेंसी)। मानेसर में मजदूर आंदोलन पर हुए कथित पुलिसिया दमन के खिलाफ अब फरीदाबाद में भी कर्मचारी और मजदूर संगठन लामबंद हो गए हैं। संगठनों ने 16 अप्रैल को शहर में विरोध प्रदर्शन करने का एलान किया है, जिससे स्थानीय स्तर पर भी यह मुद्दा गरमाने लगा है।कर्मचारी संघ के नेता सुभाष लांबा ने बताया कि सीटू के आह्वान पर फरीदाबाद में भी विभिन्न विभागों के कर्मचारी और मजदूर एकजुट होकर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि मानेसर में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे मजदूरों पर बल प्रयोग और 55 मजदूरों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज करना लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला है। नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि फरीदाबाद में आंदोलन को दबाने और श्रमिक नेताओं को डराने-धमकाने के लिए पुलिस की ओर से नोटिस भेजे जा रहे हैं जिस पर संगठनों ने कड़ी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से मजदूरों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता।संगठनों ने आरोप लगाया कि प्रदेश में मजदूरों का लगातार शोषण हो रहा है। मजदूरों से बिना ओवरटाइम के 12 से 14 घंटे काम लिया जा रहा है और साप्ताहिक अवकाश तक नहीं दिया जा रहा। न्यूनतम वेतन को लेकर भी लंबे समय से असमंजस बना हुआ है। उन्होंने बताया कि त्रिपक्षीय बैठकों में 23,196 रुपये मासिक वेतन पर सहमति बनी थी लेकिन सरकार ने बजट में 15,220 रुपये की घोषणा कर दी, जिसका नोटिफिकेशन भी अब तक जारी नहीं हुआ। संगठनों ने मांग की है कि मानेसर मामले में दर्ज प्राथमिकी वापस ली जाए, गिरफ्तार मजदूरों को रिहा किया जाए और सहमति अनुसार न्यूनतम वेतन लागू किया जाए। साथ ही कार्यस्थल पर हादसों में मारे गए मजदूरों के परिजनों को 50 लाख रुपये मुआवजा देने की भी मांग उठाई गई है।

खाली प्लॉट बना कूड़ाघर, लोगों का जीना हुआ मुश्किल

फरीदाबाद, (एजेंसी)। जिले के नीलम रेलवे रोड के पास एक खाली प्लॉट इन दिनों स्थानीय लोगों के लिए समस्या का कारण बना हुआ है। लंबे समय से इस प्लॉट में कूड़ा-कचरा डाला जा रहा है, जिसके चलते पूरा क्षेत्र गंदगी और बदबू से परेशान है।आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि यह प्लॉट अब पूरी तरह से कूड़ाघर में तब्दील हो चुका है और यहां से गुजरना तक मुश्किल हो गया है। लोगों ने बताया कि गंदगी के कारण मच्छरों और अन्य कीटों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय निवासियों ने बताया कि यहां रोजाना लोग खुलेआम कचरा फेंक जाते हैं। इससे इलाके की साफ-सफाई पर बुरा असर पड़ रहा है। कूड़े से उठने वाली बदबू इतनी तेज हो जाती है कि लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो जाता है। इस समस्या को लेकर कई बार प्रशासन को शिकायत दी गई है लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

ग्रामीण सीएचसी पर शुरू होगी एक्स-रे सुविधा

फरीदाबाद, (एजेंसी)। जिला नागरिक अस्पताल पर बढ़ते मरीजों के दबाव को कम करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में भी एक्स-रे जांच सुविधा शुरू करने की तैयारी कर ली है। अब तक यह सुविधा केवल जिला नागरिक अस्पताल और प्रथम रेफरल इकाइयों तक सीमित थी, जिसके चलते हड्डी रोग ओपीडी में रोजाना 300 से अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। नई व्यवस्था लागू होने के बाद मरीजों को नजदीक में ही जांच की सुविधा मिल सकेगी।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले के तिगांव, खेड़ीकलां, कौराली और धौज स्थित सीएचसी पर एक्स-रे मशीनें स्थापित की जाएंगी। लंबे समय से लंबित इस योजना को अब अमलीजामा पहनाया जा रहा है और मशीनों की स्थापना प्रक्रिया तेज कर दी गई है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही इन केंद्रों पर एक्स-रे जांच शुरू कर दी जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में यह सुविधा शुरू होने से मरीजों को सबसे ज्यादा राहत मिलने की उम्मीद है। अब तक छोटी-छोटी जांच के लिए भी लोगों को बीके अस्पताल का रुख करना पड़ता था, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती थी। नई व्यवस्था के बाद मरीजों को अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ही जांच उपलब्ध हो सकेगी।वर्तमान में बीके अस्पताल में एक्स-रे जांच के लिए बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं, जिससे वहां भीड़ की स्थिति बनी रहती है। सेक्टर-30 और सेक्टर-3 स्थित प्रथम रेफरल इकाइयों में भी सीमित सुविधा होने के कारण दबाव बना रहता है। सीएचसी स्तर पर सुविधा शुरू होने से इस भीड़ में कमी आने की उम्मीद है।अस्पताल प्रबंधन को भी इस पहल से राहत मिलेगी। यदि किसी कारणवश बीके अस्पताल की एक्स-रे मशीन खराब होती है, तो मरीजों को नजदीकी सीएचसी पर भेजा जा सकेगा, जिससे इलाज प्रभावित नहीं होगा और मरीजों को इंतजार नहीं करना पड़ेगा।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जयंत आहूजा ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएचसी पर जल्द ही एक्स-रे जांच शुरू होने से मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी और स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ होंगी।

कीचड़ हटाने के बाद आगरा नहर की क्षमता बढ़ी, इतने जिलों के किसानों को मिलेगी राहत

बल्लभगढ़, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग आगरा नहर की 15 वर्ष बाद अर्थमूवर से सफाई करा रहा है। सफाई कराने का उद्देश्य नहर में क्षमता के अनुसार पानी छोड़ना और आगरा के टेल तक पहुंचाना। नहर की सफाई के काम को एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा।सफाई होने के बाद सिंचाई के लिए पानी छोड़ दिया जाएगा। नहर की सफाई से पलवल जिले के 52 रजवाहों से डेढ़ लाख एकड़ भूमि की सिंचाई समय पर की जा सकेगी।आगरा नहर पर यूपी सिंचाई विभाग का नियंत्रण है। आगरा नहर से ही गुरुग्राम नहर निकलती है। गुरुग्राम नहर से फरीदाबाद, गुरुग्राम के सोहना, पलवल के मंडकौला, नूहं, फिरोजपुर झिरका होते हुए राजस्थान अलवर जिला तक भूमि की सिंचाई होती है।गुरुग्राम नहर का नियंत्रण हरियाणा सिंचाई विभाग का है। आगरा नहर से हरियाणा के पलवल जिले के 52 रजवाहे व नहर निकलते हैं। इन से डेढ़ लाख एकड़ भूमि की सिंचाई की जाती है। आगरा नहर की पानी बहने की क्षमता 4000 क्यूसिक है। सफाई होने के बाद पलवल के रजवाहों और नहरों भरपूर पानी छोड़ा जाएगा।आगरा नहर दिल्ली कालिंदी कुंज से निकल कर फरीदाबाद, पलवल, मथुरा से होते हुए आगरा तक जाती है। नहर में लंबे समय से सफाई न होने के कारण कीचड़ जम गई थी। कीचड़ जम जाने से आगरा नहर में 4000 क्यूसिक की बजाय 3200 क्यूसिक पानी बह रहा था।

गुरु साहिबानों के सिद्धांतों एवं शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर काम कर रही हैं सरकार : नायब सिंह

देश व प्रदेश में गुरु परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ाया जा रहा है आगे

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बैसाखी महोत्सव 2026 के राज्य स्तरीय समारोह में की शिरकत

मुख्यमंत्री ने महिला व पुरुषों की दंगल प्रतियोगिता, अंतरराष्ट्रीय पतंग प्रतियोगिता को करवाया शुरू

5 एकड़ में बनने वाले संग्रहालय का 124 करोड़ के कामों का हुआ टेंडर

5 मई को कुरुक्षेत्र से संगत को लेकर श्री नांदेड़ साहिब के दर्शन के लिए रवाना होगी ट्रेन

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश व प्रदेश की सरकार गुरु साहिबानों के सिद्धांतों एवं शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर काम कर रही हैं। ऐसा करके गुरु परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन को आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को कुरुक्षेत्र के केडीबी मेला ग्राउंड में कला एवं सांस्कृतिक विभाग एवं जिला प्रशासन के तत्वाधान में आयोजित बैसाखी महोत्सव 2026 के राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यातिथि के रूप में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सिख इतिहास पर आधारित व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों व योजनाओं की प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने महिला व पुरुषों की दंगल प्रतियोगिता को शुरू करवाया और पतंग उड़ाकर अंतरराष्ट्रीय पतंग प्रतियोगिता का भी शुभारंभ किया। इसके साथ ही हरियाणवी संस्कृति पर आधारित हरियाणा विरासत पवेलियन का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस मौके पर सबको बैसाखी के पावन पर्व की बधाई दी। इसके साथ ही खालसा पंथ के स्थापना दिवस पर महान गुरुओं के चरणों में नमन किया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज को सिख संगत की तरफ से कृपाण, सरोपा तथा खंडा साहिब का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत एक नए युग की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें गुरु साहिबान की शिक्षाओं, एकता, समर्पण, सेवा और परिश्रम को अपने जीवन में अपनाना होगा। हम सभी को मिलकर ऐसा समाज बनाना होगा, जहां सभी को समान अवसर मिले, जहां कोई भेदभाव न हो और जहां हर व्यक्ति को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार हो। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रयासों का उद्देश्य केवल विकास करना नहीं है, बल्कि अपनी जड़ों से जुड़े रहना, अपनी संस्कृति को संजोना और आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना है। जब हम अपने अतीत से प्रेरणा लेते हैं, तभी हम एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र की इस कर्मभूमि पर बैसाखी के पावन पर्व पर आप सबके बीच आकर बड़ी खुशी हो रही है। यह वह धरा है, जो धर्म और कर्म की धरती के रूप में जानी जाती है। बैसाखी का पर्व हमें प्रकृति के साथ जुड़ने, श्रम के सम्मान को समझने और समृद्धि का उत्सव मनाने की प्रेरणा देता है।

जब खेतों में लहराती फसलें पककर तैयार होती हैं, तो किसान का हृदय गर्व और आनंद से भर उठता है। और उसी खुशी को हम सब मिलकर बैसाखी के रूप में मनाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बैसाखी का यह पावन दिन हमारे इतिहास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अध्याय भी समेटे हुए है। वर्ष 1699 में इसी दिन आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती पर दशम पातशाह सरबंसदानी श्रीगुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

उस समय देश में अन्याय, अत्याचार और अधर्म अपने चरम पर था। ऐसे कठिन समय में गुरु साहिब ने खालसा पंथ की स्थापना करके समाज को एक नई दिशा दी। एक ऐसी दिशा, जिसमें साहस, समानता, आत्मसम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खालसा पंथ की स्थापना के समय गुरु साहिब ने पांच प्यारों को चुना, जो विभिन्न जातियों और क्षेत्रों से थे। यह अपने आप में सामाजिक समानता और भाईचारे का एक अद्भुत संदेश था। एक ही बर्तन से अमृत पिलाकर उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि मानव-मानव में कोई भेद नहीं है। यह पर्व हमें सिखाता है कि विविधता में एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

5 मई को कुरुक्षेत्र से संगत को श्री नांदेड़ साहिब के दर्शन के लिए रवाना होगी ट्रेन

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के आगामी 5 मई को कुरुक्षेत्र से श्री नांदेड़ साहिब के लिए ट्रेन रवाना की जाएगी। इससे पहले, गत 28 मार्च को 700 से ज्यादा श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम के दर्शनों के लिए अंबाला से ट्रेन रवाना की गई थी। उन्होंने कहा कि बैसाखी का यह दिन हमें इतिहास के एक दर्दनाक, लेकिन प्रेरणादायक अध्याय की भी याद दिलाता है, 13 अप्रैल 1919 को अमृतसर के जलियांवाला बाग में अंग्रेजी हुकूमत ने निर्दोष लोगों पर गोलियां चलाकर एक भीषण नरसंहार किया था। उस दिन हजारों निर्दोष लोग शहीद हुए थे, लेकिन उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उसी बलिदान ने स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा दी और देशवासियों के मन में आजादी की ज्वाला को और प्रज्वलित किया।

दिसम्बर 2022 में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की करी स्थापना

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिसम्बर 2022 में हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति की स्थापना की गई। इससे सिख समाज की काफी समय से चली आ रही मांग को पूरा किया। इससे हरियाणा में सिख समुदाय को स्वायत्तता मिली है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने श्री गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व, श्री गुरु गोबिंद सिंह के 350वें प्रकाश पर्व और श्री गुरु तेग बहादुर के 400 वें प्रकाश वर्ष को राज्य स्तर पर भव्य रूप से मनाया है। गत नवंबर मास में हमने श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष में पूरे प्रदेश में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। उन्होंने कहा कि यही ज्योतिसर में 25 नवम्बर को श्री गुरु ग्रंथ साहिब की हजुरी में राज्य स्तरीय समागम आयोजित किया गया। इसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शामिल हुए। उन्होंने श्री गुरु तेग बहादुर को समर्पित सिक्के, डाक टिकट और कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया।

सरकार ने 1984 दंगों में अपनों को खोने वाले प्रदेश के 121 परिवारों के एक-एक सदस्य को दी नौकरी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यमुनानगर जिला के कलेसर में श्री गुरु तेग बहादुर के नाम पर वन लगाने का निर्णय लिया गया। वहीं श्री गुरु तेग बहादुर की याद में यादगारी गेट बनाया गया है। यमुनानगर के किशनपुरा में श्री गुरु तेग बहादुर कृषि महाविद्यालय खोलने की घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि वर्ष 1984 में हुए दंगों में हमारे अनेक सिख परिवारों ने अपनों को खोया था। सरकार ने प्रदेश के ऐसे 121 परिवारों के एक-एक सदस्य को नौकरी देने का प्रावधान किया है, जिनके किसी सदस्य की जान दंगे में चली गई थी। उन्होंने कहा कि पंचकुला में गत 24 दिसंबर को वीर बाल दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह शामिल हुए। उन्होंने अपने हाथों से दंगा पीड़ित परिवारजनों को नियुक्ति पत्र सौंपे।

5 एकड़ में बनने वाले संग्रहालय का 124 करोड़ के कामों का हुआ टेंडर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में सिख संग्रहालय कुरुक्षेत्र के उमरी में जल्द शुरू होने जा रहा है। यह प्रदेश का पहला ऐसा संग्रहालय होगा, जो सिख इतिहास, संस्कृति और गुरुओं के योगदान को प्रदर्शित करेगा। यह संग्रहालय कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा प्रदान की गई 5 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। गत दिसंबर में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा 124 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया गया। जल्द ही इस पर काम शुरू करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक कॉलेज, अंबाला का नाम श्री गुरु तेग बहादुर के नाम पर रख गया। टोहाना-जींद-धमतान साहिब सड़क का नाम श्री गुरु तेग बहादुर मार्ग रखा गया। सरकार ने यमुनानगर में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का नाम हिन्द की चादर श्री गुरु तेग बहादुर सिंह के नाम पर रखा है।

मुख्यमंत्री के संकल्प बन रहे हैं सभी प्रेरणाओं के माध्यम : ज्ञानानंद

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि बैसाखी उत्सव हमारे लिए गौरवशाली धरोहर का सम्मान है। जो नई फसलों का अभिनंदन, मौसम परिवर्तन का अभिनंदन और खालसा साधना का संदेश है। मुख्यमंत्री के संकल्प हमारी प्रेरणाओं के माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती की पहल हुई जिसमें 40 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी रही।

इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, मुख्यमंत्री के ओएसडी प्रभलीन सिंह, चेयरमैन धर्मवीर डागर, चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम नए भारत की तस्वीर, बेटियों के सपने होंगे साकारः नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम को देखा लाइव

चंडीगढ़,एजेंसी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नारी शक्ति वदंन अधिनियम नए भारत की तस्वीर है जहां पर देश की बेटियों के सपनों को साकार किया जाएगा। इस नारी शक्ति वंदन अधिनियम से देश की संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर उन्हें निर्णय लेने की मुख्य धारा में लाता है। यह कानून महिलाओं को केवल भागीदारी नहीं नीति निर्माण में नेतृत्व की भूमिका देता है।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को कला एवं सांस्कृतिक विभाग एवं जिला प्रशासन की तरफ से आयोजित 2 दिवसीय राज्य स्तरीय बैसाखी महोत्सव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारी शक्ति वंदन अधिनियम कार्यक्रम को ऑन लाईन प्रणाली से सुन रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2015 में हरियाणा के पानीपत से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया। जिसके परिणामस्वरूप आज हरियाणा का लिंगानुपात 871 से सुधरकर 923 तक पहुँच गया है। जब नीति और नीयत सही हो तो समाज में भी सकारात्मक बदलाव आते हैं।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि हमारी माताओं-बहनों के अटूट विश्वास का प्रतीक है। आज हरियाणा की बेटियां हर क्षेत्र में चाहे वह खेल हो, शिक्षा हो या रक्षा, तिरंगे का मान बढ़ा रही हैं। प्रधानमंत्री के नारी शक्ति वंदन के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश सरकार महिलाओं को सुरक्षित माहौल, बेहतर शिक्षा और समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही हैमुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सुकन्या समृद्धि योजना की शुरुआत भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 22 जनवरी, 2015 को पानीपत की ऐतिहासिक धरा से की गई। इस स्कीम के तहत पूरे देश में 4 करोड़ 20 लाख सुकन्या समृद्धि खाते खोले गए। हरियाणा में भी 9 लाख 56 हजार खाते खोले गए हैं। रक्षा सेवाओं में महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान किया गया। सैनिक स्कूलों में बेटियों के प्रवेश को मंजूरी दी गई है।उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए प्रदेश सरकार ने लखपति दीदी, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी अनेक योजनाएं लागू की हैं। देश की 10 करोड़ महिलाओं को 90 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया गया है। हरियाणा में 6 लाख 30 हजार महिलाओं को 63 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा गया है। प्रदेश सरकार ने बहनों-बेटियों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की है। इस योजना के तहत 2100 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। अब तक 9 लाख 68 हजार बहन-बेटियों को 1 हजार 38 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं।इस मौके पर पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज, सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

प्रदेश की सभी मंडियों और खरीद केंद्रों में सुचारु चल रहा है खरीद कार्य : नायब सिंह

मुख्यमंत्री ने पिपली अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का किया निरीक्षण

फसल नुकसान एवं भरपाई के लिए 15 अप्रैल तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर आवेदन करें किसान

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में गेहूं खरीद का कार्य सभी मंडियों और खरीद केंद्रों में सफलतापूर्वक बिना किसी रुकावट के निरंतर चल रहा है। इस दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आ रही है। किसानों की फसल के एक-एक दाने की खरीद की जाएगी। इस वर्ष रबी खरीद 2026-27 के दौरान 12 अप्रैल तक लगभग 39.65 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है और लगभग 2.44 लाख किसानों का 30.90 लाख मीट्रिक टन गेहूं हेतु बायोमेट्रिक सत्यापन हो चुका है, 10.92 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है और लगभग 188 करोड़ की राशि किसानों के बैंक खाते में सीधे तौर पर स्थानांतरित हो चुकी है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सोमवार को पिपली अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अनाज मंडी के गेट पर गेट पास बनाने की प्रक्रिया को जाना, इसके बाद खरीद व्यवस्था को देखा और किसानों से बातचीत कर अनाज मंडी में गेहूं बेचने के दौरान आने वाली समस्याओं व दिक्कतों को जाना। गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से आरम्भ हो चुकी है। भारत सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। राज्य में गेहूं की खरीद के लिए 416 मंडियां एवं खरीद केंद्र के अलावा 264 अतिरिक्त खरीद स्थल भी खोले गए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में खरीद प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित तथा किसान हितैषी बनाने के लिए कई नई पहले लागू की हैं। इन उपायों से फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगेगी तथा किसानों को सुविधाजनक और तेज सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने तीन-स्तरीय फसल सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है। इस व्यवस्था के तहत खरीद केंद्रों पर लाई गई फसल का किसान द्वारा पंजीकृत फसल से मिलान सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे फसल सत्यापन प्रक्रिया अधिक सटीक और विश्वसनीय बन रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेमौसमी बारिश के कारण प्रदेश के 4 जिलों फतेहाबाद, हिसार, सिरसा व कुरुक्षेत्र के कुछ गांवों में फसलों को नुकसान होने की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। उन्होंने स्वयं संबंधित जिलों के उपायुक्तों से बात कर स्थिति का पता लगाया और फसलों को हुए नुकसान एवं भरपाई के लिए कुरुक्षेत्र, हिसार, सिरसा व फतेहाबाद के लिए पोर्टल खोला हुआ है। इनमें कुरुक्षेत्र के 6 गांव, फतेहाबाद जिले के 9 गांव, हिसार के 10 गांव तथा सिरसा के 2 गांव शामिल हैं। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान अपनी फसल के नुकसान एवं भरपाई के लिए 15 अप्रैल तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर आवेदन करें।

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने 'पोइला बैसाख' की शुभकामनाएँ दी

ठाकुर रामकृष्ण की 'प्राण प्रतिष्ठा' के वार्षिक उत्सव के दौरान सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में 'कालीबाड़ी चंडीगढ़' की भूमिका की सराहना की

चंडीगढ़। एजेंसी

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने आज चंडीगढ़ स्थित कालीबाड़ी में ठाकुर रामकृष्ण की 'प्राण प्रतिष्ठा' के वार्षिक उत्सव के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बंगाली नववर्ष 'पोइला बैसाख' के शुभ अवसर पर प्रदेशवासियों एवं समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर लेडी गवर्नर श्रीमती मित्रा घोष भी उपस्थित रहीं।

माननीय राज्यपाल ने 'पोइला बैसाख' को हर्ष, नवचेतना और नवआरंभ का प्रतीक बताते हुए कहा कि 'पोइला' (अर्थात पहला) और 'बैसाख' (बंगाली पंचांग का प्रथम माह) से मिलकर बना यह पर्व आशा, समृद्धि और नई संभावनाओं के आगमन का संदेश देता है।

उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का उल्लेख करते हुए कहा कि दीपावली, ईद-उल-फितर, क्रिसमस, गुरुपर्व, पोंगल और 'पोइला बैसाख' जैसे त्योहार धार्मिक सीमाओं से परे जाकर समाज को एकता के सूत्र में पिरोते हैं। ये उत्सव आपसी सम्मान, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सद्भाव को बढ़ावा देते हैं तथा करुणा और सह-अस्तित्व जैसे मूल्यों को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर 'विविधता में एकता' की भारतीय भावना को साकार करते हैं।

माननीय राज्यपाल ने 'पोइला बैसाख' से जुड़ी पारंपरिक प्रथाओं का उल्लेख करते हुए 'हल्खाता' की रस्म का विशेष रूप से जिक्र किया, जिसमें व्यापारी नए बही-खाते आरंभ कर समृद्धि की कामना करते हैं। साथ ही उन्होंने 'चौत्र बिक्री' से जुड़े उत्सव के उत्साह की भी चर्चा की।

उन्होंने कालीबाड़ी, चंडीगढ़ द्वारा भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन में निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान उन युवा पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, जो अपने मूल स्थानों से दूर रह रही हैं। उन्होंने कहा कि कालीबाड़ी जैसी संस्थाएँ हमारी सांस्कृतिक पहचान और विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

इस अवसर पर माननीय राज्यपाल एवं लेडी गवर्नर ने कालीबाड़ी की वार्षिक पत्रिका 'अपब्रिनु' का विमोचन किया तथा उसकी संपादकीय टीम को सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम में स्वामी शांतत्मानंद जी, स्वामी भीतिहरानंद जी, स्वामी तन्महिमानंद जी और राज्यपाल के निजी सचिव श्री शंख चटर्जी, श्री प्रणोब सेन, अध्यक्ष, कालीबाड़ी, श्रीमती अमृता गांगुली, प्रभारी, रामकृष्ण मंदिर, श्री राजेश रॉय, महासचिव, कालीबाड़ी, श्री बीके चटर्जी, कोषाध्यक्ष, कालीबाड़ी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3858

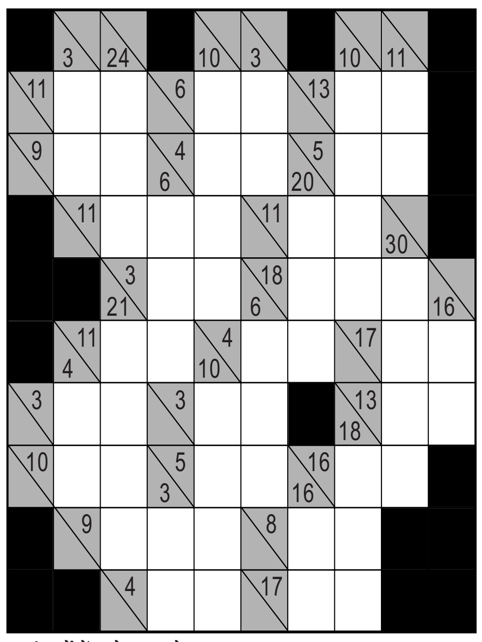

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

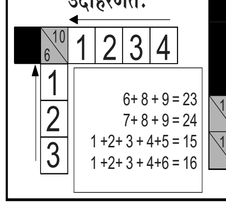

काकुरो - 3857 का हल

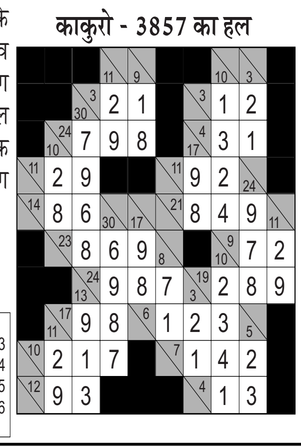

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

□ □ □

जज (अभियुक्त से) - तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से) - दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

□ □ □

एक ग्राहक होटल के बैरे से - अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

□ □ □

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3858

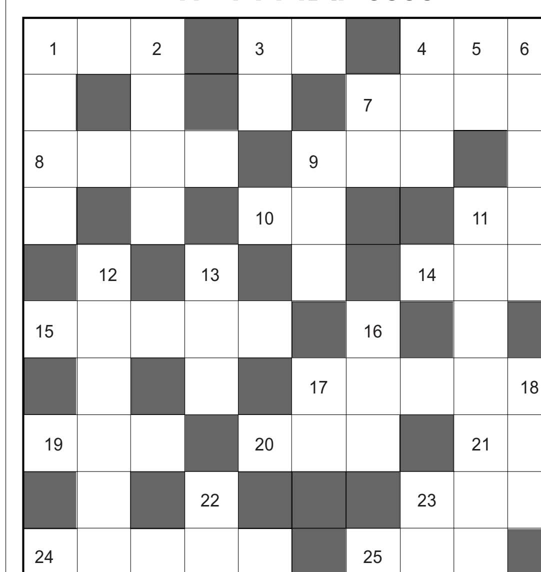

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3857

सूडोकु -3858

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3857 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 3858

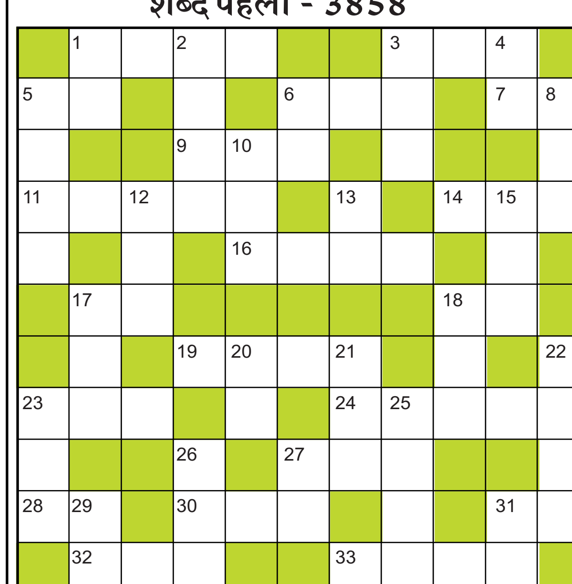

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -3857 का हल

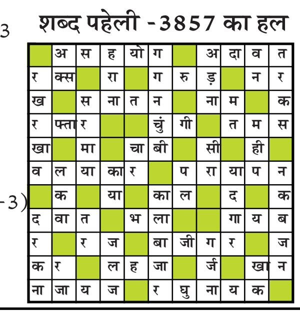

गर्मी में कूल ड्रेसेस

मौसम का बदलता मिजाज आपका ड्रेसिंग सेंस भी बदल देता है। गर्मी के आते ही वार्डरोब में रखे मोटे और गर्म कपड़ों की जगह हल्के और ठंडक देते रंग के कपड़े आ जाते हैं। युवा चाहते हैं इस गर्मी में कुछ ऐसा पहनें जो हमें गर्मी से राहत देने के साथ-साथ देखने वाले को भी ठंडक दे। सभी चाहते हैं इस मौसम में हमारी ड्रेस एकदम डिफरंट और यूनिक हो, जो सोबर भी लगे और ट्रेंडी भी।

कलर का रखें ध्यान

गर्मियों में हमेशा ड्रेस के मटेरियल के साथ उसके कलर पर भी ध्यान देना जरूरी है। मौसम में ड्रेसेस हल्के रंगों के होने चाहिए जो आंखों को ठंडक दें। कॉटन मिक्स सिल्क, शिफान, लिनन, जारजट व हैंडलूम और खादी से बने वस्त्रों को पहनें जो पसीने को सोख लेते हैं। फैशन के लिहाज से देखा जाए तो एक दुबली लड़की पर आड़ी लाईन वाले शॉर्ट कुर्ती व छोटी कद-काठी वाली लड़कियों को आडी लाइन वाले कुर्ते खासे फबते हैं। गर्मी से बचने केलिए अधिकतर लड़कियाँ स्लीवलेस ड्रेस पहनना पसंद करती हैं लेकिन इससे धूप में हाथों की त्वचा जल सकती है। दोपहर में हमेशा ऐसी ड्रेस पहने जो कॉटन और फुल स्लीव्ज की हो। रात को आप चाहें तो स्लिवलेस पहन सकते हैं।

ना पहनें हेवी वर्क

कॉटन, शिफान के ड्रेसेस फॉर्मल लुक के लिए पहने जाते हैं जो अच्छे लगते हैं। इस मौसम में लिनन और जारजट के लांग स्कर्ट पहनें। कॉटन हेंडलूम व खादी ठंडक पहुंचाने वाले व पसीना सोखने वाले फेब्रीक हैं जिससे आप चुभती गर्मी में भी अच्छा महसूस करते हैं। बुजुर्ग महिलाएं सलवार कमीज पहनें। खादी का कुरता स्टाइल से पहने जो ढीला हो उसके साथ ही चूड़ीदार सलवार पहनें। इस मौसम में कली वाले कुरते अनारकली पेटर्न में अलग-अलग प्रिंट के साथ पहने जा सकते हैं।

इनसे रहे दूर

सिल्क, साटन, सिन्थेटिक, कोलेस्टर मिक्स, नायलॉन, वेलवेट कपडो में से कलर के साथ हीं इन्फेक्शन भी होती हैं। हेवी फेब्रिक के कपड़े न पहनें जिसे संभालना मुश्किल हो।

हो जाता हैं त्वचा रोग

गर्मी बहुत से बदलाव लेकर आती है। लोगों के पहनावे से लेकर पूरी दिनचर्या बदलने लगती है। सही ज्ञान न होने पर कुछ भी पहनना त्वचा के लिए हानिकारक हो सकता है। गर्मी में घेरदार कुरते, जारजट व शिफॉन पर की गई फ्लोरल प्रिंट, कॉटन सिल्क, टसर का इस्तेमाल ज्यादा किया जाता हैं। गर्मी में खासतौर से ब्लॉक प्रिंट, वेजीटेबल, कॉटन मिक्स लिनन व इकत फेब्रिक (कलकत्ता में गर्मी में ज्यादा चलता है) का इस्तेमाल किया जाता है।

जो सहज हो वहीं पहनें

गर्मी में फैशन कूल होना च ज्यादा ब्राइट कलर ना पहनें व व कॉटन के कपडों को इस करें। कॉटन के प्रिंट, साधारण क्रोशिया डिजाइन के फेब्रिक इस के लिए बेहतर हैं। अ गर्मी में ब्रश पेटिंग पेटिंग के ड्रेसेस चल युवाओं को अपने के हिसाब से कॉट व सलवार कमीज, सूट, अनारकली जोधा अकबर ड्रेसे फैशन में चल रहीं हैं चाहिए।

आपके पैर कितने कोमल

'आपके पैर कितने कोमल हैं, इन्हें जमीन पर मत रखिएगा। वरना ये मैले हो जाएँगे।' राजकुमार का फिल्म पाकीजा का यह डायलॉग उन पैरों के बारे में कहा गया है जिनकी खूबसूरती के क्या कहने। चेहरे व हाथों की तरह पैरों की खूबसूरती भी हमारे व्यक्तित्व में एक निर्णायक भूमिका अदा करती है। सुंदर, सुडौल व आकर्षक पैर हमारी खूबसूरती में चार चाँद भी लगा सकते हैं तो मटमैले पैर हमें शर्मसार भी कर सकते हैं इसलिए इन पैरों की उपेक्षा करना हमारे लिए स्वास्थ्य व सौंदर्य दोनों ही दृष्टि से नुकसानदेह है।

पैर हमारे शरीर का सारा भार ढोते हैं परंतु हम हैं कि इन भारवाहक पैरों की उपेक्षा करते हैं। यूँ तो अक्सर हम लोग घर से बाहर निकलते समय जूते या चप्पल पहनते हैं लेकिन जब कभी इन्हें उतारने की बारी आती है तब हमारी सारी पोल हमारी फटी एड़ियाँ और मटमैले नाखून खोल देते हैं।

कहते हैं आदमी की पहचान उसके जूतों से होती है और जूतों के भीतर हमारे कोमल पैर होते हैं, जिसकी हम अक्सर उपेक्षा करते हैं। यही कारण है कि हमारे पैर अक्सर अनदेखी व लापरवाही का शिकार होकर धूल खाते रहते हैं। जिस तरह हम चेहरे की देखभाल करते हैं। उसी प्रकार पैरों की देखभाल करके उन्हें भी हम आकर्षक व सुंदर बना सकते हैं।

क्या है कारण:

ज्यादा देर तक पानी में रहना, पैरों की नियमित सफाई नहीं करना, ऊँची एडी के चप्पल व जूते पहनना आदि आपके पैरों के लिए दीर्घकालीन समस्याएँ पैदा कर सकते हैं इसलिए इन पैरों की अनदेखी न करें।

एक सर्वेक्षण के अनुसार 60 प्रतिशत स्त्री-पुरूष एडियों के दर्द, बिवाइयाँ, पैरों में सूजन, उँगलियों के बीच में घाव होना आदि समस्याओं से ग्रसित रहते हैं।?

कैसे करें देखभाल:

- गुनगुने पानी में नमक डालकर कुछ देर उसमें अपने पैरों को रखें।
- पैरों को तौलिए से पोंछकर उस पर क्रीम या माइश्चराइजर लगाए।
- हर रोज अपने पैरों की हल्के हाथों से मालिश करें।
- नाखूनों को दाँत या कैंची से काटने की बजाय नेलकटर से ही काटें।
- नाखूनों को काटते समय उन्हें शेप अवश्य दें।
- 15 दिन में एक बार पैडीक्योर जरूर करें।
- घर में भी पैरों में चप्पल पहनना न भूलें।
- अधिक समय तक गीले में पैर नहीं रखें।
- नियमित व्यायाम करें।
- ज्यादा कसे व ऊँची एडी के चप्पल-जूते पहनने से बचें।

माँ और शिशु का रिश्ता

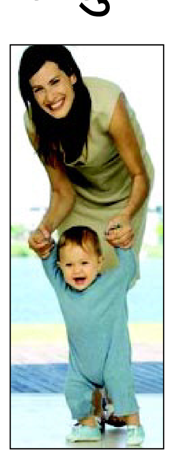

आदि का उस पर विशेष प्रभाव पड़ता है और इसके कारण कई बार समय से पूर्व प्रसव हो जाता है। अत: आपको शांत, प्रसन्न व तनावरहित रहना चाहिए। जन्म का समय बहुत ही बुरा होता है। जन्म का समय शिशु को भूकंप की तरह कष्टदायी प्रतीत होता है, क्योंकि माँ के शरीर में उत्पन्न दर्द व अकुंचन प्रसरण की क्रिया उसे बाहर की ओर धकेलती है। बाहर आते ही बहुत प्रकाश, बहुत अधिक तेज आवाज, ठंडी हवा आदि का अनुभव होने लगता है और वह अपनी जानी-पहचानी माँ से अलग हो जाता है। अब वह स्वयं साँस लेता और भोजन ग्रहण करता है। शिशु के आते ही घर में खुशियाँ छा जाती हैं। माता-पिता, दोस्त, रिश्तेदार हर कोई उसे गोद में लेना चाहता है- प्यार-दुलार करना चाहते हैं, परन्तु यह बेबी के लिए हानिकारक हो सकता है, क्योंकि शिशु को इससे इन्फेक्शन होने की संभावना अधिक रहती है। नवजात शिशु को तो यह संसार दैत्यों से भरा हुआ लगता है। माता-पिता दो ही पर वह निर्भर रहता है। वह आपकी चिंता, थकान, निराशा किसी को भी नहीं समझ सकता है। वह तो अपनी किसी भी बात को प्रेषित करने में असमर्थ है। वह सिर्फ रोकर ही अपनी भूख, प्यास, गर्मी, ठंड आदि का एहसास करवा सकता है। यदि बच्चा रो रहा है, तो हर समय उसका ध्यान रखें यह जरूरी नहीं, क्योंकि बड़े बुजुर्ग कहते हैं रोने से बच्चे का व्यायाम होता है, परन्तु ऐसा भी नहीं करें कि आप बच्चे को गोद में ही न लें। आपके शिशु को आपके स्पर्श व स्नेह की ही सबसे अधिक जरूरत है। कुछ भी हो उसकी सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखना आपकी ही जिम्मेदारी है।

बालूशाही

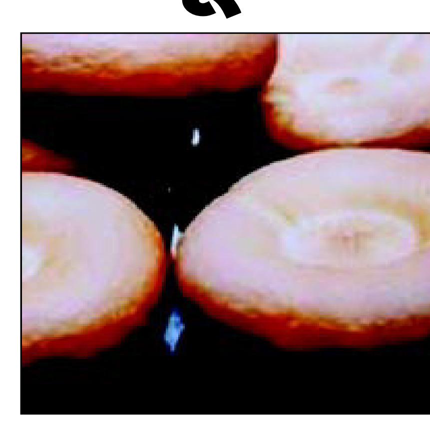

सामग्री : 250 ग्राम मैदा, 1 कप चीनी, आधा कप दही, पाव छोटी चम्मच नमक, आधा छोटी चम्मच इलायची पावडर, सजावट के लिए कतरे बादाम, खरबूज के बीज तथा चाँदी के वर्क, तलने व मोयन के लिए घी।

विधि : मैदे में नमक मिलाकर छान लें। इसमें 50 ग्राम घी और आधा कप दही मिलाकर गूँथ लें। गूँथे हुए मैदे की छोटी-छोटी लोइयाँ बना लें। प्रत्येक लोई को थोड़ा चपटा करके बीच में अँगूठे से दबा दें। एक कड़ाही में घी गर्म करें।

बालूशाही को एकदम धीमी आँच पर हल्का बादामी होने तक तल लें। अब चीनी की एक तार की चाशनी बना लें। इसमें इलायची पावडर मिलाएँ तथा बालूशाही डाल दें।

आधे घंटे बाद बालूशाही को चाशनी में से निकालकर छलनी पर रखें ताकि अतिरिक्त चाशनी निथर जाए। लीजिए, तैयार है बालूशाही। अब इसे पर वर्क लगाकर मेवे से सजाकर पेश करें।

Disclaimer (अस्वीकरण) :

टाइम्स ऑफ पीडिया में पब्लिश किये गए आलेखों में व्यक्त किए गए विचार लेखक के निजी विचार हैं। इसमें दी गई किसी भी सूचना डाटा की सटीकता, संपूर्णता, व्यावहारिकता अथवा सच्चाई के प्रति टाइम्स ऑफ पीडिया उत्तरदायी नहीं है। आलेख में सभी सूचनाएं ज्यों की त्यों प्रस्तुत की गई हैं। इस आलेख में दी गई कोई भी सूचना अथवा तथ्य अथवा व्यक्त किए गए विचार टाइम्स ऑफ पीडिया के नहीं हैं, तथा टाइम्स ऑफ पीडिया उनके लिए किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं है। (TOP Legal Cell)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक टाइम्स ऑफ़ पीडिया

संक्षिप्त डायरी

60 वर्षीय अज्ञात घायल वृद्ध की मौत,संदिग्ध

देवरिया (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के देवरिया में खुखुन्दू चौराहे से लगभग 200 मीटर की दूरी पर एक अज्ञात लगभग 60 वर्षीय वृद्ध व्यक्ति गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस से उसे अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि एंबुलेंस (108) के एमटी चालक रमेश व स्टाफ श्रीराम द्वारा घायल को तत्काल उपचार हेतु मेडिकल कालेज ले कर गए , लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की जेब से 380 रुपये नगद, एक चाबी व चुनौती नाम का पैकेट बरामद हुआ है, जिससे उसकी पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक की शिनाख्त कराने की कोशिश की जा रही है। सीएमएस डा . एच के मिश्र ने बताया कि शव को मोर्चरी में रख कर पुलिस को सूचना दी गई हैं।

गौ सेवा काशी प्रांत का तीन दिवसीय निवासी प्रशिक्षण शिविर शुरू

वाराणसी (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में रामबाग चुनार स्थित सुरभि शोध संस्थान में सोमवार से 15 अप्रैल तक गौ सेवा काशी प्रांत का तीन दिवसीय निवासी प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ हो गया है। शिविर में गौ सेवा गतिविधि के अखिल भारतीय प्रशिक्षक प्रमुख के. ई. एन राघवन उपस्थित हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधि गौ सेवा के काशी प्रांत संयोजक अरविंद कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर में प्रांत स्तरीय सभी कार्यकर्ता, विभाग संयोजक, प्रशिक्षण प्रमुख जिला संयोजक, प्रशिक्षण प्रमुख स्तर तक के कार्यकर्ता उपस्थित हैं। इस निवासी प्रशिक्षण शिविर में गाय के गोबर से बनने वाली सामग्री, गोमूत्र से जीवन को मिलने वाले लाभ, पौधों के जीवन में सुधार के लिए आवश्यक खाद इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर समापन के बाद यही दायित्व धारी कार्यकर्ता अपने नगर एवं जिला केंद्रों पर विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित कर एक-एक कार्यकर्ता को प्रशिक्षित करेंगे।

अस्पताल में कहासुनी के बाद युवक की चाकू मारकर हत्या

गोण्डा (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में गोण्डा जिले के धानेपुर क्षेत्र में रविवार देर रात को निजी अस्पताल में हुए विवाद के दौरान एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दो आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। सीओ सदर शिल्पा वर्मा ने सोमवार को बताया कि बग्गी रोड स्थित एक निजी अस्पताल में देर रात बेलहारी गांव निवासी आनंद पांडेय (40) के रूप में हुई है। वह पेशे से खाद विक्रेता थे। आनंद पांडेय अपने भांजे सत्यप्रकाश शुक्ला के साथ रविवार रात को अस्पताल पहुंचे थे। सत्यप्रकाश अस्पताल में वार्ड ब्वाय के रूप में कार्यरत है। अस्पताल पहुंचते ही सत्यपाल का दूसरे वार्ड ब्वाय अनुपम शुक्ला से पहले किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। मामला इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों से भी लोग आ गए। देखते ही देखते विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई और इसी दौरान आनंद पांडेय पर कुछ लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। आरोप है कि उनके गले पर वार किया गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मारपीट में घायल अन्य लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक का उपचार जारी है। सीओ सदर ने बताया कि शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

(अपडेट) कानपुर किडनी कांड : फरार 25 हजार का इनामी डॉ रोहित गिरफ्तार

कानपुर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में रावतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत निजी अस्पतालों में चल रहे किडनी ट्रांसप्लांट के नाम पर खरीद फिरोख्त सिंडिकेट मामले में फरार 25 हजार के इनामी फर्जी डॉ रोहित को पुलिस ने सोमवार गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को पूछताछ में उसने कई अहम खुलासे किए हैं। पुलिस उपायुक्त पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने किडनी कांड मामले में फरार इनामी डॉ रोहित की गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम लगातार किडनी कांड मामले से जुड़े आरोपितों की तलाश कर रही थी। आज इस मामले से जुड़े अहम और मास्टर माइंट बताए जा रहे दिल्ली निवासी डॉ रोहित की गिरफ्तारी की गई है। उसे गिरफ्तार कर कानपुर लाया गया। जहां पर उससे पूछताछ जारी है। जांच में पुलिस को पता चला है कि किडनी कांड का आरोपित रोहित कोई डॉक्टर नहीं बल्कि 12वीं पास है और खुद को डॉक्टर बताता था। उससे पूछताछ के बाद जानकारी को पुलिस प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों से साझा करेंगे। उल्लेखनीय है कि कानपुर में अवैध रूप से चल रहे किडनी ट्रांसप्लांट के सिंडिकेट का कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने बीती 30 मार्च 2026 को खुलासा किया था। जांच में यह तथ्य सामने आए थे कि कल्याणपुर स्थित अहूजा हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट के नाम पर लोगों को बरगलाते हुए चंद पैसों का लालच देकर अमीरों को मंहगें दामों में लगाई (बेची)जाती थी। इस पूरे खेल में संलिप्त अहूजा हॉस्पिटल के मालिक दंपति डॉक्टर सुरजीत आहूजा और डॉ प्रीति आहूजा समेत नौ लोगों को गिरफ्तार कर पुलिस जेल भेज चुकी है। पुलिस जांच में यह सामने आया था दिल्ली निवासी डॉ रोहित इस पूरे खेल का मास्टरमाइंड है। इसके अलावा मेरठ निवासी डॉ अफजल और दिल्ली का ही रहने वाला ओटी टेक्नीशियन मुदस्सर अली भी इस किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह के कर्ता-धर्ता हैं। पुलिस ने तीनों पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया था। आज इस मामले में फरार इनामी रोहित की गिरफ्तारी पुलिस ने की है।

नवागत पुलिस अधीक्षक ने मातहतों की ली क्लास

देवरिया (एजेंसी) उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के नवागत पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने सोमवार को जनपद के समस्त अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी/थानाध्यक्षों के साथ एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की। इसका मुख्य उद्देश्य आगामी अंबेडकर जयंती के दृष्टिगत सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा करना रहा। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने, लगातार गश्त बढ़ाए तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही जनसंपर्क मजबूत करने, आयोजकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और किसी भी प्रकार की अफवाह पर त्वरित कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को सक्रिय रखने तथा आपात स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए सभी इकाइयों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि कानून-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाए रखें।

परिवार सबसे बड़ी पूंजी, मिल-बैठकर हल करें पारिवारिक समस्याएं : योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री ने शिकायत लेकर पहुंचे लोगों को समझाया, घर के मामले घर में ही सुलझाना बेहतर

लखनऊ,(एजेंसी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सदैव कहते हैं कि 25 करोड़ प्रदेशवासी ही मेरा परिवार है। सोमवार को उन्होंने परिवार के मुखिया के रूप में इसे चरितार्थ भी किया। ह्यजनता दर्शनह्ल में आए प्रत्येक नागरिक से उन्होंने स्वयं मुलाकात की। सभी की शिकायतें सुनीं और समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देश भी दिए। इस दौरान कई शिकायतें पारिवारिक विवाद से जुड़ी आई, जिस पर मुख्यमंत्री ने सभी को समझाया और कहा कि परिवार सबसे बड़ी पूंजी होती है। समझदारी से

पारिवारिक मामले मिल-बैठकर सुलझाएं। विश्वास करिए, बिखरने के बजाय परिवार एकजुट हो जाएगा और वर्तमान के साथ भावी पीढ़ी भी एक रहेगी। अंतिम विकल्प में लें पुलिस-प्रशासन की मदद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पारिवारिक विवादों से जुड़ी सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना। फिर शिकायत लेकर आए लोगों ने कहा कि पारिवारिक झगड़ों में पुलिस-प्रशासन की सहायता लेना अंतिम विकल्प ही होना चाहिए। हमारे समाज में परिवार से बड़ी कोई पूंजी नहीं होती। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत भी है। श्रेयस्कर यही है कि घर के मामले घर में ही सुलझ जाएं। गलती परिवार के किसी भी सदस्य से हो सकती है, लेकिन थोड़ा समझदारी से काम लेंगे तो परिवार बिखरने से बच जाएगा। परिवार में थोड़ा झुकने से सम्मान कम नहीं होता। परिवार रूपी पूंजी को हर हाल में संभाल कर रखें। कोई भी दिक्कत है तो परिवार के बड़ों के साथ मिल-बैठकर हल करें। यदि किन्हीं कारणों से विवाद हल नहीं होता तो अंतिम विकल्प के रूप में शासन, प्रशासन या पुलिस की सहायता लें। तत्परता व संवेदनशीलता से हो जन समस्याओं का समाधान मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि जन समस्याओं का समाधान तत्परता व संवेदनशीलता के साथ कराया जाए। इसमें शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य है। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। अवैध कब्जा करने वाले बख्शे न जाएं उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले और कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया जन भवन के आदर्श माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का उद्घाटन

लखनऊ,(एजेंसी) उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जन भवन में 517 लाख की लागत से आधुनिक सुविधायुक्त आदर्श माध्यमिक विद्यालय के नवीन भवन का उदघाटन किया। इस अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी वर्तमान पीढ़ी के ऊपर देश का भविष्य है। यह पीढ़ी जिन संस्थानों में शिक्षा अर्जित कर रही है, सबसे पहली आवश्यकता होती है कि उसके पास अपना भवन हो। राज्यपाल ने जनभवन में आदर्श माध्यमिक विद्यालय के रूप में अभिनव प्रयास को बढ़ाया है। यह माध्यमिक व बेसिक शिक्षा के लिए एक मॉडल भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आप इस मॉडल को जनपदों से लोगों को बुलाकर दिखा सकते हैं। खासतौर पर मुख्यमंत्री कम्पोजिट विद्यालय के जो मॉडल बन रहे हैं, उसमें इसको आप वहाँ स्वीकार करके आगे बढ़ा सकते हैं। इस भवन में पांच करोड़ 17 लाख रुपये कुल खर्च हुए हैं। उनमें चार करोड़ 70 लाख ही सरकार ने दिए हैं। शेष सीएसआर और राज्यपाल ने अलग से जुटाकर बनाया है। जो दिखेगा वही समाज में बिकेगा। जैसा हम प्रस्तुत करेंगे, वैसा ही लोग स्वीकार भी करेंगे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भवन अच्छा और योग्य है, तो उसके अनुरूप शिक्षा का माहौल बनाने में मदद मिलेगी। यहां बच्चों के स्पोर्ट्स मीट होते हैं। यहां के बच्चों में अंदर विभिन्न गतिविधियों को देखने को मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के वह वैज्ञानिक जिन्होंने शून्य व खगोल की अद्भुत अवधारणाएं दीं, वह कोई और नहीं आर्यभट्ट थे। आकाश के रहस्यों को पहली बार उद्घाटित करने वाले वराहमिहिर थे। जो आज की सर्जरी है, केवल आयुर्वेद ही नहीं एलोपैथ भी जिन्हें आदर्श मानता है, वह सुश्रुत थे। आयुर्वेद को विज्ञान का स्वरूप कैसे दिया जाना चाहिए, यह चरक ने हमें बताया। जगदीश चन्द्र बसु ने विज्ञान में नए आयाम जोड़े। मनुष्य, जीव ही नहीं वनस्पति में भी जीव का अंश है। यह वैज्ञानिक बसु ने बताया। प्रकाश का रहस्य क्या होता है, यह सीवी रमन ने हमें बताया है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह उपस्थित रहे।

निबंध साहित्य के पुरोधा बाबू गुलाब राय की साहित्यिक सृजन यात्रा का भागीदार रहा है आगरा, पुण्यतिथि पर विभिन्न आयोजन

आगरा (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के जनपद आगरा को हिंदी जगत के साहित्यिक पटल पर विशेष पहचान दिलाने वाले निबंध साहित्य के अजेय पुरोधा बाबू गुलाब राय की आज 13 अप्रैल को 63 वीं पुण्यतिथि है। आज ही के दिन 13 अप्रैल 1963 को आगरा में चिर निद्रा में लीन हुए थे। बाबू गुलाब राय स्मृति संस्थान आगरा की अध्यक्ष डा0 शशि तिवारी ने बताया कि आगरा में थाना हरी पर्वत क्षेत्र अंतर्गत दिल्ली गेट बाबू गुलाब राय की यादें और विरासत को संजोए हुए हैं। दिल्ली गेट पर दीप केमिस्ट के सामने गली में अंदर बाबू गुलाब राय जी का मकान आज भी मौजूद है जिसमें उनके प्रपोत्र गौरव(63) और संजय राय (55) रह रहे हैं; यह मार्ग उन्हीं के नाम से बाबू गुलाब राय मार्ग के रूप में जाना जाता है। इस मकान की दोनों गेटों पर लगी उनके नाम की पट्टीकायें जिन पर बाबू 'गुलाब राय एम. ए' अंकित है उनके मकान को साहित्यिक धरोहर के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। बाबू गुलाब राय के प्रपोत्र संजय राय की पत्नी प्रेरणा राय बताती

हैं कि बाबू जी का जन्म जन्म 17 जनवरी 1888 को इटावा में हुआ था, प्रारंभिक शिक्षा भी वही हुई लेकिन आगे की शिक्षा के लिए वे आगरा आ गए।उन्होंने आगरा कॉलेज से बी ए करने के बाद दर्शनशास्त्र में एमए किया और एल एल बी भी किया। उसके बाद छतरपुर रियासत के महाराजा द्वारा अपनी रियासती जिम्मेदारी के लिए छतरपुर बुला लिया गया। वहां कई वर्षों तक सेवाएं देने के बाद वह पुनःआगरा लौट आए और सेंट जोस कॉलेज में हिंदी विभाग के विभाग के अध्यक्ष बन गए। आगरा आकर साहित्यिक सृजन को दिया पूरा समय आगरा आकर शिक्षण और अध्यापन कार्य से जुड़ने के बाद वह अपनी साहित्यिक रचनाओं के सृजन में पूरा समय देने लगे। प्रारंभिक रचनाओं में उनके साहित्य में दार्शनिक पुट का भरपूर समावेश है लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपने साहित्य सृजन को जन भावनाओं के अनुरूप मोड़ दिया। गुलाबराय जी अपने जीवन के अन्तिम काल तक साहित्य -साधना में लीन रहे । उनकी साहित्यिक सेवाओं के फलस्वरूप आगरा विश्वविद्यालय ने उन्हें डी. लिट की उपाधि से सम्मानित किया । बाबू गुलाब राय जी के प्रपोत्र संजय राय सभासद नगर निगम आगरा साहित्यिक चर्चा करते हुए कहते हैं कि कोई लेखक हमारे लिए तब और महत्वपूर्ण हो जाता है, जब उसकी दृष्टि युग पर होती है, समय पर होती है और युग को एक नई दृष्टि देने की ललक उसके साहित्य में दृष्टिगोचर होती है। बाबू गुलाबराय एक ऐसे ही साहित्यकार थे,जो अपनी दार्शनिक विचारधारा के साथ कहीं एक सफल निबंधकार, कहीं सशक्त इतिहास लेखक, कहीं सफल सम्पादक और बहुमुखी रचनाकार के रूप में दिखाई देते हैं। बाबू गुलाबराय का साहित्यिक क्षितिज अत्यन्त व्यापक है। बाबू गुलाब राय की स्मृति में होंगे कई कार्यक्रम संजय राय ने बताया कि बाबूजी ने कई वर्ष तक सेंट जॉन्स कॉलेज आगरा में हिंदी विभाग अध्यक्ष रहकर अध्यापन कार्य किया। इसलिए इस अवसर पर उनको विनम्र श्रद्धांजलि देने के लिए दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक कॉलेज सभागार में साहित्यकारों को आमंत्रित किया गया है जिसमें हम परिजनों को भी विशेष रूप से बुलाया गया है और हम लोग वहां भाग लेंगे।

वृंदावन नाव हादसा : यमुना नदी से दो और शव बरामद, मृतकों की संख्या 15 हुई, एक की तलाश जारी

मथुरा (एजेंसी) । मथुरा जिले में यमुना नदी में पंजाब के श्रद्धालुओं की नाव पलटने के बाद डूब कर मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। सोमवार को बचाव दल ने नदी से दो और शव बरामद किए हैं। अभी भी एक व्यक्ति लापता बताया जा रहा है, जिसकी तलाश लगातार जारी है। सोमवार को एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस के संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान यमुना नदी से दो शव और बरामद किये हैं, जिनमें एक की पहचान पंजाब निवासी यश भल्ला उर्फ युवराज के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार यश भल्ला उन 16 लोगों में शामिल थे, जो नाव पलटने के बाद यमुना के तेज बहाव में लापता हो गए थे। उनका शव केसीघाट के निकट देवराह बाबा घाट के पास झाड़ियों में फंसा मिला। लंबे समय तक पानी में रहने के कारण शव क्षत-विक्षत अवस्था में था। इसके बाद बचाव दल ने बंगाली घाट के पास से एक युवती का भी शव बरामद कर लिया। जिसकी पहचान मोनिका दुगरी के रूप में हुई है। नाव हादसे

में मरने वालों की संख्या अब 15 हो गई है। यह पूरा रेस्क्यू ऑपरेशन राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीम चला रही है। टीम लगातार यमुना नदी में सर्च अभियान चला रही है और लापता लोगों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बरामद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इसके साथ ही सेना की स्ट्राइक वन कोर और एनडीआरएफ की संयुक्त टीमें इलाके में राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। अभी एक व्यक्ति और लापता बताया जा रहा है। उसका नाम पंकज है। उसकी खोज के लिए बचाव दल लगातार जुटे हैं। अपर पुलिस अधीक्षक देहात सुरेश चन्द्र रावत ने बताया कि लापता लोगों की तलाश के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और निजी गोताखोरों की टीमों को सात सेक्टरों में बांटकर लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। ड्रोन की मदद से भी नदी और आसपास के क्षेत्रों में तलाश की जा रही है। फिलहाल एक व्यक्ति अभी भी लापता है, जिसकी तलाश के लिए बचाव दल लगातार अभियान चला रहा है। प्रशासन के अनुसार जब तक लापता व्यक्ति का पता नहीं चल जाता, तब तक सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा।

डॉ. सौरभ कौशल ने बढ़ाया अलीगढ़ का मान, शोध पत्र वाचन एवं श्रेष्ठ आलेख में मिला सम्मान

अलीगढ .(एजेंसी) भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर), शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में कानपुर के छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से दो दिवसीय ह्लउद्दंड मार्तण्ड से ए.आई. युग तकः दो शताब्दियों का महासंवादह्ल विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी रविवार को संपन्न हुई। कार्यक्रम में अलीगढ़ जनपद के डॉ. सौरभ कौशल ने अपना शोध पत्र वाचन किया एवं श्रेष्ठ आलेख के रूप में सम्मान प्राप्त किया। उनका यह शोध पत्र हिन्दी पत्रकारिता और भारतीय सिनेमाःअंतर्विषयक सांस्कृतिक और सामाजिक विश्लेषणह्ल विषय पर केंद्रित रहा। उन्होंने 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हिंदी पत्रकारिता के उदय एवं 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में सिनेमा के आगमन से लेकर आज वर्तमान परिदृश्य तक दोनों बीच परस्पर समांतर संबंधों पर प्रकाश डालते हुए सामयिक परिवर्तनों को आलेखित किया। डॉ. कौशल शिक्षाविद स्व. एन.डी. कौशल (पूर्व प्रधानाचार्य डीएवी इंटर कॉलेज, अलीगढ़) के सुपुत्र हैं और वर्तमान में मेडिकल कॉलेज प्रयागराज में कार्यरत हैं। उनकी धर्मपत्नी डॉ इंदु शर्मा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में संगीत विभाग में प्रोफेसर हैं। डॉ. कौशल ने श्रेष्ठ आलेख सम्मान मिलने पर सोमवार को बताया कि वे एएमयू में मेडिकल साइंस के विद्यार्थी रहे। इसके बावजूद भी पिता से विरासत में मिली लेखन कला ने उनके व्यक्तित्व में

साहित्यिक सृजन के माध्यम से हिंदी भाषा एवं साहित्य की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान में उनके लगभग 12 राष्ट्रीय एवं चार अंतरराष्ट्रीय शोध प्रकाशित हो चुके हैं। गत वर्ष 22 नवंबर को भी उन्होंने विश्व हिंदी परिषद (अंतरराष्ट्रीय हिंदी सम्मेलन, विज्ञान भवन नई दिल्ली) की ओर से श्रेष्ठ आलेख का सम्मान प्राप्त कर उन्होंने अलीगढ़ का मान बढ़ाया है। डॉ. कौशल की इस गौरव पूर्ण उपलब्धि पर कोल विधायक अनिल पाराशर, डॉ. सुरेश पचौरी, एमडी डॉ. कार्तिकेय शर्मा, शिव शंकर चौहान (सदस्य रेलवे बोर्ड), यतेंद्र पाल सिंह, गवेन्द्र पाल सिंह राठौर, प्रदीप शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार), विनीत शर्मा आदि ने शुभकामनाएं दीं एवं उज्वल भविष्य की कामना की है।

रथयात्रा से गोदौलिया के बीच बारिश से पहले होगी रोप पुलिंग, एक्सपर्ट ऐसे करेंगे काम

वाराणसी (एजेंसी) रथयात्रा से गोदौलिया के बीच बारिश से पहले रोप पुलिंग होगी। रोप पुलिंग के बाद ट्रायल रन कराया जाएगा। दूसरे सेक्शन के निर्माण के बाद पूरे रोपवे में करीब 148 ट्रॉलीकार चलेंगी। बारिश से पहले रथयात्रा से गोदौलिया के बीच रोप पुलिंग का काम पूरा कराया जाएगा। इसके लिए पूरी कार्ययोजना बना ली गई है। एक अधिकारी के अनुसार, रथयात्रा से गोदौलिया के बीच रोप पुलिंग के बाद ट्रायल रन कराया जाएगा। पहले सेक्शन, कैंट से रथयात्रा के बीच ऑस्ट्रिया की एक्सपर्ट कंपनी रोप एक्सपर्ट्स

के इंजीनियरों ने रोप पुलिंग का कार्य किया था। इस कार्य के लिए यूरोप से ड्रोन और उपकरण आयात किए गए थे। इसी प्रकार दूसरे सेक्शन के लिए बाकी उपकरण मंगाए गए हैं। काशी में यातायात की व्यवस्था को सुगम और सुचारु बनाने में रोपवे को संजीवनी के रूप में देखा जा रहा है। दूसरे सेक्शन के निर्माण के बाद पूरे रोपवे में करीब 148 ट्रॉलीकार चलेंगी। रोपवे की कुल दूरी 3.85 किलोमीटर है। कैंट रेलवे स्टेशन से गोदौलिया पहुंचने में लगभग 16 मिनट का समय लगेगा। एक ट्रॉलीकार में 10 यात्री सवार हो सकते हैं। रोपवे का संचालन 16 घंटे होगा। एक दिशा में एक घंटे में 3,000 लोग यात्रा कर सकेंगे। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के अनुसार, रोपवे के प्रथम चरण के दूसरे सेक्शन, रथयात्रा से गोदौलिया तक का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। रोपवे निर्माण के लिए रोप पुलिंग का कार्य शुरू करने से पहले ऑस्ट्रिया की रोप एक्सपर्ट्स कंपनी के इंजीनियर निरीक्षण करेंगे। वे रोपवे स्टेशन, टावर एलाइनमेंट आदि समेत सभी पहलुओं की तकनीकी जांच करेंगे। कैंट रेलवे स्टेशन, काशी विद्यापीठ और रथयात्रा रोपवे स्टेशनों में रोपवे के संचालन के लिए लगभग सभी उपकरण इंस्टॉल किए जा चुके हैं। विश्व के तीसरे रोपवे का निर्माण काशी में यातायात को गति देने के लिए तेजी से चल रहा है। अंतरराष्ट्रीय मानकों का हो रहा कड़ाई से पालन अधिकारी ने बताया कि सरकार पर्यटकों की सुगम और सुरक्षित यात्रा के लिए सुरक्षा संबंधी अंतरराष्ट्रीय स्तर के सभी मानकों का कड़ाई से पालन कर रही है। देश के पहले अर्बन पब्लिक ट्रांसपोर्ट रोपवे पर पर्यटक जल्द ही प्रदूषण रहित और सुरक्षित यात्रा कर सकेंगे। रोपवे के संचालन के लिए टावर इंस्टॉलेशन के बाद प्रथम चरण की रोप पुलिंग हो चुकी है, जबकि दूसरे चरण की रोप पुलिंग बाकी है। रोप पुलिंग का कार्य शुरू करने से पहले निरीक्षण के लिए ऑस्ट्रिया से विदेशी विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम आई थी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
टाइम्स ऑफ़ पीडिया

साड़ी की है बात निराली

छह गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवास की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध साड़ी के स्वरूप में भी आज के समय में परिवर्तन आ गया है। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता ने अन्य चीजों की तरह इसके स्वरूप पर भी असर डाला है। भारी-भरकम कांजीवरम और बनारसी की जगह हल्की डिजाइनर साड़ियों ने ले ली है। पहले हर समारोह में जहां जरी के काम वाली भारी साड़ी पहनना अनिवार्य ही नहीं शुभ भी माना जाता था, वहीं आज दादी-नानी की उस धरोहर ने अपनी जगह अलग एक संदूक में बना ली है तो दूसरी ओर सिंथेटिक साड़ियां अलमारियों में पहुंच गई हैं। यहां तक कि कल की महिलाएं जो अपनी कांजीवरम की साड़ियों में अपनी खूबसूरती को निहारती थी, अब वे भी सिक्केस वर्क की जार्जेट, शिफॉन साड़ी पहनने लगी हैं। एक जमाना था जब हर स्त्री के पास कांजीवरम्, बनारसी, जामावार और पैठनी की साड़ियां अवश्य हुआ करती थीं। आज ब्लाउज के फैशन में जो बदलाव आया है, उसने साड़ी को वेस्टर्न टच में बदलने को उकसाया है। सबसे ज्यादा बदलाव कढ़ाई व डिजाइन में आया है। पहले भारी कढ़ाई की साड़ियों पर ज्यादातर जरी का काम किया जाता था पर अब जरी की जगह सिक्केस, क्रिस्टल व बीड्स ने ले ली है। यही वजह है कि आज साड़ियां पांच सौ से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक में उपलब्ध हैं।

कांफिडेंस और लुक

आप जब घर से निकलती हैं, तो क्या अपने लुक को लेकर काफी कांसस रहती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने ड्रेसकोड में थोड़ा सा परिवर्तन कर अपने दोस्तों में कांफिडेंस के साथ इंज्वाय कर सकती हैं। आप अपने ड्रेस डिजाइन को परिवर्तित कर अपने को आकर्षक और ग्लैमरस बना सकती हैं। इसके लिए आपको वेस्टन ड्रेस का भी सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है, आप भारतीय ड्रेस से ही अपने को आकर्षक बना सकती हैं। इसके लिए आप इंडियन आर्ट, अच्छे कट्स और फिटिंग वाले कपड़े का सहारा ले सकती हैं। इसके अलावा आप ब्राइट फ्रेश टोन अजमा सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने कपड़ों को नये लुक के अलावा इनके रंगों पर भी ध्यान दें, जिनमें आप ब्लैक, ग्रे, व्हाइट के साथ थोड़ा-सा सिल्वर कलर का यूज करें तो बेहतर होगा। ये कभी फैशन सर्किट से बाहर नहीं होते। यदि आप डेनिम जींस पहनने की शौकीन हैं, तो इसे नीचे से थोड़ा मोड़ दें। साथ में ऐसे जूते पहनें, जो सभी तरह के मौसम के लिए उपयुक्त हों।

प्रैग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती हैं, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है।

अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोंस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें स्किन केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

- प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी
- स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रैसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

- स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।
- डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।
- फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

- रोटी,ब्रेड,चावल,साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।
- दूध,पनीर,अंडे,छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।
- फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे हैं और वे खुद से बेटर पोजिशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती हैं। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।

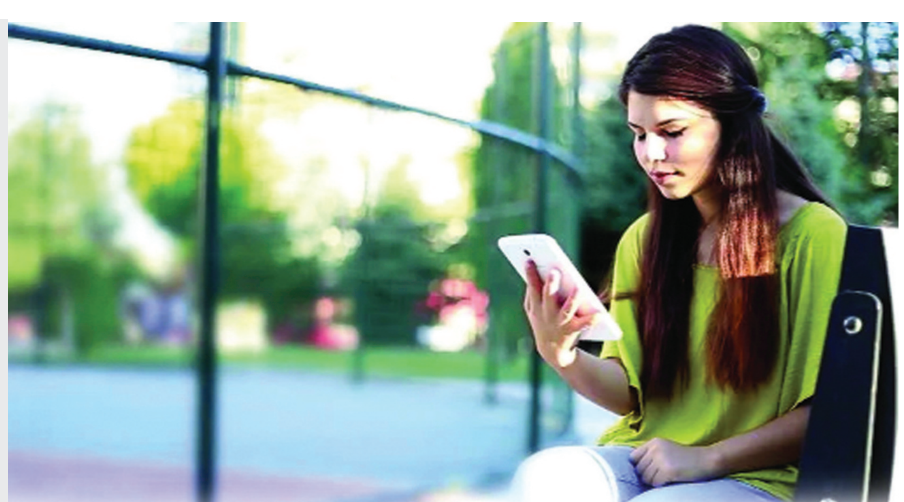

लड़का चाहिए खुद से सुपीरियर

मशहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नहीं मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती है। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक, इस कन्फ्यूजन के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते हैं। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फाइनैंशियल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नहीं होना चाहतीं, पूरी तरह से सच नहीं है। आज की महिलाएं भी बेहतर कैरियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नहीं सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल-सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे झट मान जाती हैं। इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ीं लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हाकिम बताती हैं, 'दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पातीं। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानूसी कहलाए जाने के डर से यह बात नहीं कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनैंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।' गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुईं, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े-लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े-लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी से वेस्टर्न कल्चर में ढल रहीं इंडियन मेट्रोज की महिलाएं भी इस राह पर हैं।

सोच का रहता है असर

हालांकि इस रिसर्च को लेकर महिलाओं की राय अलग-अलग है। जहां, कुछ इससे सहमत नजर आती हैं, वहीं कुछ को इसमें दम नजर नहीं आता। एक एचआर फर्म में बतौर हेड काम कर चुकीं श्रुति सिंह कहती हैं। 'मैंने लव मैरिज की और हाल में अपनी जॉब से रिजाइन दिया है। दरअसल, मेरे पति को पांच साल के लिए लंदन की एक आईटी कंपनी में जॉब मिली है और मैं उनके साथ जाना चाहती हूं। मेरा फैसला इमोशंस और जिम्मेदारी से लिया गया है। इसमें उनके पैकेज की बात कहीं नहीं है। फिर वहां जाने पर भी मैं पढ़ाई या जॉब कर सकती हूं।' वैसे, बैंक प्रोफेशनल निहारिका जोशी ऐसे मैच को बेस्ट ऑप्शन मानती हैं। उनका कहना है, 'जिंदगी में घर और ऑफिस की दुधारी तलवार पर लटकने से क्या मिलेगा? आपको घर की जिम्मेदारी तो निभानी ही होगी, तो अच्छा है कि ज्यादा पैकेज वाले पुरुष से शादी की जाए। इस तरह न तो बॉस की धौंस सहनी पड़ेगी और एक स्टैंडर्ड के घर का आराम भी मिलेगा।' इस बात का एक और पहलू मीडिया प्रोफेशनल गौरी कपूर सामने रखती हैं। वह कहती हैं, 'हर सफल पुरुष ऐसी बीवी चाहता है, जो अपने लेवल पर सफल हो। इसलिए महिलाओं से जुड़ी इस रिसर्च में मुझे खास दम नहीं लग रहा है।' गुड़गांव की एक फूड बेवरेज फर्म में काम करने वाले गौरव कपूर की बात से यंग जेनरेशन की अप्रोच एकदम क्लीयर हो जाती है। बकौल गौरव, 'मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से साफ कह दिया है कि जब तक मैं सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नहीं आ जाता, सेटल होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे उसे भी कोई ऐतराज नहीं है, क्योंकि उसकी फैमिली को भी तो ऊंची पोस्ट का दामाद पसंद आएगा।' उनका कहना है कि हाई सोसाइटी की तमाम महिलाएं अपने पार्टनर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक को इसी वजह से इग्नोर कर देती हैं।

....अब तो बदल जाओ

कालांतर से वर्तमान तक मानों आरोप-प्रत्यारोप ही इसकी जीवनी हो। सबने इसके आचरण पर दाग लगाए, यहां तो एक सामान्य स्त्री क्या सीता को भी नहीं बख्शा गया। वाह रे दुनिया! इसकी नियति में क्या है, यह एक प्रश्न ही रहेगा? इसने सबको इज्जत दिया, सम्मान दिया और बदले में इसे मिला क्या सिर्फ और सिर्फ बदनामी, अपमान, द्वेष, ईर्ष्या। आखिर ऐसा इसी के साथ ही क्यों? अपवाद को छोड़ दिया जाए, तो असल जिंदगी में लोग बेस्ट हाफ बनाना तो चाहते हैं पर बनना नहीं चाहते। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज। अरेंज मैरिज में लड़की अपने ससुराल वालों की शर्तों पर जिंदगी गुजारती होती है। बहू पढ़ी-लिखी और नौकरी वाली चाहिए, पर जिंदगी वह जीए ससुराल वालों के मुताबिक।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है...

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए।

अधिक मैसेज न करें

पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें

दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद

नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज

कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें

पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिढ़ भी सकती है।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 4.6 रही तीव्रता

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रविवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप सुबह 04:32 बजे आया। राहत की बात यह है कि अभी तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद स्थानीय प्रशासन अलर्ट हो गया है। पुलिस और राहत टीमें हालात पर नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, लेकिन सतर्क जरूर रहें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सूचना दें। कुछ दिन पहले दिल्ली-एनसीआर सहित देश के विभिन्न इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। डोडा में भूकंप के झटके महसूस करना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले 1 मार्च 2026 को भी यहां 4.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हालांकि उस समय भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था, लेकिन लोगों में दहशत फैल गई थी। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र स्थित हिंगोली जिले के कुछ हिस्सों में शनिवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई। इसके साथ ही पड़ोसी जिलों नांदेड़ और परभणी के भी कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। हिंगोली के जिलाधिकारी राहुल गुप्ता ने बताया कि पांगरा शिंदे गांव के कुछ हिस्सों में भूकंप का असर देखने को मिला है। यहां कुछ घरों और सामुदायिक केंद्रो की दीवारों में दरार देखने को मिली हैं। हालांकि किसी प्रकार की जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। वहीं, नादेड़ जिला अधिकारी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी गई थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी की एक रीडिंग का हवाला देते हुए कहा कि भूकंप शनिवार सुबह 8.45 बजे दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले की वसमत तहसील के शिरली गांव में भूमि से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था।

आरएसएस और भाजपा की विचारधारा संविधान को कमजोर करना चाहती है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को 'रन फॉर अंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टिट्यूशन' मैराथन की शुरुआत की। इस मैराथन का आयोजन कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान और उनकी सोच के प्रति जागरूक करना है। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि आज हम बीआर अंबेडकर को याद कर रहे हैं। उनका संदेश ही संविधान का संदेश था और यही संविधान हमारे लोकतंत्र की नींव है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा से जुड़े कुछ लोग अंबेडकर की सोच और भारतीय संविधान को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य संविधान को कमजोर करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि देश के सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार मिले। यह विचारधारा समानता के खिलाफ है और संविधान की मूल भावना को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य संविधान को बचाना, उसे और मजबूत बनाना और देश के हर कोने तक उसकी सोच और सुरक्षा पहुंचाना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत के हर हिस्से में संविधान की भावना को फैलाना बेहद जरूरी है, ताकि लोगों के अधिकार सुरक्षित रह सकें। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस मैराथन का आयोजन किया गया ताकि खासकर युवा पीढ़ी संविधान के महत्व को समझे और उसे मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी निभाए।

28 साल तक चाय-पानी पिलाया, अब जनता की सेवा करेंगे

मेहसाणा , एजेंसी। गुजरात के निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उसके लिए कोई छोटा या बड़ा नहीं है। पार्टी के लिए समर्पित किसी भी आदमी को चुनाव लड़ने का मौका मिल सकता है। बीजेपी ने 28 साल से पार्टी ऑफिस में चपरासी के तौर पर काम कर रहे 50 साल के रमेश भील को अपना उम्मीदवार बनाया है। रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात के मेहसाणा नगर निगम चुनावों में एक ऐसा कदम उठाया गया है, जो चर्चा का विषय बन गया है। भारतीय जनता पार्टी ने रमेश भील नाम के आदमी को टिकट दिया है। वह एक समर्पित कर्मचारी हैं और पिछले लगभग तीन दशकों से मेहसाणा जिला बीजेपी कार्यालय में चपरासी के तौर पर सेवा दे रहे हैं। रमेश भील ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके साथ ही वे पार्टी के एक 'बैक-एंड' कार्यकर्ता से वार्ड नंबर 13 के लिए एक 'फ्रंटलाइन' राजनीतिक उम्मीदवार बन गए। 50 साल के रमेश भील ने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। वह पिछले 28 सालों से जिला मुख्यालय में लगातार सक्रिय रहे हैं। यहां उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में कार्यालय का प्रबंधन करना और वरिष्ठ नेताओं तथा पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं को चाय-पानी पिलाना शामिल था। भील को चुनाव मैदान में उतारने के फैसले को पार्टी नेतृत्व की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

चुनाव आयोग की एक और ऑफिसर से तकरार, SIR के समय पर भिड़ गए महाराष्ट्र के सीईओ

मुंबई, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर अधिकारियों से टकराव की एक और खबर सामने आ रही है। हाल ही में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी अनुराग यादव के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी। ताजा जानकारी जो सामने आ रही है उसके मुताबिक, महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एस. चोकलिंगम ने पिछले साल नवंबर में ही आयोग को पत्र लिखकर आगाह किया था कि इस पूरी प्रक्रिया के लिए तय समय सीमा बहुत कम है। उन्होंने सुझाव दिया था कि जहां चुनाव सिर पर नहीं हैं, वहां इस काम को पर्याप्त समय लेकर पूरा किया जाना चाहिए। आपको बता दें कि हल ही में भारत निर्वाचन आयोग ने यूपी कैडर के 2000 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग यादव को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में चुनाव पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान हुई तीखी बहस के बाद यह कार्रवाई की गई थी। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ने अनुराग यादव से उनके विधानसभा क्षेत्र के पोलिंग स्टेशनों की संख्या पूछी थी। इसका जवाब उन्होंने देरी से दिया। इसके बाद दोनों के बीच बहस हुई। अनुराग यादव ने मुख्य चुनाव आयुक्त को जवाब देते हुए कहा कि वह भी 25 साल से सर्विस में हैं और उनसे इस तरह बात नहीं की जा सकती है। इसे

अनुशासनहीनता मानते हुए आयोग ने उन्हें पद से मुक्त कर दिया।

महाराष्ट्र ने क्यों जताई चिंता : इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र देश का दूसरा सबसे बड़ा मतदाता आधार वाला राज्य है, जहां 2024 के लोकसभा चुनावों में 9 करोड़ से अधिक मतदाता थे। राज्य के सीईओ ने अपने पत्र में 2001-02 के पुनरीक्षण अभियान का हवाला दिया था। उस समय महाराष्ट्र में यह प्रक्रिया 13 महीनों तक चली थी। अधिकारी का तर्क है कि मतदाता सूची से नाम हटाना एकमात्र उद्देश्य नहीं है, बल्कि सूची को शुद्ध और त्रुटिहीन बनाना है। इसके लिए दावों और आपत्तियों की सुनवाई के लिए पर्याप्त समय अनिवार्य है। महाराष्ट्र ने यह भी मुद्दा उठाया था कि वर्तमान डेटा को पुराने रिकॉर्ड (SIR 2002) के साथ मैप करना एक समय लेने वाली प्रक्रिया है, जिसकी गणना चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों में ठीक से नहीं की गई थी।

पश्चिम बंगाल में संकट, 89 लाख नाम हटे : निर्वाचन आयोग की इस जल्दबाजी का सबसे बुरा असर पश्चिम बंगाल में देखने को मिल रहा है। राज्य में लगभग 89 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। इनमें से करीब 27.1 लाख मतदाता ऐसे हैं जिनके नाम न्यायिक अधिकारियों द्वारा हटाए गए हैं, लेकिन उनके पास इस फैसले के खिलाफ अपील करने का समय ही नहीं बचा। 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले इन लाखों लोगों के पास अब अपने मताधिकार खोने का खतरा मंडरा रहा है। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल ने इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि हाल ही में एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्य चुनाव अधिकारी से मुलाकात की थी। सकपाल के अनुसार, 'हमने मांग की थी कि पुनरीक्षण प्रक्रिया को 2002 की तर्ज पर कम से कम 13 महीने का समय दिया जाए। अधिकारियों ने हमें आश्वस्त किया कि वे पहले ही केंद्रीय चुनाव आयोग को इस संबंध में पत्र लिखकर जल्दबाजी न करने का अनुरोध कर चुके हैं।

क्या है चुनाव आयोग का पक्ष : हालांकि निर्वाचन आयोग ने आधिकारिक तौर पर इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन आयोग के सूत्रों का कहना है कि महाराष्ट्र सहित कई राज्यों में मौजूदा डेटा की मैपिंग का काम शुरू हो चुका है। चूंकि आगामी महीनों में जनगणना का काम भी शुरू होना है, जिसमें वही सरकारी कर्मचारी और शिक्षक शामिल होंगे जो चुनाव ड्यूटी करते हैं, इसलिए पुनरीक्षण प्रक्रिया में और देरी हो सकती है।

नागपुर पहुंचे रणवीर सिंह, मोहन भागवत से की मुलाकात

नागपुर, एजेंसी। हाल ही में आई धुरंधर-2 की सक्सेस के बाद बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह नागपुर पहुंचे। यहां उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से भी मुलाकात की। इसके अलावा, रणवीर सिंह ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक के.बी. हेडगेवार और उनके उत्तराधिकारी एम.एस. गोलवलकर के स्मारकों पर श्रद्धांजलि अर्पित की। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों ने बताया कि 'धुरंधर' एक्टर रेशिमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर गए और आरएसएस के संस्थापक तथा दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर को श्रद्धांजलि दी, जिनके स्मारक इसी परिसर में स्थित हैं। इस दौरे के दौरान, RSS के प्रतिनिधियों ने रणवीर सिंह को इस हिंदुत्व संगठन के पहले दो प्रमुखों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी और डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर के इतिहास तथा महत्व के बारे में भी बताया। वहीं, 'द टेलीग्राफ' की एक रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर ने ऋरू-प्रमुख मोहन भागवत से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने रणवीर की फिल्म पर चर्चा की और संगठन की विभिन्न गतिविधियों तथा सेवा कार्यों के बारे में भी बातचीत की। रणवीर के चारों ओर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। एयरपोर्ट से निकलते समय सफेद कुर्ते में उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं।

गुरुग्राम को 'नायाब' सौगात: शहर में खुलेंगे 4 नए अस्पताल, मेडिकल कॉलेज में 33% सीटें रिजर्व

गुरुग्राम , एजेंसी। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए हरियाणा सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गुरुग्राम में विभिन्न स्थानों पर 100 से 150 बेड की क्षमता वाले चार अतिरिक्त अस्पताल इसी तर्ज पर खोलने के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। मुख्यमंत्री का यह निर्देश न केवल शहर के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री सैनी ने यह महत्वपूर्ण निर्देश गुरुग्राम में निर्माणाधीन शीतला माता देवी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक के दौरान दिए। यह परियोजना सहकारी संघवाद और स्थानीय निकायों के आपसी सहयोग का अनूठा उदाहरण है। इसका इंफ्रास्ट्रक्चर जीएमडीए का 50 फीसदी, नगर निगम गुरुग्राम का 45 फीसदी और श्री माता शीतला देवी श्राइन बोर्ड पांच फीसदी के वित्तीय सहयोग से तैयार हो रहा है।

आयुष्मान के लाभार्थियों को प्राथमिकता : बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल के आरक्षित बेड पर आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य केवल

बिल्डिंग खड़ी करना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ऐसी सेवाएं देना है जो गुरुग्राम को वैश्विक स्वास्थ्य मानचित्र पर स्थापित करें। मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बैठक में प्रोजेक्ट की बारीकियों को साझा किया।

आरक्षण और किफायती शिक्षा पर जोर : मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्णय लेते हुए निर्देश दिए कि गुरुग्राम के सेक्टर-102ए खेड़की माजरा में बन रहे इस अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज की 150 एमबीबीएस सीटों और 850 बेडों में से 33-33 प्रतिशत हिस्सा हरियाणा के विद्यार्थियों और स्थानीय निवासियों के लिए आरक्षित किया जाए। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि आरक्षित सीटों पर फीस अन्य सरकारी मेडिकल कॉलेजों के समान ही रखी जाएगी, जिससे राज्य के मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से सामान्य परिवारों के छात्रों को चिकित्सा शिक्षा के लिए भारी-भरकम फीस नहीं भरनी होगी।

दूरदराज के इलाकों में ड्रोन से पहुंचाई जाएगी दवा, इस राज्य सरकार ने शुरू की खास पहल

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश सरकार ने दूरदराज के आदिवासी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए अनोखी पहल शुरू की है। अल्लूरी सीतारामा राजू जिले के सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में ड्रोन के जरिए दवाइयों और चिकित्सा सामग्री की डिलीवरी का कार्यक्रम शुरू किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने जिला प्रशासन, रीयल टाइम गवर्नेंस सिस्टम और अमेरिका स्थित यूपीएस फाउंडेशन की ओर से समर्थित टेक्नोलॉजी पार्टनर रेडविंग के साथ मिलकर यह प्रोजेक्ट लागू किया है।

इस पहल का मकसद अंतिम छोर तक डायग्नोस्टिक सैंपल, जरूरी दवाइयां और अन्य चिकित्सा आपूर्ति पहुंचाना है। पादेरू मेडिकल कॉलेज और गवर्नमेंट जनरल अस्पताल (तत॥) को छोटे स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़कर ड्रोन के माध्यम से सैंपल भेजे और दवाइयां लाई जा रही हैं। इससे पहाड़ी और जंगली इलाकों में सड़क मार्ग से होने वाली देरी समाप्त हो गई है।

बड़े इलाके को किया जा रहा कवर : अब तक इस ड्रोन डिलीवरी पहल ने 1,000 उड़ानें पूरी कर ली हैं। इन उड़ानों में कुल 40,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की गई और 25,000 से ज्यादा चिकित्सा उत्पादों को हवाई मार्ग से पहुंचाया गया। प्रत्येक ड्रोन लगभग दो किलोग्राम पेलोड ले जाने में सक्षम है और कोल्ड चेन सुविधा से लैस है, जिससे दवाइयों और ब्लड यूनिट की गुणवत्ता बरकरार रहती है।

यह इनोवेटिव कदम आदिवासी समुदायों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। सड़कों की कमी और दुर्गम भूगोल वाले क्षेत्रों में ड्रोन स्वास्थ्य सेवाओं को तेज, सुरक्षित और प्रभावी बनाते हैं। सरकार का लक्ष्य है कि भविष्य में इस मॉडल को अन्य जिलों में भी विस्तार दिया जाए, ताकि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं और मजबूत हों। इस पहल से मरीजों को समय पर इलाज मिलना आसान हो जाएगा।

खाप पंचायतों के तुगलकी फरमानों पर राजस्थान हाई कोर्ट की रोक

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान हाईकोर्ट ने खाप पंचायतों के मनमाने फरमानों को असंवैधानिक और कानून के राज के लिए बड़ा खतरा बताते हुए इन पर रोक लगा दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सामाजिक बहिष्कार, 'हुक्का-पानी बंद' करना और भारी जुर्माना लगाना मौलिक अधिकारों तथा मानवीय गरिमा का उल्लंघन है। अदालत ने इन जातिगत मंचों को एक अवैध समानांतर न्यायिक प्रणाली माना है। इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए अदालत ने राज्य सरकार को एक प्रभावी नीति और एसओपी बनाने का निर्देश दिया है। साथ ही हर जिले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के आदेश दिए गए हैं ताकि जिला कलेक्टर और पुलिस प्रशासन ऐसी शिकायतों का समय पर निवारण कर सकें।

सामाजिक बहिष्कार असंवैधानिक : राजस्थान हाईकोर्ट की जस्टिस फरजंद अली की बेंच ने अवैध जाति और खाप पंचायतों को कड़ी फटकार लगाते

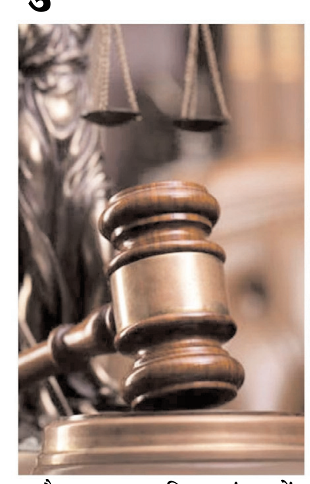

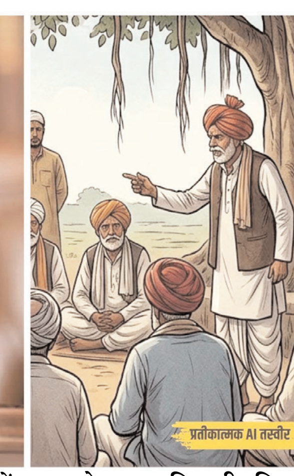

हुए फैसला सुनाया कि इन पंचायतों द्वारा सामाजिक बहिष्कार और आर्थिक जुर्माना लगाना पूरी तरह असंवैधानिक है। ऐसे फरमान कानून के शासन को कमजोर करते हैं और यह एक गंभीर सामाजिक समस्या है। अदालत ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिया कि वह सामाजिक बहिष्कार की शिकायतों को रोकने के लिए एक स्पष्ट नीति और एसओपी तैयार करे।

नोडल अधिकारी नियुक्त करने के आदेश : इसके अलावा अदालत ने आदेश दिया कि प्रत्येक जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए जो जिला कलेक्टर और पुलिस प्रमुख की देखरेख में शिकायतों को सुलझाए। अदालत उन 11 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें सिरोही, बाड़मेर, नागौर, बालोतरा, जालोर और जोधपुर जैसे जिलों में जबरदस्ती और सामाजिक बहिष्कार की घटनाओं के बारे में बताया गया था। याचिकाकर्ताओं ने गुहार लगाई थी कि शिकायतें करने के बाद भी अधिकारी ऐसी संस्थाओं के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में विफल रहते हैं।

हुक्का-पानी बंद करने से अलग-थलग पड़ जाते हैं परिवार : अदालत ने कहा कि बार-बार सामने आ रहे ऐसे मामलों को देखते हुए ये जातिगत मंच एक समानांतर न्यायिक प्रणाली की तरह काम करते हैं। खाप पंचायतें बिना किसी कानूनी अधिकार के आदेश जारी करती हैं। किसी व्यक्ति का हुक्का-पानी बंद करने जैसे फरमान लोगों और परिवारों को समाज से अलग-थलग कर देते हैं। ऐसी प्रथाएं इंसान की गरिमा को चोट पहुंचाती हैं। ये प्रथाएं समानता, आजादी और जीवन के अधिकार जैसे संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करती हैं। यह फैसला अदालत द्वारा नियुक्त एक समिति की रिपोर्ट पर आधारित है।

अभिषेक मनु सिंघवी को हिमाचल हाईकोर्ट से झटका

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने वरिष्ठ वकील और कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें हर्ष महाजन के राज्यसभा निर्वाचन को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका में प्रस्तावित गवाहों के नाम हटाने की मांग की गई थी। जस्टिस वीरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को यह आदेश वर्ष 2024 की चुनाव याचिका के संदर्भ में पारित किया, जिसमें सिंघवी ने हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के लिए महाजन के निर्वाचन को चुनौती दी थी। सिंघवी ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 87(1) के तहत एक आवेदन दायर कर प्रतिवादी द्वारा सूचीबद्ध गवाहों के नाम काटने का अनुरोध किया था। उन्होंने तर्क दिया था कि कई गवाहों, विशेष रूप से क्रम संख्या 2 से 14 तक के नामों को शामिल करना अनावश्यक

और अस्पष्ट है, जिसका एकमात्र उद्देश्य कार्यवाही में विलंब करना है।

सिंघवी का क्या था तर्क : याचिकाकर्ता का तर्क था कि प्रतिवादी ने 18 गवाहों के नाम प्रस्तावित किए हैं, जिनमें से कई उनके अनुसार कोर्ट द्वारा निर्धारित मुद्दों के लिए अप्रासंगिक थे। यह भी बताया गया कि गवाहों की सूची निर्धारित समय सीमा के बाद दाखिल की गई थी और उनका ट्रायल याचिकाकर्ता के हितों को प्रभावित करेगा तथा चुनावी विवाद के निपटारे में देरी करेगा।

याचिका गलत धारणा पर आधारित : हर्ष महाजन : हालांकि, प्रतिवादी हर्ष महाजन की तरफ से इस दलील का विरोध करते हुए कहा गया कि यह आवेदन गलत धारणा पर आधारित है और इसका उद्देश्य उन्हें निष्पक्ष न्याय के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रस्तुत करने से रोकना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन प्रक्रिया की वैधता, विशेष रूप से मतों की गिनती के दौरान अपनाई गई प्रक्रिया और मत बराबर होने की स्थिति से निपटने के तरीके को सिद्ध करने के लिए ये गवाह आवश्यक हैं।

साक्ष्य प्रस्तुत करने का वैधानिक अधिकार : हाईकोर्ट : कोर्ट ने रिकॉर्ड और दलीलों की जांच के बाद पाया कि मुख्य मुद्दों, विशेष रूप से सहमति, प्रक्रिया और याचिका की स्वीकार्यता से संबंधित प्रमाण प्रस्तुत करने का भार प्रतिवादी पर है। हाईकोर्ट ने माना कि प्रतिवादी के पास अपने बचाव के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने का वैधानिक अधिकार है और पर्याप्त आधार के बिना ऐसे अधिकार में कटौती नहीं की जा सकती। जस्टिस वीरेंद्र सिंह ने उल्लेख किया कि याचिकाकर्ता यह साबित करने में विफल रहे कि प्रस्तावित गवाह किस प्रकार निरर्थक या परेशान करने वाले थे। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि साक्ष्यों के बिना केवल विलंब करने की रणनीति का आरोप लगाना, गवाहों के नाम हटाने के लिए पर्याप्त नहीं है। बेंच ने आगे कहा कि गवाहों के ट्रायल का उद्देश्य प्रतिवादी द्वारा प्रस्तुत सूची में स्पष्ट रूप से बताया गया है और अधिकांश गवाह निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े हैं।

देश में पहली बार फ्लोटिंग जंक्शन, 'तैरती' नजर आएगी ट्रेन!

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में पहली बार रेलवे प्रोजेक्ट के लिए फ्लोटिंग जंक्शन तैयार किया जा रहा है। उत्तराखंड की महत्वाकांक्षी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना अब इंजीनियरिंग के नए मानक गढ़ रही है। दुर्गम हिमालयी पहाड़ियों के नीचे बन रही यह रेल लाइन सिर्फ कनेक्टिविटी ही नहीं, बल्कि अत्याधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल के कारण वैश्विक स्तर पर भी चर्चा में है। इस खास तकनीक के तहत आपको ट्रेन हिमालयी पहाड़ियों पर 'फ्लोटिंग' यानी 'तैरती' दिखेंगी। परियोजना के तहत ब्यासी-देवप्रयाग सेक्शन में देश का पहला 'फ्लोटिंग रेल टनल जंक्शन' बनाया जा रहा है। यह जंक्शन इसलिए खास है क्योंकि इसे पारंपरिक ठोस चट्टानों पर नहीं, बल्कि बेहद कमजोर और चूरे जैसी मिट्टी वाले क्षेत्र में तैयार किया जा रहा है।

क्यों खास है यह फ्लोटिंग टनल जंक्शन : परियोजना के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) और सिविल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ ओमप्रकाश मालगुड़ी के मुताबिक, आमतौर पर रेलवे टनल के अंदर जंक्शन मजबूत चट्टानों पर बनाए जाते हैं। लेकिन इस रूट पर मेन सेंट्रल थ्रस्ट (स्ष्टञ्ज) का ऐसा जोन मिला है, जहां जमीन बेहद कमजोर है। ऐसे में यहां 'डबल-आर्क सिस्मिक आइसोलेशन' तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो भारत में पहली बार लागू हो रही है। इस तकनीक की मदद से टनल जंक्शन 'फ्लोट' यानी लचीले ढांचे की तरह व्यवहार करेगा, जिससे भूकंपीय जोखिम कम होगा। इस परियोजना की सबसे बड़ी खासियत इसकी भूकंप-रोधी डिजाइन है। टनल को इस तरह बनाया जा रहा है कि वह शॉक एब्जॉर्बर की तरह काम करे। भूकंप आने पर सुरंग हल्की सी खिसककर फिर अपनी जगह पर लौट आएगी। इससे संरचना को गंभीर नुकसान होने की संभावना बेहद कम हो जाएगी सुरक्षा के लिहाज से सुरंग में रॉक मॉनिटरिंग सिस्टम लगाया जा रहा है। टनल की दीवार में अगर 1 मिलीमीटर का भी बदलाव होता है तो तुरंत ऋषिकेश स्थित कंट्रोल रूम में अलार्म बज जाएगा। इससे किसी भी खतरे को समय रहते पहचानकर कार्रवाई की जा सकेगी। तेज रफ्तार ट्रेनों में टनल के अंदर हवा का दबाव अचानक बढ़ जाता है, जिससे यात्रियों को असहजता हो सकती है। इस समस्या से निपटने के लिए एयर कुशन तकनीक लगाई जा रही है। यह तकनीक स्विट्जरलैंड की मशहूर गोथर्ड बेस टनल से प्रेरित है। इससे ट्रेन के गुजरने पर बनने वाले वायु दबाव को नियंत्रित किया जाएगा।

यूपी की कई वीआईपी सीटों का गुणा-गणित बदला, शहरी वोटर ज्यादा कटे

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 2.04 करोड़ कटने के बाद राजनीतिक दलों में खासी बेचैनी बताई जा रही है। जानकारों से कहना है कि एसआईआर में सर्वाधिक वोट शहरी क्षेत्रों के कटे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़े हैं। शहरी वोट हमेशा से भाजपा के रहे हैं। वोट कटने के बाद कई वीआईपी सीटों का भी गुणा-गणित बदल गया है। लखनऊ कैंट का ही उदाहरण लें तो यहां सर्वाधिक 124962 वोट कटे हैं। इसीलिए विधानसभा चुनाव के समय टिकट बंटवारे से लेकर जातीय समीकरण के लिए राजनीतिक दलों को नए सिरे से समीकरण बैठाना पड़ सकता है। वे अभी से इसकी रणनीति बनाने में जुट भी गए हैं।

बड़े शहरों में खूब कटे वोट : एसआईआर के आंकड़े बता रहे हैं कि मुस्लिमों समुदाय के अधिकतर लोग अपना वोट बचाने में सफल रहे हैं। मतदाता सूची के आंकड़ों को देखें तो लखनऊ कैंट 34.18, इलाहाबाद उत्तरी 34.01, लखनऊ पश्चिम 31.01, लखनऊ पश्चिम 31, आगरा कैंट 30.47, लखनऊ मध्य 30.36, मेरठ कैंट 27.29, कानपुर कैंट 26.59, बरेली 25.68 फीसदी वोट कटे हैं। नोएडा जैसी सीट पर 23.85 प्रतिशत वोट कटे हैं। ये सभी भाजपा की प्रभाव वाली सीटें हैं। इनमें से अधिकतर सीटें वीआईपी हैं।

भाजपा आशांवित : शहरी क्षेत्रों में मतदाता घटने से पार्टी थोड़ी चिंतित तो है मगर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन तक वोटरों की बढ़ी हुई संख्या को लेकर पार्टी आशान्वित है। इसमें सरकार और संगठन दोनों ने अंतिम समय पर पूरी ताकत झोंकी। पार्टी के एक प्रदेश स्तरीय नेता का कहना है कि यह मानना पूरी तरह गलत है कि सिर्फ हिंदुओं के वोट ज्यादा कटे हैं। उनका तर्क है कि यदि ऐसा होता तो सपा और कांग्रेस एसआईआर को कोस न रहे होते।

सपा ने चार लोगों की टीम बनाई : बसपा कटे हुए वोटों को लेकर बूथ, जिला

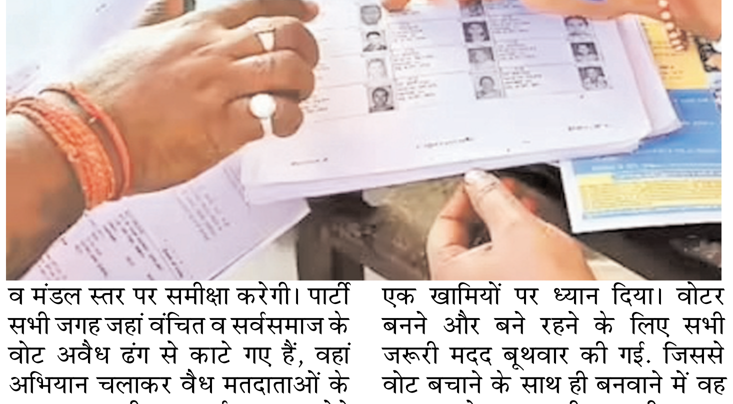

व मंडल स्तर पर समीक्षा करेगी। पार्टी सभी जगह जहां वंचित व सर्वसमाज के वोट अवैध ढंग से काटे गए हैं, वहां अभियान चलाकर वैध मतदाताओं के नाम जुड़वाएगी। एसआईआर शुरू होने के साथ समाजवादी पार्टी ने चार लोगो की एक टीम बनाई। उसने बिहार एसआईआर का अध्ययन कर एक-एक खामियों पर ध्यान दिया। वोटर बनने और बने रहने के लिए सभी जरूरी मदद बूथवार की गई. जिससे वोट बचाने के साथ ही बनवाने में वह सफल रहे। सपा की यह टीम अब अंतिम मतदाता सूची का अध्ययन कर रही है। इसकी खामियों को देखा जा रहा है। इसके आधार पर गलत वोट कटने को ठीक कराने और छूटे लोगों का नाम शामिल कराने का होगा।

यूपी की नई मतदाता सूची में 6.40 करोड़ युवा मतदाता : यूपी में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की अंतिम मतदाता सूची में सर्वाधिक 30 से 39 आयुवर्ग के 3.60 करोड़ लोग हैं। दूसरे नंबर पर 20 से 29 आयु के 2.62 करोड़ मतदाता हैं। वोटर लिस्ट में सर्वाधिक युवा मतदाता हैं। अब अगर मतदाता सूची में 18 वर्ष से लेकर 39 वर्ष की उम्र वाले लोग जो युवा श्रेणी में आते हैं उनकी संख्या देखी जाए तो वह कुल 6.40 करोड़ है। यानी युवाओं की संख्या मतदाता सूची में 47.7 प्रतिशत है। फिलहाल मतदाता सूची के हिसाब से युवा मतदाता फिर एक बार निर्णायिक साबित होंगे। इनकी संख्या सूची में सर्वाधिक है। अधेड़ आयु के लोग जिसमें 40 वर्ष से लेकर 59 वर्ष की उम्र के 4.92 करोड़ मतदाता हैं। यह कुल वोटरों का 36.7 प्रतिशत है।

65 से बढ़कर 3330 पर पहुंचा शेयर, 5 साल में निवेशकों की बदली किस्मत

नईदिल्ली, एजेंसी। कोरोना के दौर में कुछ शेयरों ने चौंकाने वाला रिटर्न दिया। ऐसा ही एक शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का है। इस शेयर से सिर्फ पांच साल में निवेशकों को 4900 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला।

शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक हैं जिन्होंने कम समय में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। खासतौर पर कोरोना के दौर में कुछ शेयरों ने चौंकाने वाला रिटर्न दिया। ऐसा ही एक शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का है। इस कंपनी के शेयर की कीमत पांच साल पहले 65 से बढ़कर 3330 हो गई। इस तरह, सिर्फ पांच साल में निवेशकों को 4900 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला। अगर रकम के हिसाब से देखें तो साल 2021 में किया गया 1 लाख का निवेश बढ़कर लगभग 50 लाख के आसपास हो गया होगा।

बीएसई को लेकर नया अपडेट

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को सेबी से फोकस्ड इंडेक्स पर डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट लॉन्च करने की मंजूरी मिली है। यह डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अपने उत्पादों की चेन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। बीएसई फोकस्ड आइटी इंडेक्स, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सेक्टर की 14 कंपनियों के परफॉर्मेंस को ट्रैक करता है, जिससे निवेशकों को इस सेक्टर के लिए एक खास बेंचमार्क मिलता है। एक्सचेंज के मुताबिक लॉन्च की टाइमलाइन और कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी खास बातों के बारे में और जानकारी अलग-अलग सर्कुलर के जरिए दी जाएगी।

वर्तमान में शेयर का हाल- बीएसई के शेयर अपनी पिछली क्लोजिंग 3,257.40 रुपये के मुकाबले 3,310 रुपये पर खुले और 3,330 रुपये तक पहुंच गए। इस दौरान शेयर 3,234 रुपये के लो पर भी आया। शेयर की क्लोजिंग 3,281.20 रुपये पर हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने बीते 9 फरवरी को एफवाय26 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस तिमाही में मुनाफा 601.81 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बताए गए 219.67 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट से 174 प्रतिशत की साल-दर-साल बढ़ोतरी है। इस बीच, तिमाही के दौरान कंपनी का ऑपरेशन से रेवेन्यू लगभग 62 प्रतिशत वायओवाय बढ़कर 1,244.10 करोड़ रुपये हो गया। यह भारत के सबसे पुराने और सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंजों में से एक है, जिसकी स्थापना 1875 में हुई थी। यह इक्विटी, डेरिवेटिव और डेट सिक्योरिटीज जैसे अलग-अलग फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स में ट्रेडिंग के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रोवाइड करके भारतीय कैपिटल मार्केट में एक अहम भूमिका निभाता है। यह अपने मजबूत तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जाना जाता है और इसने ऑन-लाइन ट्रेडिंग सिस्टम जैसे इनोवेशन की शुरुआत की है। म्यूचुअल फंड उद्योग में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये

● अब 44 लाख रुपये से ज्यादा हो गए

नईदिल्ली, एजेंसी। गोल्ड और टाइटन के पिछले 16 साल के रिटर्न की बात करें तो टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये अब 44 लाख रुपये से ज्यादा हो गए हैं। वहीं, 1 लाख रुपये से खरीदे गए गोल्ड के दाम अब 8 लाख रुपये के ऊपर पहुंच गए हैं। गोल्ड को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक माना जाता है।

निवेशकों को मालामाल करने के मामले में भी गोल्ड का कोई जवाब नहीं है।

हालांकि, अगर आप जोखिम उठा सकते हैं तो मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों के शेयरों में भी आपको छप्परफाड़ रिटर्न मिल सकता है।

हमने गोल्ड और शेयर के रिटर्न की एक तुलना करने की कोशिश की है। हालांकि, दोनों बिल्कुल अलग-अलग निवेश विकल्प हैं

और दोनों के अपने नफा-नुकसान हैं। हमने गोल्ड और ज्वैलरी बिजनेस से जुड़ी टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयरों में 1-1 लाख रुपये के निवेश के आधार पर कैलकुलेशन किया है। निवेश की अवधि हमने 16 साल रखी है तो आइए जानते हैं कि गोल्ड और टाटा ग्रुप के स्टॉक टाइटन, किसने निवेशकों को ज्यादा रिटर्न दिया।

टाइटन ने जून 2011 में अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया।

साथ ही, टाइटन ने जून 2011 में ही 10:1 के रेशियो में अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) किया।

बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट जोड़ लें तो शेयरों की कुल संख्या 960 पहुंच जाती है। टाइटन के शेयर शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 को में 4,505 रुपये पर बंद हुए हैं। इस हिसाब से 960 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 44.86 लाख रुपये होती है।

गोल्ड में लगाए गए 1 लाख रुपये अब बन गए 8 लाख रुपये से ज्यादा

गोल्ड ने भी अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है। पिछले दिनों ही गोल्ड के दाम 1,75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गए थे। अगर 16 साल पहले गोल्ड में लगाए गए 1 लाख रुपये का कैलकुलेशन देखें तो अप्रैल 2010 में 24 कैरेट गोल्ड का रेट 18,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था।

टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये

अब बने 44 लाख से ज्यादा टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयर 20 अप्रैल 2010 को 2046.10 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 20 अप्रैल 2010 को टाइटन के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसे कंपनी के 48 शेयर मिलते।

सैलरी से लेकर पेंशन तक पर होगी बात

8वें वेतन आयोग के लिए सोमवार को बड़ी बैठक

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए 13 अप्रैल की तारीख काफी अहम है। इस दिन आठवें वेतन आयोग के लिए अपना मेमोरेंडम फाइनल किया जाएगा। इसके लिए नेशनल काउंसिल ऑफ जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी की अहम बैठक होने वाली है। यह बैठक इसलिए अहम है क्योंकि कर्मचारियों के प्रतिनिधि सैलरी, पेंशन और सेवा शर्तों से जुड़ी अपनी मांगों को एक साझा मेमोरेंडम में इकट्ठा कर रहे हैं, जिसे 8वें वेतन आयोग को सौंपा जाएगा।ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन के सी. श्रीकुमार ने इकोनॉमिक टाइम्स को बताया कि 13 अप्रैल की बैठक में संभवतः एक साझा ज्ञापन को अंतिम रूप दिया जाएगा। रेलवे, रक्षा और अन्य क्षेत्रों के कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ मिलकर इस बैठक में अपने प्रस्तावों पर चर्चा करेगा और उन्हें अंतिम रूप देगा। फिटमेंट फैक्टर की होगी बड़ी भूमिका

आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों में फिटमेंट फैक्टर की बड़ी भूमिका होगी। इसका इस्तेमाल सरकारी कर्मचारियों की सैलरी, पेंशन और भत्तों को रिवाइज करने के लिए किया जाता

है। केंद्रीय कर्मचारियों का सैलरी स्ट्रक्चर अभी 7वें वेतन आयोग के फिटमेंट फैक्टर पर आधारित है, जिसे 2016 में लागू किया गया था। आयोग ने 2.57 का फिटमेंट फैक्टर इस्तेमाल किया था। आठवें वेतन आयोग में कुछ कर्मचारी समूह 3.15 के फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रहे हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने संसद में कहा था कि 8वां वेतन आयोग केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों पर अपनी सिफारिशें देगा।

वेतन आयोग की 24 अप्रैल को बैठक

वेतन आयोग की बैठक 24 अप्रैल, 2026 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में होगी। 8वें वेतन आयोग ने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, संगठनों, यूनियनों और अन्य हितधारकों से वेतन, पेंशन, भत्ते और नौकरी से संबंधित अन्य मामलों के संबंध में सुझाव और अभ्यावेदन आमंत्रित किए हैं।

12 मार्च को भी हुई थी बैठक

बता दें कि 13 अप्रैल की यह बैठक 12 मार्च को हुई पिछली चर्चाओं के बाद हो रही है। इस बैठक में ड्राफ्टिंग कमिटी के सदस्यों ने संयुक्त ज्ञापन में शामिल किए जाने वाले मुख्य प्रस्तावों पर चर्चा की थी। वहीं, एनसी-जेसीएम (स्टाफ साइड) के सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने 1 अप्रैल के एक पत्र में आयोग से आग्रह किया था कि अंतिम प्रस्ताव जमा करने से पहले, वह अपनी प्रश्नावली में नौ अतिरिक्त बिंदुओं पर विचार करे।.

डीए ऐलान के बाद भी 4 महीने का एरियर केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी पर बड़ा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर केंद्र सरकार मार्च के महीने में होली के आसपास डीए बढ़ोतरी का ऐलान कर देती है। यह साल की पहली छमाही के लिए लागू होता है।अप्रैल महीने के 10 दिन से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन अब तक कर्मचारियों के डीए बढ़ोतरी का ऐलान नहीं हुआ। केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता यानी डीए में इजाफे का इंतजार बढ़ता जा रहा है। अप्रैल महीने के 10 दिन से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन अब तक कर्मचारियों के डीए बढ़ोतरी का ऐलान नहीं हुआ। इस देरी की वजह से अब केंद्रीय कर्मचारियों की अप्रैल की सैलरी पर भी असर पड़ने की आशंका है। आइए समझते हैं पूरा मामला।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स इस बात से सहमत हैं कि पिछले सालों के मुकाबले इस बार डीए में थोड़ी देरी हुई है। अधिल शेट्टी ने मनीकंट्रोल से इसकी वजह बताते हुए कहा- यह शायद एडमिनिस्ट्रेटिव सीक्वेंसिंग और 8वें फ्रेमवर्क की ओर बदलाव की वजह से है, जिसके लिए अपडेटेड पे स्ट्रक्चर और महंगाई के डेटा के बीच तालमेल जरूरी होता है।

क्या है मामला

आमतौर पर केंद्र सरकार मार्च के महीने में होली के आसपास डीए बढ़ोतरी का ऐलान कर देती है। यह साल की पहली छमाही के लिए लागू होता है। मार्च महीने में डीए ऐलान के बाद कर्मचारियों की अगले महीने सैलरी बढ़कर आती है। इसमें जनवरी, फरवरी महीने का एरियर भी जुड़ा रहता है। हालांकि, इस बार भत्ते में देरी से अब केंद्रीय कर्मचारियों को मई महीने का इंतजार करना पड़ सकता है।

दरअसल, केंद्र सरकार के कई ऐसे भी विभाग हैं जहां सैलरी कैल्कुलेशन 15 से 15 तारीख का चलता है। मतलब ये कि जो सैलरी बनती है वो पिछले महीने की 15 तारीख से चालू महीने की 15 तारीख तक की होती है। अगर डीए के ऐलान में देरी होती है तो यह संभव है कि केंद्रीय कर्मचारियों की मई की सैलरी ।

आपूर्ति का भरोसा दिलाया और ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल की अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नागरिकों को भरोसा दिलाया है कि पूरे देश में एलपीजी की आपूर्ति स्थिर और पर्याप्त है। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे घबराहट में ज़्यादा खरीदारी न करें और ज़िम्मेदारी के साथ एलपीजी का इस्तेमाल करते रहें। मौजूदा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मज़बूती का ज़िक्र करते हुए, मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी की उपलब्धता पर निगरानी रखी जा रही है और इसका प्रबन्धन किया जा रहा है, ताकि देश भर के परिवारों तक बिना किसी रुकावट के एलपीजी पहुँचती रहे। मंत्रालय ने एलपीजी बुकिंग के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल पर भी ज़ोर दिया। अब लगभग 95 फीसदी उपभोक्ता आईवीआरएस, एसएमएस, व्हॉट्सऐप और मोबाइल ऐप के ज़रिए बुकिंग करते हैं। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे इन आसान और प्रभावी डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल करते रहें, ताकि डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर भीड़ न लगे और उन्हें बिना किसी रुकावट के सेवा मिलती रहे।

सैमसंग के और गैलेक्सी डिवाइसेस पर मिलेगा वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग अपने वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम का विस्तार और अधिक गैलेक्सी डिवाइसों तक कर रहा है। मार्च में वन यूआई 8.5 बीटा के विस्तार के बाद, अब यह प्रोग्राम गैलेक्सी एस23 सीरीज़, गैलेक्सी जेड फोल्ड5, गैलेक्सी जेड फ्लिप5, गैलेक्सी एस23 स्नश्च और पहली बार ए-सीरीज़ के गैलेक्सी ए36 5जी सहित अन्य डिवाइसेस के लिए जारी किया जा रहा है। यह बीटा प्रोग्राम भारत, कोरिया, यूके और अमेरिका जैसे चुनिंदा बाजारों में चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होगा। एंड्रॉइड के साथ अपने निरंतर सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग वन यूआई 8.5 बीटा पर क्विक शेयर के माध्यम से एयरड्रॉप के लिए सपोर्ट पेश कर रहा है, जिससे गैलेक्सी एस25 सीरीज़, गैलेक्सी एस24 सीरीज़, गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सीजेड जेड फ्लिप7, गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 जैसे चुनिंदा डिवाइसेस के उपयोगकर्ताओं के लिए क्रॉस-प्लेटफॉर्म फाइल शेयरिंग अधिक सुगम हो जाएगी। बीटा प्रोग्राम का विस्तार इस महीने के अंत में अन्य गैलेक्सी डिवाइसेस तक भी जारी रहेगा और इच्छुक उपयोगकर्ता सैमसंग मेंबर्स ऐप के माध्यम से इसके लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

सैमसंग ने भारत में टॉप माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर्स तक बढ़ाया अपना बीस्पोक एआई लाइन-अप

● बिजली की बचत ● ताज़गी और सुविधा के लिए इसमें है एआई एनर्जी मोड ● फ्लैट डोर डिज़ाइन और एडवांस कूलिंग

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने बीस्पोक एआई टॉप-माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर लाइन-अप के विस्तार की घोषणा की है। यह नई रेंज भारतीय घरों में समझदारी भरी बिजली बचत और आधुनिक लुक लाने के लिए तैयार की गई है। शानदार बीस्पोकडिज़ाइन वाले इन रेफ्रिजरेटर्स में एडवांस एआई फीचर्स, स्मार्ट कनेक्टिविटी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस काबेहतरीन मेल है।

रेफ्रिजरेटर्स की इस नई रेंज में 256 लीटर और 236 लीटर की क्षमता वाले चुनिंदा मॉडल्स वाई-

फाईकनेक्टिविटी के साथ आते हैं, ताकि इन्हें स्मार्टथिंग्स ऐप के ज़रिए स्मार्टफोन से आसानी से कंट्रोल और मॉनिटरकिया जा सके। इन मॉडल्स में स्टाइलिश फ्लैट-डोर डिज़ाइन के साथ-साथ तुरंत कूलिंग के लिए पावर कूल और पावर फ्रीज़ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इंडस्ट्री के बेहतरीन मानकों के साथ, ये रेफ्रिजरेटर्स बिजली बचानेऔर शानदार परफॉर्मेंस देने के लिए बनाए गए हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज़ बिज़नेस के वाइस प्रेसिडेंट घुफरान आलम ने कहा, भारत में सैमसंग के 30 साल पूरे होने के मौके पर, हम भारतीय ग्राहकों के लिए लगातार नए और बेहतर एनर्जी-एफिशिएंट समाधान ला रहे हैं। 300 लीटर से कम क्षमता वाले हमारे नए एआई-इनेबल्ड रेफ्रिजरेटर्स, जिनमें बीस्पोक एआई टॉप माउंट फ्रीज़र भी शामिल है, भारतीय घरों में स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी, मॉडर्न डिज़ाइन और बेहतर बिजली मैनेजमेंट की सुविधा देते हैं। यह एआई तकनीक को हर किसी तक पहुँचाने और लोगों की ज़रूरत के हिसाब से समाधान देने की हमारी कोशिश को दर्शाता है।

बेहतर बिजली मैनेजमेंट के लिए एनर्जी मोड

बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर्स में एआई एनर्जी मोड दिया गया है, जो आपके फ्रिज को इस्तेमाल करने का तरीका समझता है और बिजली की खपत का अनुमान लगाता है। यह बिजली के इस्तेमाल को 10 प्रतिशत तक कम करने में मदद करता है। ग्राहक स्मार्टथिंग्स एनर्जी ऐप के ज़रिए रोज़ाना, साप्ताहिक या मासिक आधार परबिजली के खर्च को ट्रैक भी कर सकते हैं, जिससे बिजली का मैनेजमेंट और आसान हो जाता है।

भारत में पेट केयर पर होने वाले खर्च और पेट केयर अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है

● जेन ज़ी और मिलेनियल्स इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं

मुंबई, एजेंसी। पेट्स को सभी प्यार करते हैं। उनकी देखभाल करते हैं और एक परिवार के सदस्य की तरह उनका पालन-पोषण करते हैं। उनके साथ गहरे भावनात्मक जुड़ाव के कारण भारत में 'पेट पैरेंट्स' बढ़ रहे हैं। यह बदलाव केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में उनके लिए शॉपिंग, खर्च और उनकी केयर में भी दिखाई दे रहा है। भारत में पेट इंडस्ट्री पर जारी हुई आई.बी.ई.एफ रिपोर्ट के अनुसार यह सेक्टर लगभग 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जिसमें लोगों की बढ़ती आय, शहरी जीवनशैली और पेट की सेहत के प्रति बढ़ती प्राथमिकता का महत्वपूर्ण योगदान है। यह वृद्धि फ्लिपकार्ट पर भी प्रदर्शित हो रही है, जहाँ पेट-केयर के प्रति जीवनशैली पर आधारित बढ़ते दृष्टिकोण के साथ इस श्रेणी में 50 प्रतिशत से अधिक की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज हो रही है। ग्राहकों द्वारा फ्लिपकार्ट पर कुत्ते और बिल्लियों से लेकर मछलियों, पक्षियों और अन्य पालतू जानवरों तक कई दैनिक उपयोगिता की वस्तुओं और विशेष प्रीमियम प्रोडक्ट्स की खरीदारी की जा रही है। बैंगलोर, दिल्ली और कोलकाता जैसे शहर मांग के मुख्य केंद्र बन रहे हैं और पेट केयर के कुल ऑर्डर्स में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं। वहीं नॉन-मेट्रो शहर, जैसे मैसूर, देहरादून और कटक मेट्रो शहरों के बाहर पेट्स की बढ़ती ओनरशिप प्रदर्शित करते हैं।

पेट केयर में अब केवल फूड और हाईज़ीन की शॉपिंग ही नहीं,

बल्कि न्यूट्रिशन, ग्रूमिंग, वैलनेस और एनरिचमेंट आदि जैसी कई श्रेणियों की शॉपिंग शामिल हो गई है। इस परिवर्तन में नई पीढ़ी के पेट पैरेंट्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। आज फ्लिपकार्ट पर दर्ज होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मांग जेन ज़ी और मिलेनियल्स से प्राप्त हो रही है, जो पेट केयर के लिए ज्यादा सूचित और विकसित दृष्टिकोण रखते हैं।

आज पेट्स की लोगों के जीवन में गहरी भावनात्मक भूमिका है

वो दैनिक जीवन में साथ देते हैं, खेलते कूदते रहते हैं और आराम देते हैं। पेट पैरेंट्स के शॉपिंग के व्यवहार में उनका यह संबंध साफ दिखाई देता है और वो कम्फर्ट, केयर एवं संपूर्ण सेहत को अधिक महत्व देते हैं। फ्लिपकार्ट पर इसलिए एक बढ़ता हुआ परिवेश विकसित हो रहा है, जो पेट्स की केयर को सरल, सुलभ और बेहद निजी बनाता है।

हंगामा ओटीटी पर 'मंगलमुखी' लॉन्च

मुंबई। भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक हंगामा ओटीटी ने 9 अप्रैल 2026 को अपनी नई ओरिजिनल सीरीज 'मंगलमुखी' लॉन्च की। यह एक सशक्त क्राइम ड्रामा है, जिसकी कहानी वाराणसी और मुंबई जैसे दो अलग-अलग माहौल के बीच आगे बढ़ती है। इस सीरीज में एला डी वर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, उनके साथ नमिश तनेजा, रति पांडे और तान्या शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। यह कहानी एक हाई-स्टेक मर्डर मिस्ट्री को पहचान, सम्मान और संघर्ष की भावनात्मक परतों के साथ जोड़ती है। 'मंगलमुखी' की कहानी मंगल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ट्रांसजेंडर पुलिस ऑफिसर है और जिसे लंबे समय से अपने विभाग में तिरस्कार और नजरअंदाजी झेलनी पड़ी है। लेकिन उसकी जिंदगी तब बदलती है, जब उसे अपना पहला बड़ा केस मिलता है। यह केस एक लोकप्रिय टीवी स्टार की कैमरे पर हुई रहस्यमयी मौत से जुड़ा है, जो उसे वाराणसी से मुंबई के अंधेरे एंटरटेनमेंट जगत तक ले जाता है। जो शुरुआत में एक हादसा लगता है, वह धीरे-धीरे एक खौफनाक जांच में बदल जाता है, जहां मंगल को सिर्फ इंसाफ के लिए नहीं बल्कि अपनी पहचान के लिए भी लड़ना पड़ता है। अपने किरदार के बारे में एला डी वर्मा कहते हैं, मंगलमुखी सिर्फ एक पुलिस ऑफिसर की कहानी नहीं है, यह पहचान, हिम्मत और खुद पर विश्वास की कहानी है। उसकी यात्रा जेंडरसे आगे जाती है। यह साबित करने की कहानी है कि आपकी काबिलियत इस बात से तय नहीं होती कि समाज आपको कैसे देखता है। वह तेज, मजबूत और निडर है, और यही बात मुझे इस किरदार की तरफ खींच लाई।

वंदे भारत स्लीपर दूसरी ट्रेन की हो गई घोषणा

ना दिल्ली ना पटना, यह तो चलेगी मुंबई से

नईदिल्ली, एजेंसी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का इंतजार देश के हर राज्य को है। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन हावड़ा से गुवाहाटी रूट पर चली थी। दूसरी वंदे भारत के बारे में कयास था कि यह दिल्ली से पटना या दिल्ली से हावड़ा के रूट पर चलेगी। लेकिन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन सब कयासों पर विराम लगा दिया है। उन्हें खुद पत्र लिख कर सूचित किया है कि वंदे भारत स्लीपर का दूसरा रूट क्या होगा। अश्विनी वैष्णव ने बीते 5 अप्रैल को बेंगलुरु सेंट्रल से लोकसभा सदस्य पी.सी. मोहन को पत्र लिख कर बताया कि चस्क्र बेंगलुरु और ष्टस्स्ड्ड मुंबई स्टेशनों के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेवा को मंजूरी दी गई है। केएसआर बेंगलुरु रेलवे स्टेशन दरअसल बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन है जिसका नाम अब बदल कर क्रांतीवीर संगोली रायना बेंगलुरु कर दिया गया है। वैष्णव ने बताया कि इस समय ट्रेन के रूट, जर्नी टाइम और फ्रीक्वेंसी आदि पर काम कर चल रहा है। उन्होंने लिखा है 'ट्रेन सेवा जल्द ही शुरू होगी। 'बेंगलुरु से मुंबई 17 घंटे में

बेंगलुरु डिवीजन के डीआरएम आशुतोष कुमार सिंह ने डेक्कन हेराल्ड के साथ बातचीत में बताया है कि इन दोनों शहरों के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलेगी, इसकी घोषणा तो हो गई है। लेकिन अभी रूट फाइनल नहीं हुआ है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि दोनों शहरों के बीच यह ट्रेन 17 से 18 घंटे में यात्रा पूरी करेगी। इसका रूट क्या होगा, वाया कालबुर्गी या वाया हुबली इस सवाल पर उनका कहना था कि अभी भी इस पर काम चल रहा है। हां, उन्होंने बताया कि बेंगलुरु से मुंबई जाने का वाया हुबली छोटा रूट है जबकि वाया हुबली जाने में ज्यादा समय लगता है।

केकेआर के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। सीएसके की टीम ने संजू सैमसन के शतक से पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। अब उसका लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना होगा। सीएसके की ओर से पिछले मैच में जेमी ओवरटन ने भी चार विकेट लेकर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। जिसे वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। उन्होंने अपनी उछाल भरी गेंदों से विरोधी टीम के बल्लेबाजों को हैरान कर दिया था। वहीं स्पिनर अकील हुसैन ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

बल्लेबाजी में सीएसके के पास सैमसन के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी हैं।युवा डेवाल्ड ब्रेविस के फिट होकर वापसी करने का भी लाभ मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर केकेआर इस सत्र में अब तक एक भी मैच नहीं जीती है और ऐसे में उसपर इस मैच में किसी प्रकार से जीत हासिल करने का दबाव रहेगा। पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ वह जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में अजिंक्य रहाणे इस मैच में किस रणनीति से उतरते हैं ये देखना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही इस सत्र में अच्छी नहीं रही है।

कैमरन ग्रीन के गेंदबाजी शुरु करने से हालांकि उसकी उम्मीदें जगी हैं। रिंकू सिंह भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और उनका इरादा अब अपने को साबित करना रहेगा। रहाणे ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है पर उन्हें अंत तक टिके रहना होगा। युवा अंगकृष रघुवंशी और रोवमैन

पॉवेल भी फार्म में आ गये हैं जो टीम के लिए सकारात्मक संकेत है। केकेआर को अगर सीएसके को उसके घरेलू मैदान पर हराना है तो उसके गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मेजबान टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। आंकड़ों पर नजर डातें तो अबतक दोनो के बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें सीएसके ने 20 मैच जीते हैं, जबकि केकेआर ने 11 मैचों में जीत हासिल की है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला है।

पिच की बात करें तो शुरुआत में बल्लेबाजों को लाभ होता है पर मैच आगे बढ़ने

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स- संजू सैमसन (विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, अकील हुसैन, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, गुरजनप्रीत सिंह

इम्पैक्ट प्लेयरः कार्तिक शर्मा/मैथ्यू शॉर्ट

कोलकाता नाइट राइडर्स- फिन एलन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, ब्लेसिंग मुजरबानी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयरः नवदीप सैनी

रॉयल्स के मैनेजर रोमी पर कार्रवाई कर सकता है बीसीसीआई

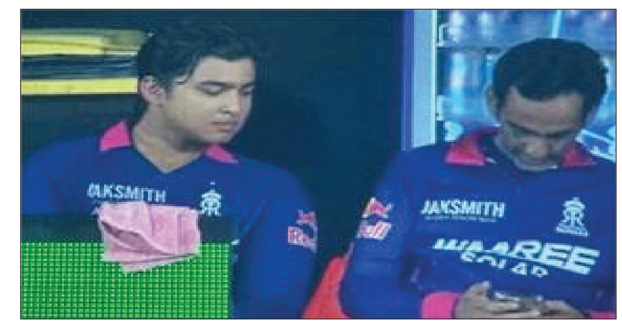

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के टीम मैनेजर रोमी भिंडर की मुश्किलें बढ़ सकती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच के दौरान टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग करना उन्हें भारी पड़ सकता है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी उनपर कार्रवाई कर सकता है। गुवाहाटी में हुए इस मैच में रोमी टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के पास बैठकर मोबाइल चला रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी माना है कि टीम मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है।

इस अधिकारी ने कहा, जी हां रोमी ने वास्तव में खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के लिए बने प्रोटोकॉल को तोड़ा है क्योंकि मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन के उपयोग पर रोक है। आईपीएल के अनुसार, टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का उपयोग कर सकता है पर डगआउट में नहीं। रोमी फेंचाइज़ी की शुरुआत से ही इससे जुड़े हुए हैं और जानकारों का मानना ??है कि उन्हें भ्रष्टाचार रोधी प्रोटोकॉल के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए। अब देखना होगा कि उनपर क्या कार्रवाई होती है।

इस अधिकारी ने कहा, यह अनजाने में भी हो सकता है पर इस पर कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन है। चेतावनी दी जाएगी या प्रतिबंध लगाया जाएगा, इसका फैसला मैच रेफरी और भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। आईपीएल की संचालन परिषद इस आधार पर फैसला ले सकती है। रोमी को और भी गहन जांच का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि सूर्यवंशी ने मैच के बाद उन्हें अपना स्थानीय संरक्षक बताया था।

आईपीएल अंकतालिका में तीसरे नंबर पर पहुंची आरसीबी, रॉयल्स शीर्ष पर बरकरार

मुम्बई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में जीत के साथ ही आईपीएल 2026 की अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। इस मैच के साथ ही इस सत्र में आरसीबी ने लगातार अपना तीसरा मैच जीता। अंकतालिका में अभी पहले स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है। रॉयल्स ने अब तक अपने सभी चारों मैच जीतकर 8 अंक हासिल किए हैं। वहीं, पंजाब किंग्स ने 4 में से 3 मैच जीत कर 7 अंक के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया है जबकि आरसीबी 4 में तीन मैच जीतकर 6 अंक के साथ ही तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जांयट्स 4-4 अंक लेकर आगे के स्थानों पर हैं। सनराइज हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपरकिंग्स ने अभी तक 4-4 मैच में से केवल 1-1 मैच ही जीता है। इन तीनों टीमों के अंक 2 हैं। अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है (केकेआर) है। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है।

अंक तालिका में चौथे पायदान पर दिल्ली कैपिटल्स है। उसने चार मैचों में से दो मैच जीत चुकी है और उसके खाते में 4 अंक हैं। सूची में पांचवें पायदान पर गुजरात टाइटन्स है, जो चार में से दो मैच जीती और दो मैच हारी है। छठे पायदान पर बरकरार लखनऊ सुपर जायट्स ने चार में से दो मैच जीते हैं। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर कायम टीमों ने कम से कम दो मैच जीते हैं और इतने ही मैच ये हारी हैं।सातवें से 10वें नंबर तक की टीमों ने एक से ज्यादा मुकाबला नहीं जीता है। सातवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद है। वह चार में से तीन मैच हारी है और एक मैच जीती है। आठवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके)की हालत भी यही है। वह भी तीन मैच हारने के बाद चौथा मैच जीती है। सीएसके नौवें नंबर पर है। सबसे अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है जो एक भी मैच नहीं जीती है। तीन मैच हारे हैं और एक मैच बेनतीजा रहा है। इस तरह केकेआर को केवल एक ही अंक मिला है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाया जाना चाहिये : पोलार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम शुरुआत से ही विवादों में रहा है। साल 2023 से लागू होने के बाद से ही कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे ऑलराउंडरों को ही नुकसान हो रहा है। ऐसे में इस नियम को हटा दिया जाना चाहिये। वहीं अब मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने भी कहा है कि इम्पैक्ट प्लेयर का विकल्प ऑलराउंडरों की भूमिका को सीमित कर रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पोलार्ड लंबे समय से आईपीएल का हिस्सा हैं। वह 2010 से अलग-अलग भूमिकाओं में आईपीएल से जुड़े रहे हैं और टीम में ऑलराउडर के तौर पर भी शामिल रहे हैं।

पोलार्ड ने कहा, मैं इस नियम को पसंद नहीं करता हूं पर इसे हटाना मेरे हाथ में नहीं है। इससे केवल ये हो रहा है कि इसने टी20 क्रिकेट में बड़े स्कोर बन रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी इसके पड़ने वाले असर पर अभी तक मैंने धयान नहीं दिया है। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होने से केवल तब ही लाभ हो रहा है जब कोई टीम लीग गेम में कुछ विकेट गंवा देती है तो भी उसके पास अधिक रन बनाने का अवसर रहता है। उन्होंने जो लोग इस प्रकार के नियम बना रहे हैं उन्हें यह देखना चाहिये कि क्या यह वास्तव में खेल के लिए अच्छा है, टेलीविज़न के लिए अच्छा है, या सिर्फ़ लोगों के लिए फ़ायदेमंद है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ, कुछ ऐसे कौशल सेट होत हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रयोग नहीं हो रहा है। ऐसें में मेरा मानना है कि उनको इसकी समीक्षा करनी चाहिये। अगर ऐसा नहीं होता हो ये इसी प्रकार जारी रहेगा।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर इस नियम की आलोचना की है। अक्षर पटेल ने सीजन शुरू होने से पहले कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑल-राउंडर हूं। पहले, आप बैटिंग और बॉलिंग के लिए एक ऑलराउंडर चुनते थे। इस नियम की वजह से, टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को रखती है, यह सोचकर कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है?शुभमन गिल भी इसके विरोध में हैं। उनका कना है कि कोई इम्पैक्ट प्लेयर नहीं होना चाहिए। आम तौर पर क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का गेम है। एक अतिरिक्त बल्लेबाज जोड़ने से, मुझे लगता है कि गेम

से कौशल समाप्त हो जाता है। उस एक खिलाड़ी से गेम को और भी वन-डाइमेंशनल बना रहा है। गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने हाल ही में कहा, ÷मुश्किल विकेट पर 180 या 160 रन का पीछा करना मेरे लिए सपाट ट्रैक पर 220 रन का पीछा करने से ज़्यादा रोमांचक है।÷ इम्पैक्ट प्लेयर नियम 2023 से लागू है।

फॉर्मूला वन की 2027 में भारत में वापसी होगी, खेल मंत्री ने कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि 2027 में भारत में फॉर्मूला वन रेस की वापसी होगी । मांडविया ने यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि ग्रेटर नोएडा में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में इस रेस के आयोजन के लिए कम से कम तीन कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है । उन्होंने कहा, 'भारत में 2027 में फॉर्मूला वन रेस होगी । पहली रेस बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की जाएगी ।' भारत इससे पहले फॉर्मूला वन रेस इंडियन ग्रां प्री आयोजित कर चुका है, लेकिन कर और नौकरशाही संबंधी समस्याओं के कारण 2013 में तीसरे संस्करण के बाद इसे फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटा दिया गया था ।

रोहित मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

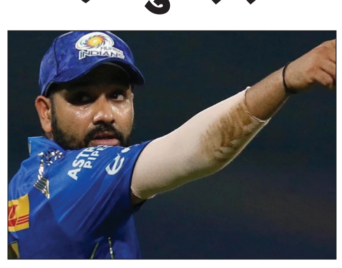

मुम्बई । मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अपनी 19 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है । इसी के साथ ही वह आईपीएल में 6000 रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के पहले बल्लेबाज बने हैं । रोहित ने जैसे ही आरसीबी के खिलाफ अपने 6 रन पूरे किये । उसी के साथ ही उनके 6000 रन परे हो गये । रोहित ने जैकब डफी की गेंद पर छक्का लगाकर ये आंकड़ा हासिल किया । रोहित साल 2011 मुंबई इंडियंस से जुड़े थे । उसके बाद से ही वह इस टीम से खेलते हुए नजर आ रहे हैं । वहीं सूर्यकुमार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं । सूर्यकुमार ने 116 मैचों में 3776 रन बनाए हैं । उनके बाद कीरोन पोलार्ड ने 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस की ओर से 189 आईपीएल मैचों में 3412 रन बनाए हैं । वहीं आईपीएल में एक ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित से आगे विराट कोहली हैं । कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम के लिए 271 आईपीएल मैचों में कुल 8840 रन बनाए हैं ।

महिला टी20 विश्व कप के लिए रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा, पिछली बार की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने सोमवार को आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए 82 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की । इस विश्व कप का आयोजन दो महीने बाद इंग्लैंड एवं वेल्स में होगा । कुल पुरस्कार राशि में पिछले सत्र की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है । टूर्नामेंट के पिछले सत्र में 10 टीमों ने भाग लिया था, लेकिन 12 जून से 05 जुलाई तक सात स्थानों पर खेले जाने वाले आगामी विश्व कप में 12 टीमें भाग लेंगी । इसका फाइनल लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा । संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित पिछले सत्र की कुल पुरस्कार राशि 7,958,077 डॉलर (लगभग 74 करोड़ रुपए) थी, जो अब बढ़कर 8,764,615 डॉलर

(लगभग 82 करोड़ रुपये) हो गई है । विजेता टीम को 23,40,000 डॉलर (लगभग 21.8 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जबकि उपविजेता को 11,70,000 डॉलर (लगभग 10 करोड़ रुपये) प्राप्त होंगे। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 6,75,000 डॉलर (लगभग 6.29 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जबकि प्रत्येक ग्रुप मैच जीतने पर टीमों को 31,154 डॉलर (लगभग 29 लाख रुपये) मिलेंगे। आईसीसी ने यहां विज्ञप्ति में कहा, 'सभी 12 प्रतिभागी टीमों को कम से कम 2,47,500 डॉलर (लगभग 2.06 करोड़ रुपए) का सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा।' टूर्नामेंट की शुरुआत 12 जून को बर्मिंघम के एडजबेस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मैच से होगी । इस विश्व कप में भाग लेने वाली अन्य टीमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, आयरलैंड, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज हैं । 33 मैचों का यह टूर्नामेंट 24 दिनों तक चलेगा । इस बीच, टी20 विश्व कप ट्रॉफी मेजबान शहरों का दौरा करेगी और लंदन में इसका समापन होगा । स्कॉटलैंड में सात से 10 मई तक इसका पहला पड़ाव होगा । ICC के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, 'महिला क्रिकेट का विकास लगातार तेज हो रहा है । ICC महिला टी20 विश्व कप का 12 टीमों तक विस्तार और रिकॉर्ड पुरस्कार राशि, एक मजबूत और अधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक खेल के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है ।'

आईपीएल2026 : प्रसिद्ध कृष्णा का लखनऊ के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन से पर्पल कैप पर कब्जा

लखनऊ (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजी प्रसिद्ध कृष्णा ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटक कर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया है।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में रविवार को खेले गए इस मुकाबले में प्रसिद्ध कृष्णा चार विकेट लेकर गेंदबाजों की सूची में चार मैचों में कुल 10 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए है। इस दौरान प्रसिद्ध ने 28/4 के आंकड़े के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है जबकि उकना इकोनॉमी रेट 9.50 रहा है।

इस सूची में दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स (RR) के रवि बिश्नोई (9 विकेट) तथा चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज अंशुल कंबोज (8 विकेट) तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और रॉयल चैलेंजसै बेंगलुरु के जैकब डफी हैं, जिनके नाम 6-6 विकेट हैं।

LSG vs RCB

मैच की बात करें तो तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी। रस्त को 8 विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए और रस्त 164 रन ही बना पाई।

तेज गेंदबाज अशोक ने अपनी रफ्तार से प्रभावित किया

चंडीगढ़ । आईपीएल के इस सत्र में गुजरात टाइटंस टीम से खेल रहे युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने अपनी गेंदबाज से सभी को प्रभावित किया है । अशोक ने इस सत्र की शुरुआत पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से की थी । अशोक ने अपने पहले ही मैच में 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा है । शोक ने इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था । उसी के कारण उन्हें आईपीएल के लिए गुजरात ने शामिल किया है । इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा । वह कए साधारण परिवार से आये हैं । उन्होंने नेट गेंदबाज के तौर पर राजस्थान रॉयल्स के लिए काम किया है । इसके बाद उन्हें आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 55 लाख रुपए में खरीदा था पर उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिल सका । इसके बाद गुजरात टाइटंस ने उन्हें 90 लाख रुपए में शामिल किया । अशोक ने फर्स्ट क्लास करियर में 4 मैच खेले हैं, जिसमें 29.71 की औसत के साथ 14 विकेट हासिल किए । वहीं, 7 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 13 विकेट हैं । अशोक ने अपने टी20 करियर में 10 मैच खेले हैं, जिसमें 15.63 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं ।

नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहे : मैनेजर कुका

रियो डी जेनेरो । स्टार फुटबॉलर नेमार आगामी विश्वकप को देखते हुए ब्राजील की टीम में जगह पाने के प्रयासों में लगे हुए हैं । इसी कड़ी में नेमार सैंटोस और एटलेटिको मिनेरो के बीच हुए मैच के दौरान पूरे समय मैदान में बने रहे । इस मैच से वापसी करते हुए नेमार को पूरे समय खेलते देकर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे । वहीं टीम के मैनेजर कुका ने भी नेमार के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इसी प्रकार खेलते रहे तो जून में होने वाले विश्वकप में ब्राजील की टीम में उनकी जगह पक्की हो सकती है। कुका ने कहा, नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहा है, उसे टीम में वापसी के लिए मेहनत करते रहना होगा। उसका खेल लगातर निखर रहा है। ।, कुका ने कहा कि वह मंगलवार को रेकोलेटा के साथ सैंटोस के खिलाफ होने वाले घरेलू कोपा अमेरिका मैच में भी खे सकता है । उन्होंने कहा, उसके लिए पूरे 90 मिनट खेलना जोखिम भरा है । हमें उसे खेल का आनंद लेते हुए लय हासिल करते देखना अच्छा लग रहा है । नेमार, जो

128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल के साथ ब्राजील की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी पर अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट टूटने के बाद से ही वह ब्राजील से नहीं खेल पाये हैं । इसके बाद से ही वह लगातार फिटसेस से जुड़ी परेशानियां झेल रहे हैं । पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब में लौटने के बाद से वह सैंटोस के लिए 35 मेच से लगातार उतर रहे हैं । ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के विश्व कप के लिए टीम की घोषणा से पहले उनके पास सैंटोस के लिए अपनी फिटनेस साबित करने के लिए 10 और गेम हैं । ब्राजील की टीम विश्वप में अपना अभियान 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी ।

2027 एकदिवसीय विश्वकप में मिलर सहित कई अनुभवी खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका की टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप में डेविड मिलर, रासी वैन डेर डुसेन सहित कई स्टार खिलाड़ियों के बिना ही खेलती दिखेगी । इसका कारण है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने साल 2026-27 सत्र के लिए मिलर सहित कई खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया है । वहीं युवा खिलाड़ियों को पहली बार शामिल किया गया है । मिलर को केन्द्रीय अनुबंध के अलावा हाइब्रिड करार भी नहीं दिया गया है । इससे उनके अंतराराष्ट्रीय करियर पर सवाल उठने लगे हैं । मिलर ने कुछ समय पहले कहा था कि वह 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं पर अब उनकी ये इच्छा अधूरी ही रह जाएगी । मिलर के अलावा रासी वैन डेर डुसेन को झइब्रिड करार नहीं मिला । वहीं बल्लेबाज रीजा हैननिक और तेज गेंदबाज नांद्रे बरगर भी करार में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं । इस बार दक्षिय अफ्रीका बोर्ड ने नये खिलाड़ियों को अधिक अवसर दिया है। इस बार सीएसके ने युवा खिलाड़ियों डेवाल्ड ब्रेविस, कोर्बिन बास , आंटेरिन बार्टमैच जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए अनुबंध यसूची में शामिल किया है। इसके अलावा ऑफ स्पिनर सिमोन हार्मर को भी पहली बार करार मिला है । इस बार उन घरेलू खिलाड़ियों को भी अवसर

दिया गया है । जो भविष्य में इंटरनेशनल क्रिकेट खेल सकते हैं । चयन संयोजक पैट्रिक मोरोनी ने कहा, आगे का सत्र काफी व्यस्त और अहम होने वाला है, इसलिए टीम में अनुभवी के साथ ही नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है । उन्होंने आगे कहा, 2027 एकदिवसीय विश्वप कप को ध्यान में रखते हुए हमने ऐसे खिलाड़ियों को चुना है, जिनमें बड़े टूर्नामेंट जीतने की क्षमता और सही मानसिकता है । उसकी अनुबंध सूची में टेम्बा बावुमा, एडेन मार्करम, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और काइल वेर्रेयन जैसे अनभवी खिलाडी भी शामिल हैं ।

विराट और रोहित चोटिल हुए, अगले मैच में खेलने को लेकर उठे सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में टखने में चोट लग गयी है। जिससे कारण उनके आईपीएल के अगले मैच में खेलने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इससे आरसीबी को झटका लगा है। वहीं मुम्बई के भी पूर्व कप्तान मुम्बई रोहित शर्मा इसी मैच में चोटिल हो गये। इससे मुम्बई की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विराट की फिटनेस को लेकर आशंकाएं इसलिए भी बढ़ गयी हैं क्योंकि वह मुम्बई की बल्लेबाजी के दौरान मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि इस मैच में आरसीबी की टीम जीत गयी। मैच के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार और ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा कि कोहली के शीघ्र ठीक होने की उम्मीद है। पाटीदार ने कहा, 'मुझे अभी नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि वह अभी ठीक हैं।'

वहीं क्रुणाल ने कहा, 'मैंने अभी फिजियो से बात नहीं की है पर मुझे लगता है कि वह ठीक हो जाएंगे, चिंता की कोई बात नहीं है।' इस मैच में विराट ने हालांकि बल्लेबाज के दौरान फिल सॉल्ट के साथ 120 रनों की शुरुआती साझेदारी की थी। विराट ने 38 गेंद में ही अर्धशतक लगा दिया था। वहीं इस मैच में मुम्बई के सलामी बल्लेबाज रोहित भी चोटिल हो गये हैं। इसी कारण ही रोहित को पांचवें ओवर के बाद मेडिकल हेल्प लेनी पड़ी। हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण रोहित छठे ओवर की दूसरी गेंद के बाद मैदान से बाहर चले गए। उन्होंने 13 गेंद में 19 रन बनाए और वह वापस मैदान में उतर नहीं पाये। आरसीबी का अगला मैच 15 अप्रैल को जबकि मुंबई इंडियंस का 16 अप्रैल को होना है ऐसे में विराट और रोहित दोनों को अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कुछ दिन का समय मिलेगा।

पहली बार साथ आएंगे टाइगर और सुनील

बॉलीवुड के एक्शन हीरो और दिग्गज अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों एक नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

वैरायटी इंडिया के मुताबिक पहली बार टाइगर श्रॉफ और सुनील शेट्टी नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे। दोनों अपने-अपने अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टाइगर जहां अपनी फिटनेस और स्टाइलिश एक्शन के लिए मशहूर हैं, वहीं सुनील शेट्टी अपने दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और रफ-टफ इमेज के लिए पसंद किए जाते हैं। इस प्रोजेक्ट को और भी खास बनाता है इसका एक इमोशनल कनेक्शन। सुनील शेट्टी पहले टाइगर श्रॉफ के पिता जैकी श्रॉफ के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। अब वह उनके बेटे के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार मेकर्स इसे बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी में हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव मिल सके।

फिल्म को एक फुल-ऑन एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है, जिसमें जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, स्टाइलिश फाइट्स और मसाला एंटरटेनमेंट का तड़का देखने को मिलेगा। कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि पहली बार यह जोड़ी बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाली है और उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म एक्शन लवर्स के लिए खास साबित होगी।

भूत बंगला फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में हॉरर-कॉमेडी का दमदार बेलेंस देखने को मिल रहा है। साथ ही ट्रेलर में एक्ट्रेस मिथिला पालकर भी दिखाईं दीं। अब उन्होंने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें प्रियदर्शन की इस फिल्म में रोल कैसे मिला।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर किया खुलासा
दरअसल, मिथिला पालकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ एक पोस्ट शेयर की। साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि वो कल्याणी प्रियदर्शन थीं, जिन्होंने अपने पिता प्रियदर्शन को मिथिला के बारे में बताया।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था

उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक अपॉर्चुनिटी, जो कभी मैंने सोची भी नहीं थी। कल्याणी की बहुत आभारी, जिनके बिना ये आइडिया पहुंच भी नहीं पाता। और प्रियन सर, आपका भरोसा करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आपको बता नहीं सकती कि इस फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा। बहुत-बहुत आभारी। दर्शकों का बहुत शुक्रिया, जिन्होंने ट्रेलर को इतना प्यार दिया। मैं इंतजार नहीं कर सकती आप लोगों का फिल्म देखने के लिए। मिथिला की इस पोस्ट पर कल्याणी प्रियदर्शन ने कमेंट किया और कहा कि उन्होंने बस अपने पिता को बताया कि वे मिथिला की फैन हैं, और उससे ज्यादा कुछ नहीं किया। बता दें कि कल्याणी प्रियदर्शन भी एक्ट्रेस हैं, और साउथ की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

कब रिलीज होगी भूत बंगला?

बता दें कि फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ डायरेक्टर प्रियदर्शन और एक्टर अक्षय कुमार की जोड़ी 14 साल बाद फिर से साथ आने वाली है। अक्षय के अलावा इसमें वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और असरानी अहम किरदार में नजर आएंगे।

'धुरंधर 2' पर चुप्पी को लेकर ट्रोल हो रहीं दीपिका पादुकोण ने दिया जवाब

'धुरंधर द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। फिल्म ने अपनी सफलता के जरिए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। हाल ही में इसने 1 हजार का आंकड़ा पार किया था। फिल्म के लिए रणवीर सिंह को भी लोगों से खूब प्यार मिल रहा है। लेकिन इन सब के बीच रणवीर सिंह की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की तरफ से फिल्म को लेकर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया। इसके लिए फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे थे। अब इस पर एक्ट्रेस ने करारा जवाब दिया है।

दीपिका ने खुद किया कमेंट

जब ये रील दीपिका तक पहुंची, तो उन्होंने खुद कमेंट कर जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'दूसरी वाली बात सही है मेरे दोस्त... और हां, मैंने ये फिल्म आप सबसे पहले ही देख ली थी। अब बताओ, मजाक किसका बन रहा है?'

सोशल मीडिया पर किया जा रहा था ट्रोल

दरअसल, एक इंस्टाग्राम रील के कैप्शन में लिखा था- 'दीपिका ने 500 करोड़ बजट फिल्म को साइलेंट ट्रीटमेंट दिया है। जब फिल्म ग्लोबल रिकॉर्ड बना रही थी, तब वे अपने ससुराल वालों के साथ सितार का कॉन्सर्ट देखने पहुंच गईं। ना कोई पोस्ट, ना कोई तारीफ...बस चुप्पी। क्या वो डायरेक्टर को कोई स्टेटमेंट देना जाहती हैं या फिर इंटरनेट ड्रामा से दूर हैं।

फैंस ने किया दीपिका का समर्थन

उनके इस जवाब के बाद फैंस भी उनके समर्थन में आगे आ गए। एक ने कमेंट किया- 'शायद वो प्रीमियर के दिन अपने पति की लाइमलाइट नहीं लेना चाहती थीं।' वहीं दूसरे ने लिखा- 'वे अपने बच्चे की देखभाल में व्यस्त हैं, उन्हें अकेला छोड़ दो।' वहीं एक यूजर ने लिखा- 'उन्हें लोगों से अपने रिलेशनशिप और पति को लेकर वैलिडेशन की जरूरत नहीं।'

भाषा की बाधा अब खत्म हो रही है

हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाने वाले अपारशक्ति खुराना अब साउथ में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अपारशक्ति साई-फाई थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इससे पहले अभिनेता ने भाषा की बाधा की खत्म होती धारणा और क्षेत्रीय सिनेमा के बढ़ते स्तर को लेकर बात की। बातचीत में अपारशक्ति खुराना ने अपनी फिल्म की कहानी और भाषा की सीमाओं को लेकर कहा कि जैसे-जैसे ज्यादा कलाकार हिंदी सिनेमा से हटकर क्षेत्रीय सिनेमा में काम करने की ओर बढ़ रहे हैं, भाषा को एक बाधा मानने की धारणा धीरे-धीरे खत्म हो रही है। मुझे लगता है कि कहानी ने मुझे स्वाभाविक रूप से अपनी ओर खींच लिया। भाषाओं की सीमाओं को पार करना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब क्षेत्रीय सिनेमा हमारे देश में इतना प्रासंगिक हो गया है। हिंदी भाषी दर्शकों का तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों की ओर रुख करना वाकई कमाल है।

एस. सूर्यप्रताप द्वारा निर्देशित साइ-फाइ थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार है।

सोना महापात्रा ने बताई बॉलीवुड अवॉर्ड शो की काली सच्चाई

'चेतक स्क्रीन अवॉर्ड' में आलिया भट्ट ने सुनील सिंह ग्रोवर के साथ मिलकर महफिल सजाने की कोशिश की, लेकिन अब सोशल मीडिया पर उनके होस्टिंग के वीडियो को वायरल कर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स का कहना है कि अभिनेत्री को कॉमेडी करनी नहीं आती और वे प्रियंका चोपड़ा को कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं।

अब सिंगर सोना महापात्रा ने आलिया भट्ट को सपोर्ट करते हुए वीडियो पोस्ट किया है और बॉलीवुड में काम करने वालों की एकता पर भी सवाल किए हैं। सिंगर का कहना है कि जब कोई शो लाइव चलता है तो रीटेक का ऑप्शन नहीं होता है और स्टेज पर आकर लोगों को हंसाना बहुत मुश्किल काम है और बॉलीवुड में लाइव शो करना ही अपने आप में बहुत बड़ा स्टंट है। सिंगर का यह भी कहना है कि अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा रहा है, लेकिन उस दौरान ऑडियंस में बैठे स्टार्स ने भी उनकी होस्टिंग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था, जो गलत था और अब ट्रोलिंग होने पर भी कोई सामने नहीं आ रहा है।

सोना महापात्रा ने यह भी साफ किया कि सिर्फ मंच से होस्टिंग काफी नहीं होती है, बल्कि ऑडियंस में बैठे लोगों को भी मंच पर खड़े होस्ट का हौसला बढ़ाना होता है, लेकिन उस दिन सबकी एनर्जी और रिएक्शन मरा हुआ था। उन्होंने खुद का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि शबाना आजमी मिजवान फैशन शो होस्ट करती हैं और वहां रैंप पर चलने वालों की एनर्जी हाई होती है और ऑडियंस में बैठे बॉलीवुड स्टार्स की एनर्जी जीरो होती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की कि वे आलिया भट्ट को ट्रोल न करें।

सिंगर सोना ने कहा, 'मुंबई फिल्म उद्योग सफलता और संघर्ष की मानसिकता को दूर नहीं करती। हम जितने अधिक 'सफल' होते जाते हैं, उतने ही कम उदार होते जाते हैं? तालियों की जगह हिसाब-किताब ले लेता है। प्रोत्साहन की जगह खामोश प्रतिस्पर्धा ले लेती है। सितारों और कामयाब लोगों से भरा कमरा, लेकिन फिर भी, कोई एक-दूसरे का साथ नहीं देता।'

सिंगर ने आलिया को सपोर्ट करते हुए लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है और यूजर्स भी उनका बराबर साथ दे रहे हैं। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब आलिया को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले उनके और रणबीर कपूर के रिश्ते को लेकर भी उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

मजबूरी में लेखक-डायरेक्टर बना इमरान सर के गानों पर स्कूल में नाचा हूं

'गुडाचारी', 'मेजर' और 'हिट द सेकंड केस' जैसी कामयाब फिल्मों के लिए मशहूर साउथ सिनेमा के युवा स्टार अदिवि शेष अब एक और ऐक्शन-रोमांस से भरपूर फिल्म 'डकैत' लेकर आए हैं। इसी सिलसिले में उनसे खास बातचीत:

'कर्मा' और 'किस' जैसी शुरुआती फिल्मों में आप ऐक्टर के साथ राइटर-डायरेक्टर भी रहे। अभी डायरेक्शन से दूरी बना रखी है। क्या वापस यह डबल रोल निभाने का इरादा है?

'कर्मा' बनाने के बाद ही मुझे अहसास हुआ कि मैं अच्छा डायरेक्टर नहीं हूं। असल में, लेखन और निर्देशन मेरी मजबूरी थी क्योंकि बतौर ऐक्टर ऐसे रोल नहीं मिल रहे थे, जैसा मैं करना चाहता था। जिस तरह की स्क्रिप्ट्स मुझे पसंद थी, वे मिल नहीं रही थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि इंडस्ट्री के अंदर कैसे आना है? वह विश्वसनीयता और सम्मान कैसे कमाऊं? तो मैंने खुद फिल्में लिखीं और बनाई। वो मेरी जरूरत थी। फिर, बाद में जब वो जगह बन गई तो मैं वो (ऐक्टिंग) कर रहा हूं, जो हमेशा से करना चाहता था। राइटिंग भी मेरी ऐक्टिंग को ही मजबूत करने का जरिया है।

'डकैत' में आप अपने फैंस के पसंदीदा ऐक्शन अवतार में हैं। इन दिनों ऐक्शन का दौर चल भी खूब रहा है। हालांकि, उसमें हिंसा और वीभत्स सीन पर भी काफी जोर दिख रहा है। आप इसकी क्या वजह मानते हैं?

'डकैत' ऐक्शन फिल्म नहीं है। यह लव स्टोरी में ऐक्शन है। इसमें दो पूर्व प्रेमी हैं, जो कभी एक दूसरे से प्यार करते थे। अब ऐसे माहौल में मिले हैं जहां डकैती हो रही है। गोलियां चल रही हैं। इन सबके बीच उनके पुराने प्यार का क्या होता है, ये कहानी है। रही हिंसा की बात तो अभी जमाना ही ऐसा है। दुनिया में जिस बेरहमी से मिसाइलें दागी जा रही है, वो हम सब देख रहे हैं। मुझे लगता है कि फिल्मों से ज्यादा हिंसा अभी असल दुनिया में है। रही बात ट्रेंड की, तो मुझे लगता है कि कोई भी ट्रेंड तब तक रहता है, जब तक दूसरा उसे तोड़ नहीं देता है। मैंने यश चोपड़ा जी का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वे कह रहे थे कि एक दिन मरीन ड्राइव पर उन्होंने देखा कि हर होर्डिंग पर 4-4 हीरो बंदूकों के साथ दिख रहे थे। ऐसे वक्त में उन्होंने 'चांदनी' बनाने की सोची, जो क्लासिक बनी। जब रोमांस अपने चरम पर था, उस दौर में 'गदर' जैसी ऐक्शन और 'लगान' जैसी देसी फिल्म सुपरहिट हुई थी।

'डकैत' में आपके खिलाफ अनुराग कश्यप विलन की भूमिका में हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

हम बहुत लकी हैं क्योंकि वह बहुत विनम्र और निष्ठावान इंसान हैं। वह इतने मशहूर राइटर-डायरेक्टर हैं, पर जितने सामान्य तरीके से काम कर रहे थे, जैसे हमसे बात कर रहे थे, मानो खुद एक स्टूडेंट हों तो बहुत अच्छा अनुभव रहा। हमने 'डकैत' को अलग अलग भाषाओं में शूट किया है। इसके हिंदी वर्जन के डायलॉग में उन्होंने काफी गाइडेंस दिया तो इंडिया के बेस्ट डायलॉग लेखक हमें फ्री में मिल गए। उनके स्किल्स से हमें बहुत मदद मिली। 145 दिनों के शूट में उन्होंने एक बार पूछा कि क्या मैं एक शॉट में आपको डायरेक्ट कर सकता हूं, वो भी बहुत ही प्यार से और उस छोटे से सीन को उन्होंने जैसे शूट किया, वो एक किस्म का मास्टर क्लास था। मैंने स्कूल में था, जब उनकी फिल्म ब्लैक फ्राइडे देखी थी, तबसे उनका फैन हूं।

आप 'डकैत' के साथ 'गुडाचारी' का सीक्वल 'जी 2' भी शूट कर रहे हैं। दोनों के बीच में तालमेल बिठाने में कोई चुनौती आई?

'जी 2' हमने थोड़ा ही शूट किया है। अभी ज्यादा ध्यान 'डकैत' पर है क्योंकि यह पहले रिलीज है। इसके बाद मैं, वामिका गब्बी, इमरान खान सर, सब फिर से उस फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे। इन दोनों के साथ काम करने में भी बड़ा मजा आ रहा है। इमरान सर कमाल के ऐक्टर हैं। वो लेजेंड हैं। मैंने स्कूल में उनके गानों पर डांस किया है। मेरे लिए, अक्खा बॉलिवुड एक तरफ और इमरान सर के गाने एक तरफ जैसा आलम था। वहीं, वामिका को हाल ही में मैं चिढ़ा रहा था कि तुम मेरी फिल्म 'डकैत' के खिलाफ अपनी 'भूत बंगला' रिलीज कर रही हो।

स्वामी, प्रकाशक, संपादक : अली आदिल खान द्वारा सांई प्रिन्टिग प्रेस डी-85, न्यू अशोक नगर, नोएडा, गौतमबुद्धनगर यूपी से मुद्रित कराकर सी-148, साउथमोती बांग, पो0 चान्यक्यपुरी, नई दिल्ली-110021 से प्रकाशित किया।
RNI.No. : DELMUL/2012/47011 Email.timesofpedia@gmail.com